राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस समूह

मध्यप्रदेश | राजस्थान | हरियाणा | छत्तीसगढ़ | महाराष्ट्र से प्रकाशित

डाक पंजीयन क्रं. 173/15-17 | 5 मंधाना के साथ की 292 की पार्टनरशिप अफ्रीका के.... | सम्पादकीय व्यस्तता बढ़ी लेकिन सक्रियता नहीं | जियो के बाद एयरटेल के रिचार्ज 21 प्रतिशत 5

वर्ष 11 अंक 37 E-mail: dholpur@hotmail.com | फरीदाबाद, शनिवार 29 जून 2024 | ई-पेपर के लिए लॉगऑन करें -www.hindustanexpess.online | मूल्य 2.00 रुपया, पृष्ठ 8

नीट को लेकर संसद के दोनों सदनों में विपक्ष ने किया हंगामा

आर.एन.एस.

नई दिल्ली। संसद सत्र के पांचवें दिन शुक्रवार को नीट मुद्दे के चलते दोनों सदनों में जमकर हंगामा हुआ। लोकसभा में कार्यवाही हंगामे के चलते 1 जुलाई तक स्थगित कर दी गई। हालांकि राज्यसभा में कार्यवाही रुक-रुककर चलती रही। बाद में इसे भी 1 जुलाई तक स्थगित कर दिया गया। दरअसल, विपक्ष नीट पर चर्चा की मांग को लेकर स्थगन प्रस्ताव लाया था। लोकसभा स्पीकर ने कहा कि नियमों के मुताबिक राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद के बीच स्थगन प्रस्ताव नहीं लाया जाता। जबकि राज्य सभा में 22 सांसदों के नोटिस को सभापति ने खारिज कर दिया। 24 जून से शुरू हुआ संसद का यह सत्र 3 जुलाई तक चलेगा। राज्य सभा में पीएम मोदी 3 जुलाई को चर्चा का जवाब दे सकते हैं।

नीट मामले पर चर्चा की मांग के दौरान राज्यसभा में चेयरमैन जगदीप धनखड़ और नेता विपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के बीच विवाद की स्थिति बनी। हंगामे के बीच खड़गे सभापति की आसंदी के पास पहुंच गए, जिस पर धनखड़ भड़क गए और कार्यवाही 2 बजे तक रोक दी।खड़गे सदन से बाहर आकर बोले कि यह चेयरमैन की गलती है। मैं उनका ध्यान खींचने के लिए अंदर गया था। लेकिन, तब भी वे नहीं देख रहे थे। वे केवल सत्ता पक्ष को देख रहे थे। नियमानुसार उन्हें मेरी तरफ देखना चाहिए, लेकिन उन्होंने जानबूझकर मुझे अनदेखा करके मेरा अपमान किया। तो मेरे लिए क्या बचा था? मुझे या तो अंदर जाना होगा या बहुत जोर से चिल्लाना होगा। प्रदर्शन कर रहीं कांग्रेस सांसद फूलो देवी नेताम को चक्कर आ गया। उन्हें संसद से आरएमएल हॉस्पिटल ले जाया गया। सदन में कार्यवाही जारी रही, लेकिन विपक्षी सांसद हॉस्पिटल चले गए। सेहत में सुधार होने पर फूलो को डिस्चार्ज कर दिया गया।

संसद में बेहोश हुई कांग्रेस राज्यसभा सांसद फूलोदेवी नेताम

इस बीच नीट मुद्दे पर प्रदर्शन कर रहीं कांग्रेस सांसद फूलो देवी नेताम को चक्कर आ गया। उन्हें संसद से आरएमएल हॉस्पिटल ले जाया गया। 24 जून से शुरू हुआ संसद का यह सत्र 3 जुलाई तक चलेगा। राज्य सभा में पीएम मोदी 3 जुलाई को चर्चा का जवाब दे सकते हैं।

फूलो देवी के बेहोश होने के बाद भी सदन चलते रहने पर रेणुका चौधरी ने आरोप लगाया कि एक महिला सांसद की जान की कोई कीमत नहीं है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि आज राज्यसभा में ऐसी घटना हुई। एक महिला सांसद बेहोश हो गई और उसका बीपी लगभग स्ट्रोक के लेवल पर था। हमारे 12 सांसद उसे अस्पताल ले जा रहे हैं। सत्र अभी भी चल रहा है, क्या एक महिला सांसद की जान की कोई कीमत नहीं है? मैं इस व्यवहार से हैरान हूं।

कांग्रेस का आरोप- राहुल गांधी का माइक बंद किया गया

लोकसभा की कार्यवाही की शुरुआत तो हुई, लेकिन महज 15 मिनट बाद ही इसे 12 बजे तक स्थगित कर दिया गया। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने पीएम मोदी से नीट पर चर्चा में शामिल होने की अपील की। लेकिन हंगामे के बीच लोकसभा की कार्यवाही रोकनी पड़ी। राहुल जब बोलने लगे तो उनकी आवाज नहीं आई, इस पर विपक्ष ने स्पीकर पर माइक बंद करने का आरोप लगाया। इस पर ओम बिरला ने कहा कि उनके पास माइक का बटन नहीं होता है। सदन की कार्यवाही दोबारा शुरू होने पर विपक्ष फिर नारेबाजी करने लगा, जिससे कार्यवाही 1 जुलाई तक स्थगित कर दी गई।

मुख्यमंत्री के निर्देश पर गौवंश के अवैध परिवहन पर मध्यप्रदेश पुलिस की सख्त कार्रवाई

- 6 माह में 500 से अधिक प्रकरण दर्ज
- 7 हजार से अधिक गौवंश कराए मुक्त
- 1000 से अधिक आरोपी गिरफ्तार एवं 300 से अधिक वाहन जप्त
- सिवनी जिले में गौवध करने वाले सभी आरोपी गिरफ्तार

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर राज्य में गौवंश के वध और खुले में मांस की बिक्री व अवैध परिवहन पर प्रतिबंध लगाने की दिशा में मध्यप्रदेश पुलिस तत्परता से कार्रवाई कर रही है। पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर प्रत्येक जिले में पुलिस ने अपने खुफिया तंत्र को सक्रिय किया और निगरानी स्वरूप परिवहन मार्ग चिन्हित कर त्वरित कार्यवाही की, जिसके उल्लेखनीय परिणाम प्राप्त हुए हैं। पुलिस ने विगत 6 माह में गौवंश का अवैध परिवहन करने के 500 से अधिक प्रकरण दर्ज किए हैं। साथ ही एक हजार से भी अधिक आरोपियों की गिरफ्तारी की जा चुकी है।

गौवंश का वध करने नागपुर से सिवनी आए थे आरोपी

पुलिस ने सिवनी जिले में अलग-अलग थाना क्षेत्रों में गौवंश का वध करने वाले सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। सिवनी जिले में गौवंश का वध करने की साजिश महाराष्ट्र के नागपुर में रची गई थी। गौवंश का वध करने के लिए आरोपियों को पैसे का लालच दिया गया था। इसमें स्थानीय लोगों की भी संलिप्तता पाई गई है। घटना के बाद अपराधियों की धरपकड़ के लिए पुलिस ने अलग-अलग टीमों का गठन किया। पुलिस मुख्यालय भोपाल से भी मामले की लगातार मॉनीटरिंग की जा रही थी, ताकि साम्प्रदायिक सौहार्द को बिगाड़ने के लिए इस तरह के अमानवीय जघन्य अपराध को कारित करने वाले अपराधियों की गिरफ्तारी शीघ्र हो सके।

पुलिस कर रही सख्त कार्रवाई

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा पदभार ग्रहण करने के बाद दिसंबर 2023 में पुलिस मुख्यालय में आयोजित बैठक के दौरान पुलिस को प्रदेश में गौवंश के अवैध परिवहन पर कठोरता से कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए थे। इन्हीं निर्देशों के तारतम्य में पुलिस ने विगत 6 माह में अवैध गौवंश से संबंधित कुल 575 प्रकरण पंजीबद्ध किए हैं। इन प्रकरणों में 1121 अपराधियों को गिरफ़्तार कर 7524 गौवंश की मुक्ति कराई जा चुकी है। इस कार्यवाही में अब तक अवैध रूप से परिवहन कर रहे 342 वाहन भी जप्त किए जा चुके हैं।

गौवंश का अवैध परिवहन करने वालों के घर पर चला बुलडोजर

गौवंश का अवैध परिवहन और गौवध करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जा रही है। पुलिस के सहयोग से प्रशासन द्वारा आरोपियों के घर पर बुलडोजर चलाया जा रहा है। रतलाम जिले के जावरा में मंदिर में गौवंश के अवशेष फेंकने वाले चार आरोपियों के घर ढहाए जा चुके हैं। इसी तरह सिवनी जिले में गौवध करने वाले तीन आरोपियों के 4 घरों पर भी बुलडोजर चलाया जा चुका है। मुरैना के नूराबाद में गौवंश की हत्या करने के मामले में आरोपियों के 2 मकान जमीदोज किए गए थे।

प्रदेश के सीमावर्ती जिलों में पुलिस रख रही विशेष नजर

पुलिस को अवैध परिवहन पर गोपनीय स्तर पर निगाह रखना आवश्यक था। इसलिए पुलिस मुख्यालय ने विगत 10 वर्षों के गौवंश के अवैध परिवहन के ट्रेंड और रूट्स का गहन विश्लेषण कर कार्ययोजना तैयार की, जिसके आधार पर पुलिस को यह स्पष्ट हुआ कि मप्र के दक्षिण व पश्चिम के सीमावर्ती जिले जैसे बालाघाट, सिवनी, छिंदवाड़ा, बड़वानी, खरगोन, बुरहानपुर, उज्जैन, रतलाम, नीमच आदि जिले गौवंश के अवैध परिवहन से सर्वाधिक प्रभावित हैं। इन सभी क्षेत्रों में पुलिस तत्परता से ध्यान पूर्वक लगातार कार्यवाही कर रही है। यह भी जानकारी प्राप्त हुई है कि कई बार गौवंश का अवैध परिवहन करने वाले अपराधी मुख्य मार्गों से हटकर जंगल व गांव के कच्चे रास्ते से गौवंश निकालने का प्रयास करते हैं। इस ओर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है तथा कई प्रकरणों में आरोपी इन स्थानों से पकड़े गये हैं।

गौवंश का अवैध परिवहन रोकने के लिए विशेष अभियान

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा 11 जून 2024 को प्रदेश के सभी कलेक्टर एवं एसपी को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के दौरान गौवंश के अवैध परिवहन पर विशेष कार्यवाही करने के लिए निर्देशित किया गया था। इन निर्देशों के परिपालन में पुलिस द्वारा विगत सप्ताह 13 से 20 जून 2024 तक पूरे प्रदेश में विशेष अभियान चलाकर गौवंश के अवैध परिवहन पर कठोर कार्यवाही सुनिश्चित की गई। इस अभियान के दौरान पूरे प्रदेश में 70 प्रकरण गौवंश के अवैध परिवहन के दर्ज किए गए। इसमें 124 आरोपियों पर कार्यवाही कर 38 वाहन जप्त किए गए तथा 528 पशु मुक्त कराए गए।

मध्यप्रदेश गौवंश वध प्रतिषेध अधिनियम

मध्यप्रदेश गौवंश वध प्रतिषेध अधिनियम के अंतर्गत मध्यप्रदेश में गौमांस एवं गौवंश के अवैध परिवहन पर प्रतिबंध लगा हुआ है। अधिनियम में गौमांस एवं गौवंश को परिभाषित करते हुए उनके वध एवं अवैध परिवहन पर रोक लगाई गई है। इसी प्रकार से मध्यप्रदेश कृषक पशु परिरक्षण अधिनियम के अंतर्गत भी गौवंश के वध पर प्रतिबंध है। पशुओं के प्रति क्रूरता का निवारण अधिनियम भी इसी प्रकार किसी भी पशु को पीटने, अत्यधिक सवारी करने, बोझा लादने व किसी भी प्रकार की पीड़ा या यातना देने पर रोक लगाता है। हाल ही में अधिनियम के प्रावधानों के संबंध में जिले के अधिकारियों को विशेष रूप से अवगत कराया गया एवं प्रशिक्षित किया गया।

सुशासन के नवीन आयाम स्थापित करती, मोहन सरकार

माननीय मुख्यमंत्री जी सुशासन के विचार को लेकर न सिर्फ गंभीर हैं बल्कि सकारात्मक कार्यों के साथ प्रदेश को विकास की ओर ले जाने के लिए तेजी से अग्रसर हैं। सरकार द्वारा लिए जा रहे निर्णयों एवं जनहित में उठाए जा रहे ठोस कदमों को काफी सराहा जा रहा है। हाल ही में कार्यालयों के समय को लेकर दिए गए आदेश ने आम जनता के बीच काफी सुर्खी बटोरी है। इस आदेश के माध्यम से सभी शासकीय कार्यालयों में कर्मचारियों की तय समय में उपस्थिति को लेकर विशेष निर्देश जारी किए हैं। स्वाभाविक है कि इस कदम के चलते कार्यालयों में आने वाले सभी लोगों का कार्य आसानी से होंगे साथ ही समय की बचत भी होगी. इसे सरकार का सुशासन की दिशा में एक ठोस कदम कहा जाए तो गलत न होगा।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का यह भी प्रयास है कि ईमानदार, कार्यकुशल एवम सहज अधिकारियों को ऐसी जिम्मेदारी दी जाए, जिसके चलते सरकारी कामकाज में तेजी के साथ आम जनता के कार्य विधिवत एवं आसानी से अंजाम तक पहुंच सके। हाल ही में हुए बड़े अधिकारियों की तबादला सूची इसका एक उदाहरण बन पड़ी है। श्रीमती अरुण रश्मि शमी की नवीन पद स्थापना हो अनुभवी आईएएस एम सेलेवेन्द्रन, धनराजू एस. जैसे अधिकारी को बड़ी जिम्मेदारी देना साथ ही श्री कृष्ण गोपाल तिवारी जैसे कर्मठ आईएएस को नर्मदापुरम संभाग का कमिश्नर बनाया जाना। साफ करता है कि अब वही अधिकारी जिम्मेदार पदों पर बैठ पाएंगे जो कि रिजल्ट देने में सक्षम होंगे। लोकहित कार्यों के साथ आने वाले विधानसभा सत्र को लेकर भी सरकार की गंभीरता साफ साफ झलकती है। सदन की गरिमामयी परंपराओं का पालन करने के साथ यह सत्र जनहित कार्यों को लेकर एक मिसाल साबित हो, इसका पूरा प्रयास किया जा रहा है। इसी के चलते मुख्यमंत्री जी द्वारा प्रश्नावली से लेकर सदन से जुड़े कार्यो को लेकर बैठक आहूत करके जानकारी ली एवं आवश्यक दिशा निर्देश जारी किए।

कर्नाटक : वैन और लॉरी की टक्कर में 13 की मौत

हावेरी। कर्नाटक के हावेरी जिले में वैन और लॉरी की टक्कर में दो बच्चों सहित 13 लोगों की मौत हो गई। चार घायल हैं। वैन में 17 लोग सवार थे। पुलिस ने बताया, हादसा सुबह 3.45 पर हुआ। जब वैन हावेरी जिले के बयादागी में हाईवे किनारे खड़ी एक लॉरी से टकरा गई। चार घायलों में से दो ढ्ढष्ट में एडमिट हैं। हावेरी एसपी अंशू कुमार श्रीवास्तव के मुताबिक, वैन में सवार सभी लोग चिंचोली मयम्मा देवस्थान से आ रहे थे और शिवमोग्गा लौट रहे थे। तभी वैन ने लॉरी को पीछे से टक्कर मार दी। शुरुआती जांच में सामने आया कि ड्राइवर को झपकी आने के कारण यह हादसा हुआ। पुलिस ने कहा कि टक्कर इतनी जोरदार थी कि, कुछ शव वैन के टूटे हिस्सों में फंस गए थे। फायर ब्रिगेड की मदद से उन्हें निकाला गया। मृतकों की पहचान नागेश, विशालाक्षी, आदर्श, अर्पिता, परशुराम, भाग्य, पुण्य, मनसा, रूपा, सुभद्रा बाई, मंजुला बाई और मंजुला के रूप में की गई है। एक की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है।

शासन की प्राथमिकताओं, उपलब्धियों और श्रेष्ठ कार्यों की जानकारी पहुंचाएं आमजन तक : मुख्यमंत्री

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि विधानसभा के आगामी सत्र के लिए विभाग और विभागाध्यक्ष प्रश्नों के उत्तर भेजने के साथ ही विभागीय उपलब्धियों का विवरण भी तैयार रखें। विधानसभा एक ऐसा माध्यम है, जहाँ शासन के श्रेष्ठ कार्यों की जानकारी दिए जाने से आमजन तक भी महत्वपूर्ण सूचनाएं पहुंच जाती हैं। विधानसभा सदस्यों द्वारा पूछे गए प्रश्नों के उत्तर समय-सीमा में भेजे जाएं। उत्तर के रूप में भेजी गई जानकारी भी संपूर्ण एवं प्रासंगिक होना चाहिए। इसी तरह जनकल्याण से जुड़ी राज्य शासन की प्राथमिकताओं का ब्यौरा भी इसमें शामिल होना चाहिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बैठक में विधानसभा सत्र के लिए की जा रही तैयारियों और जरूरी जानकारी भेजने के कार्यों की विभागवार समीक्षा करते हुए आवश्यक निर्देश दिए।

स्वर्णिम भारत का स्वप्न, नशा मुक्त समाज से होगा साकार: मंत्री नारायण सिंह कुशवाह

– नशा मुक्त समाज निर्माण में महिलाओं की अहम भूमिका, – जागरूकता रथों को झंडी दिखाकर किया रवाना

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

भोपाल। सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन कल्याण मंत्री नारायण सिंह कुशवाह ने कहा कि स्वर्णिम भारत का सपना नशा मुक्त समाज निर्माण से ही पूरा किया जा सकता है। घर और समाज से शराब की लत के समाप्त करने में माता-बहनों की अहम भूमिका हो सकती है। उन्होंने यह बात विभिन्न सामाजिक संगठनों की सहभागिता के साथ सामाजिक न्याय विभाग द्वारा नशामुक्ति अभियान जागरूकता कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर कही। मंत्री श्री कुशवाह द्वारा नशा न करने की शपथ दिलाई और झंडी दिखाकर जागरूकता वाहन रैली को विदा किया।

मंत्री श्री कुशवाह ने कहा कि समाज में अनादी काल से नशा सामाजिक बुराई के रूप में व्याप्त है। भारत में नशा मुक्त समाज बनाने के लिये प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 15 अगस्त 2020 को नशामुक्त भारत अभियान का शुभारंभ किया गया है। इसमें केन्द्र और राज्य सरकार के सामाजिक न्याय विभाग द्वारा सामाजिक सहभागिता से विभिन्न स्तर पर जागरूकता अभियान चलाये जा रहे है। इन अभियानों की सफलता में घर की महिलाओं की अहम भूमिका हो सकती है। उन्होंने कहा कि पुरूष के नशा करने पर सबसे ज्यादा प्रताड़ित घर की माँ-बहन एवं बाद में बच्चे होते हैं। इसलिए आवश्यक है कि माता-बहनें घरों में और मोहल्ले में संगठित होकर नशा करने वालों के विरूद्ध जागरूकता अभियान चलाये। नशा से अपराध, दुर्घटनाएँ, गरीबी और बेरोजगारी में लगातार वृद्धि हो रही है। मंत्री श्री कुशवाह ने शहरों की स्लम बस्तियों में विशेष जागरूकता अभियान चलाने की आवश्यकता जताई। वर्ष 2024-25 में प्रदेश के सभी जिलों में नशामुक्ति केन्द्रों की स्थापना कराई जायेगी।

आयुक्त सामाजिक न्याय श्री भौंसले ने बताया कि सम्पूर्ण विश्व नशा की समस्या से पीड़ित है, इसीलिये 1987 में यू.एन.ओ. द्वारा प्रति वर्ष 26 जून को 'अंतर्राष्ट्रीय नशा निवारण दिवस' मनाने का निर्णय लिया गया है। मध्यप्रदेश में 15 जून से 30 जून तक नशामुक्ति पखवाड़ा मनाया जा रहा है। विभिन्न सामाजिक संगठनों के सहयोग से जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। भोपाल में नशामुक्ति जागरूकता वाहन रैली निकाली भी जा रही है। कार्यक्रम में प्रजापति ब्रह्मकुमारी ईश्वरीय संस्थान के वॉलिंटियर द्वारा जागरूकता नाटक का मंचन कला पथक दल द्वारा नशामुक्ति पर आधारित गीत की प्रस्तुती दी गई। प्रजापति ब्रह्मकुमारी संस्थान की राजयोगनी ज्योति दीदी, गायत्री परिवार के समन्वयक राजेश पटेल, आयुक्त सामाजिक न्याय आर.आर भौंसले सहित बड़ी संख्या में सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित थे।

जीव अपने स्वरूप को माया के कारण भूल जाता है: स्वामी अवधेशानंद जी

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

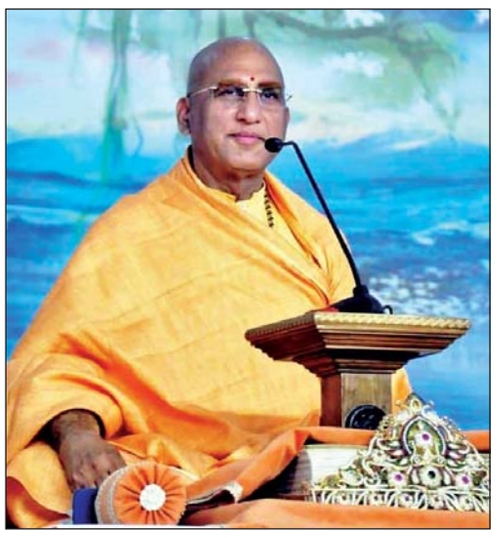

हरिद्वार। श्रीमत् परमहंस, परिव्राजकाचार्य, श्रोत्रिय, ब्रह्मनिष्ठ, जूनापीठाधीश्वर, आचार्य महामण्डलेश्वर, अनंत श्री विभूषित स्वामी अवधेशानंद गिरिजी महाराज ने कहा कि - हम सभी में सर्वशक्तिमान परमात्मा बीज रूप में विद्यमान है और यही बीज आत्मसत्ता है, जो परम सत्य से नित्य एकीकृत है। इस अनन्त और सनातन सत्ता को जानना ही परम पुरुषार्थ है। शास्त्र और सन्तों का कथन है कि अपने इस अनन्त शाश्वत अविनाशी स्वरूप का बोध न होना एवं आत्म-विस्मृति ही हमारे दुःख का मूल कारण है। सत्संग स्वाध्याय एवं आध्यात्मिक विचारों द्वारा अपनी आत्मसत्ता का बोध हमारी प्राथमिकता बने ...! सत्संग, स्वाध्याय एवं आध्यात्मिक विचारों द्वारा अंतःकरण को ब्रह्म-रसाभिसिक्त करते रहें, आत्मसत्ता का बोध सर्वथा कल्याण कारक है। स्वयं के अस्तित्त्व अर्थात् अपने शाश्वत अविनाशी स्वरूप का बोध न होने के कारण मानव अपनी अनन्तता से अपरिचित है। अतः आध्यात्मिक पथ का अवलम्बन एवं आत्म-अवबोध की तत्परता जगाएँ। स्वयं में समाहित भगवद-तत्त्व चिन्मय एवं अखण्ड-आनन्द आपूरित है। उस अपने दिव्य अविनाशी, शाश्वत और नित्य स्वरूप का बोध मांगल्य-मोद और मुक्ति प्रदाता है। अतः साधन विधियों में आत्म-अनुसंधान, स्वाध्याय और सद्गुरू अनुग्रह सद्यः फलकारक है। अपने अविनाशी, नित्य, सनातन एवं शाश्वत-स्वरूप का बोध श्रीमद्भागवत से सहज सम्भव है। श्रीमद्भागवत भवतारक साधन है। अपने वास्तविक स्वरूप की स्मृति और बोध का फलादेश है - निर्भयता और अखण्ड-आनन्द के अनुभव का स्थायी बन जाना। अतः आत्मस्थ रहें। जीव अपने स्वरूप को माया के कारण भूल जाता है। जिस प्रकार सूर्य की किरणें सूर्य से पृथक नहीं हैं, उसी प्रकार जीव भी वास्तव में ब्रह्म से पृथक नहीं है। अज्ञान के कारण ही जीव अपने उस वास्तविक रूप को नहीं पहचान पाता, जिस अंशी का वह अंश है। चेतन जीव अपना सम्बन्ध जड़ शरीर, मन, बुद्धि, अहंकार अथवा किसी कल्पित रूप से मान बैठता है। जीव का यह अज्ञान, आत्म-ज्ञान के अभाव के अतिरिक्त कुछ नहीं है। आत्म-ज्ञान का साक्षात्कार कराने के लिए ही ईश्वर की सद्गुरु रूपी शक्ति प्रकट हुई है। सन्त-सद्गुरु ही ईश्वर प्राप्ति कराने के मूल साधन हैं। मनुष्य शरीर पूर्ण मुक्त है, पर पूर्ण सतगुरु के मिलने पर ही

हमें अपनी वास्तविकता का ज्ञान होता है। स्वामी जी कहा करते हैं कि मनुष्य अपने सच्चे और चैतन्य स्वरूप को तभी जान सकता है, जब मन स्थिर और शान्त बना रहे। अशान्त मन से हम कभी भी अपने आत्म-स्वरूप का बोध नहीं कर सकते। हमारा मन तब पूर्णरूप से शान्त होगा, जब हम अपनी अन्तर सत्ता के प्रति समरूप से जागरूक एवं सचेत होंगे तथा जागरूकता के उस बोध में पूर्णतया अवस्थित होंगे। तभी हमें अपने आत्म-स्वरूप का बोध होगा, जिसे हम 'आत्मबोध' की प्राप्ति कहते हैं ...।

स्वामी श्री अवधेशानंद जी ने कहा कि - प्रभु का स्मरण करने मात्र से मनुष्य के सारे दुःख कट जाते हैं। अपने पूर्वजन्म कृत कर्मों से कोई जीव बच नहीं सकता, यही ईश्वरीय न्याय है। हमारे मनीषियों ने इस विषय में हमारा मार्गदर्शन किया है। वे कहते हैं कि हर समय मनुष्य को ईश्वर का स्मरण करना चाहिए। कैसी भी अवस्था क्यों न हो, उसी की शरण में रहना चाहिए। इसका सरल सा अर्थ यही है कि अपने सभी दैनन्दिन कार्यों और दायित्वों का भली-भाँति निर्वहण करते हुए उस परमपिता परमात्मा का स्मरण करना चाहिए। सभी द्वन्द्वों को सहन करते हुए, अपने सम्पूर्ण शुभाशुभ कर्मों का फल उस ईश्वर को अर्पित करते रहना चाहिए। व्यवहार में ऐसा करने वाला व्यक्ति कभी अभिमानी नहीं बन सकता। भगवान श्रीकृष्ण ने भी गीता में यही उपदेश दिया है कि 'कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन। मा कर्मफलहेतुर्भूमा ते संगोस्त्वकर्मणि ...'। अर्थात, केवल कर्म करना ही मनुष्य का अधिकार है, फल की कामना नहीं करनी चाहिए। कर्मफल का हेतु बनने पर मनुष्य में अकर्मन्यता का भाव आने लगता है। कर्म किए बिना और कोई उपाय नहीं है। दुःख हो या सुख जो मनुष्य हर समय परमात्मा का स्मरण करता है, उसके जीवन में सुख आए अथवा दुःख, वह हर स्थिति में समान रहता है। दोनों को प्रसाद समझकर ग्रहण करता है। जिसका मन उस निरंकार प्रभु से जुड़ा रहता है, उसे ही परमात्मा की प्राप्ति हो सकती है और आवागमन के इस चक्र से मुक्ति मिल सकती है। परमात्मा को सच्चिदानन्द स्वरूप कहा गया है। विराट का ही एक अंश होने से जीवात्मा भी उन्हीं गुणों से सुशोभित है। सत्, चित् और आनन्द - ये तीनों मिलकर कारण शरीर का ढाँचा बनाते हैं। सत् अर्थात् शाश्वत, अजर-अमर और अविनाशी स्वरूप। चित् अर्थात् चेतना, दिव्य गुणों से सुसज्जित, उच्चस्तरीय आदर्शों, आस्थाओं से युक्त। आनन्द अर्थात् भाव-संवेदनाओं, सरसता, मृदुलता से सिक्त अंतःकरण आशा, उत्साह, संतोष के परस्पर समन्वय पर आधारित जीवनक्रम है। आत्मा का सहज स्वभाव है - ऊँचा उठना, अपने विराट स्वरूप की स्वयं को प्रतिमूर्ति बनाने के लिए इन्हीं गुणों से स्वयं को समृद्ध करना तथा अंततः समस्त आवरणों को हटाते हुए अपने चरम लक्ष्य को प्राप्त करना। परिष्कृत जीवात्मा इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए आध्यात्मिक पुरुषार्थ करती है एवं जीव ब्रह्म सम्मिलन से निस्सृत परमानन्द की स्थिति को प्राप्त करती है। आत्म-तत्व की गहराई को समझना सबसे बड़ी उपलब्धि माना गया है। जिसने स्वयं को जानकार जीवन लक्ष्य की पूर्ति की आवश्यकता को समझ लिया, वह महामानव बनता है और देव समुदाय में सम्मिलित होकर अपना ही नहीं, बल्कि अन्य असंख्यों का कल्याण भी करता है। अपने में ओत-प्रोत ब्रह्मसत्ता को जागृत करना और स्वयं में देवत्व तथा ईश्वरत्व का उदय करना ही आत्म-बोध की परिणित है और यह आत्म-बोध ही ज्ञान साधना का चरम लक्ष्य है। जो स्वयं को नहीं जानता है, वह सत्य को कैसे जान सकता है? सत्य को जानने का द्वार स्वयं से होकर ही आता है। इसलिए जिसने स्वयं को जान लिया उसने संसार को इच्छानुकूल बनाने और पदार्थों तथा प्राणियों को उल्लास प्रदान कर सकने का मार्ग हस्तगत कर लिया।

जीवन का अस्तित्व है नदी की अविरल धारा मुरार नदी जीर्णोद्धारः डॉ. केशव पाण्डेय

सरोकारः जीवन रक्षा की गुहार लगाने वाली मुरार नदी की स्वच्छता के लिए चलाया जाएगा विशेष जन अभियान

- एक नदी तभी संपूर्ण होती है, जब यह समस्त घाटी क्षेत्र से, सभी मौसमों में, एक 'अविरल धारा' और 'निर्मल धारा' की तरह बहती रहे, और उसमें एक भौगोलिक इकाई और पर्यावरणीय इकाई का गुण हो।

- अविरल धारा का मतलब-बिना किसी बाधा या रुकावट के बहना, यानी नदी लगातार बहती रहे। ऐसा इसलिए ताकि नदी अपने उद्गम स्थल से निकलर दूसरी नदी या सागर में बिना किसी बाधा के मिल सके।

कभी कल-कल कर बहा करती वैशाली यानी मुरार नदी की अविरल धारा मुरार की शान हुआ करती थी। लेकिन अफसोस इस बात का, कि लाखों को जीवन देने वाली मुरार नदी आज अपने जीवन की रक्षा की गुहार लगा रही है। नदी की उपेक्षा का हाल यह है कि पिछले पांच दशक से इसकी कभी सफाई नहीं कराई गई। नतीजा शायद ही इस दौरान नदी की धारा में उफान आया हो। जल एवं प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण एवं संवर्धन की यही असली तस्वीर है?

रमौआ से निकलने वाली मुरार नदी आज अपने अस्तित्व को बचाने की गुहार लगा रही है और निर्मल धारा के लिए जीवित होना चाहती है।

निर्मल धारा का मतलब है बिना किसी प्रदूषण के बहना। इसके लिए प्रदूषण की रोकथाम के उपाय करने होंगे और नदी के जलमार्गों व प्रदूषण विभाग प्रमुखों के बीच आपसी तालमेल पैदा करना होगा। ताकि नदी की अविरल धारा बनी रहे मतलब बिना किसी बाधा या रुकावट के नदी लगातार बहती रहे। नदियों का तटीय इलाकों में सूखना या उनकी धारा का रुकना ठीक नहीं है। जब नदी दूसरी नदी या सागर तक आने से पहले ही सूख जाती है या उसका बहाव बंद हो जाता है तो उन क्षेत्रों में जलदायी स्तर भी सूखने लगता है। इसका जीता जागता उदाहरण कि मुरार क्षेत्र में भूजल स्तर 500 से 700 फीट नीचे चला गया है। इससे मीठे पानी के जलस्तर में भी खारापन बढ़ने की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता है। इसलिए अविरल धारा बहुत महत्वपूर्ण है।

नदियों को हमारे देश में सदैव एक जीवंत इकाई के रूप में देखा गया। यह केवल सांस्कृतिक प्रभावों की वजह से नहीं बल्कि इसका वैज्ञानिक प्रमाण का आधार भी है। आधुनिक वैज्ञानिक अध्ययन तथा नदियों व उनके पर्यावरण तंत्र की गहरी समझ के कारण नदी मानव जीवन के लिए महत्वपूर्ण है। मुरार नदी अपना मूल स्वरूप खो चुकी है और बुरी तरह से अस्त-व्यस्त दशा में है। इंसानी बसावट, वृक्षों की कटाई, बढ़ता अतिक्रमण, अनियंत्रित प्रदूषण और चारों ओर पसरी गंदगी ने नदी के जलबहाव क्षेत्र को अवरुद्ध कर और नुकसान पहुंचाकर नदी को नाले में परिवर्तित कर दिया है। औद्योगिक और एग्रो रसायनिक कूड़े और घरेलू कचरे को साफ किए बिना ही नदी में छोड़ दिया जाता है। इन सभी बाधाओं ने नदी के जल-जीवन को भी प्रभावित किया है। प्रजातियों की संरचना में बदलाव आया है और बहुत सी प्रजातियाँ विलुप्त हो चुकी हैं।

नदी के सूखने या उसका स्वरूप बिगड़ने से मानव अस्तित्व को खतरा है। क्योंकि नदी को ऐसे संपूर्ण ईकोसिस्टम के रूप में पूरी तवज्जोह नहीं दी गई है, जिसकी पर्यावरणीय अखंडता उसके भौतिक, रसायनिक और जैविक गुणों और उनके जलबहाव क्षेत्र पर निर्भर करती है। एक नदी के पास अपना पर्यावरणीय प्रवाह होता है जिसके बल पर वो अपने ईकोसिस्टम को सुचारू बनाए रखती है। इसी ईकोसिस्टम से पानी की अलग-अलग जरूरतों में लाभ पहुँचता है। इससे नदी की सेहत बनी रहती है, आर्थिक विकास और निर्धनता उन्मूलन में मदद मिलती है। वे नदी को स्वस्थ बनाए रखने के सभी फायदे उपलब्ध करवाते हैं ताकि नदी समाज को अपने लाभ देती रहे।

पर्यावरण और जल संरक्षण की अनदेखी कर अगर पर्यावरणीय प्रवाह की जरूरतों को पूरा न किया गया तो मध्यम और दीर्घकाल में नदी का इस्तेमाल करने वालों को घातक परिणामों का सामना करना होगा।

कारण स्पष्ट है कि नदियों से सिंचाई का काम लिया जाता है, मौजूदा परिवेश में वे औद्योगिक कामों के लिए ताजे पानी का स्त्रोत भी हैं। यह समझना बहुत महत्व रखता है कि नदी केवल इसलिए नहीं कि मनुष्य उनका शोषण करे। मनुष्य ही अपने अस्तित्व के लिए नदियों पर निर्भर है। यह ध्यान देना और भी अहम हो जाता कि ताजे जल स्त्रोत को बनाए रखा जाए ताकि मनुष्य प्रजाति नष्ट न हो। समाज को पानी और प्रकृति से जो?ने में पारंपरिक प्रथाओं का भी सहारा लिया गया।

मुरार नदी को अपने प्राकृतिक रूप में बहना चाहिए और जब उसमें जल का प्रवाह होगा तभी उसके संरक्षण की बात की जा सकती है। मुरार नदी न सिर्फ एक नदी है बल्कि यह उस क्षेत्र की आस्था, परंपरा, संस्कृति और स्वर्णिम इतिहास की पहचान है। यह सदियों से क्षेत्र के लोगों की आजीविका का उपक्रम है। लेकिन आज जीवनदायिनी नदी के अस्तित्व पर ही घोर संकट आ पड़ा है। जलीय जीवन की सुरक्षा एक संकल्प हैं जिन्हें पूरा करना हमारा नैतिक कर्तव्य है। मुरार नदी के अस्तित्व पर संकट गहरा गया है। नदी की अविरल धारा अब नाले में तब्दील हो गई है। जिससे भविष्य में जल संकट गहराने का खतरा मंडराने लगा है। अपना मूल स्वरूप और अस्तिव खो चुकी मुरार नदी का फिर से अविरल बहना शहर व अनेकों गांवों के लिए निकट भविष्य में सुखद संदेश होगा। तो फिर हम सब मिलकर एक संकल्प लेकिर हाथ बढ़ाएं और नदी की पावन, निर्मल और अविरल धारा के लिए कदम बढ़ाएं। पहले चरण में हुरावली से काल्पी ब्रिज तक करीब तीन किलो मीटर तक इसकी सफाई कर इसे गहरा किया जाने का संकल्प है। यदि हम अपने संकल्प को पूरा करने में कामयाब रहें तो वो दिन दूर नहीं जब नाले में तब्दील हो चुकी मुरार नदी भी अहमदाबाद की पहचान बन चुकी साबरमती की तर्ज पर संवारी जा सके और ग्वालियर की नई पहचान बन जाए।

मैदानी कार्य प्रणाली का अध्ययन जनकल्याण के लिये प्रेरित करता है : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि भारतीय प्रशासनिक सेवा के नवनियुक्त अधिकारी मैदानी स्तर तक जाकर शासन की कार्यप्रणाली का अध्ययन कर जनकल्याण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए प्रेरित होते हैं। मध्यप्रदेश में राजस्व प्रशासन के स्तर पर महत्वपूर्ण बदलाव हुए हैं। इसी तरह नदियों को पुनर्जीवित करने, जल स्त्रोतों के जीर्णोद्धार, स्कूल चलें हम अभियान और अन्य महत्वपूर्ण अभियानों की उपलब्धियों का सेवाकाल के प्रारंभ में अध्ययन हो जाने से प्रशासनिक अधिकारियों को कार्य संपादन में सहयोग मिलेगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को मंत्रालय में सौजन्य भेंट करने आये भारतीय प्रशासनिक सेवा वर्ष 2023 बैच के 9 परिवीक्षाधीन अधिकारियों से चर्चा कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सभी प्रोबेशनर अधिकारियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय डॉ. राजेश राजौरा, प्रमुख सचिव संजय कुमार शुक्ला, राघवेंद्र कुमार सिंह, प्रशासन अकादमी के महानिदेशक विनोद कुमार के साथ संचालक, प्रशासन अकादमी श्रीमती सोनाली पोंक्षे वायंगणकर उपस्थित थीं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राजस्व विभाग के अनेक कार्य अब ऑनलाइन संचालित हो रहे हैं। पटवारी द्वारा रखे जाने वाले रिकार्ड विभिन्न स्तरों पर संधारित होने से आम लोगों को एक व्यक्ति पर निर्भरता से मुक्ति मिली है। गिरदावरी से जुड़े कार्यों और अन्य राजस्व कार्यों की प्रक्रिया में आमजन की सुविधा की दृष्टि से बदलाव किया गया है। यह एक क्रांतिकारी परिवर्तन हैं। परिवीक्षाधीन अधिकारियों ने बताया कि उन्होंने हाल ही में लोकसभा निर्वाचन-2024 से जुड़े कार्यों को जिला, तहसील एवं ग्राम स्तर पर देखा है। इस अध्ययन से उन्हें व्यवस्थाओं की महत्वपूर्ण जानकारियाँ मिली हैं।

सुपरस्टार सिंगर 3 में, नेहा कक्कड़ को अथर्व में दिखेगी तलत अज़ीज़ की झलक

इस वीकेंड, सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविज़न के होमग्रोन शो, सुपरस्टार सिंगर 3 में 'लेजेंड बप्पी दा' नामक एक विशेष एपिसोड में संगीत की दुनिया के दिग्गज, बप्पी लाहिरी को सम्मानित किया जाएगा। इस एपिसोड में प्रतियोगी बप्पी दा के कुछ सदाबहार गीतों को गाकर उन्हें श्रद्धांजलि देंगे। उम्मीद है कि एक से बढ़कर एक खूबसूरत परफॉर्मेंसेस और बप्पी दा से जुड़ी प्यारी कहानियों के साथ यह एपिसोड सबसे यादगार होगा।

कई मनमोह लेने वाली परफॉर्मेंसेस के बीच, 12 वर्षीय अथर्व बख्शी अपने कैप्टन पवनदीप राजन के साथ मिलकर फिल्म 'ऐतबार' के गाने 'किसी नज़र को तेरा इंतज़ार' पर बेहतरीन परफॉर्मेंस देंगे, जहाँ अथर्व अपनी परफॉर्मेंस से सबका दिल जीत लेंगे।

इस लिटिल वंडर की शानदार परफॉर्मेंस से हैरान होकर, सुपर जज नेहा कक्कड़ कहेंगी, 'अथर्व, जिस तरह से आपने आज परफॉर्म किया, वह वाकई बेहतरीन था, आपने किसी

'लिटिल उस्ताद' की तरह परफॉर्म किया। जब आप परफॉर्म कर रहे थे, तो मुझे आप में तलत अज़ीज़ साहब की झलक दिख रही थी। आपकी सिंगिंग क्वालिटी ही आपको खास बनाती है। गॉड ब्लेस यू।'

कैप्टन अरुणिता कांजीलाल कहेंगी, 'यह बेहद दमदार परफॉर्मेंस थी, इस तरह की परफॉर्मेंस हमने अक्सर बड़े प्लेटफॉर्म पर देखी है, लेकिन आज अथर्व की परफॉर्मेंस देखकर मैं निःशब्द हूँ।'

इसके अलावा, पवनदीप राजन अथर्व की तारीफ करेंगे और बताएँगे कि वे वाकई बहुत प्रतिभाशाली हैं। वे अपने पिता की मदद से, जो गीत लिखते हैं, उन्हें खुद ही कम्पोज़ करते हैं। पवनदीप तब अथर्व से एक गाना सुनाने का अनुरोध करेंगे। नेहा कक्कड़ यह भी बताएँगी कि अथर्व की परफॉर्मेंस देखकर उन्हें महसूस होता है जैसे वे कोई फिल्म देख रही हों, और वे उम्मीद करती हैं कि अथर्व जल्द ही हमारी इंडस्ट्री के प्रसिद्ध संगीतकारों के साथ काम करेंगे।

इन सबके साथ ही और भी बहुत कुछ देखिए, सुपरस्टार सिंगर 3 पर, हर शनिवार और रविवार को रात 8 बजे सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविज़न पर!

ज़ी सिनेमा पर 'घूमर' के वर्ल्ड टेलीविजन प्रीमियर में देखिए हौसले और जज्बे की शानदार कहानी

'ज़िंदगी जब मुंह पे दरवाज़ा बंद करती है, तब उसे खोलना नहीं, तोड़ना पड़ता है' - ज़ी सिनेमा पर 'घूमर' के प्रीमियर के साथ इंसानी हौसले और अटूट जज्बे की सच्ची मिसाल देखने के लिए तैयार हो जाइए! अभिषेक बच्चन और सैयामी खेर अभिनीत, यह फिल्म एक युवा क्रिकेट स्टार अनीना के सफर की कहानी है, जिसकी ज़िंदगी उसकी एक बड़ी अंतरराष्ट्रीय शुरुआत से ठीक पहले पूरी तरह बदल जाती है और फिर कैसे वो विपरीत परिस्थितियों का सामना करते हुए उनसे पार पाती है। आर. बाल्की द्वारा निर्देशित, घूमर के वर्ल्ड टेलीविज़न प्रीमियर के साथ प्रेरणा और मनोरंजन के लिए तैयार हो जाइए, रविवार, 30 जून को रात 8 बजे सिर्फ़ ज़ी सिनेमा पर।यह फिल्म एक स्पोर्ट्स सर्वाइवल ड्रामा है जिसमें दो इंसानों - एक गुरु और दूसरी शिष्या का सफर है, और कैसे दोनों एक-दूसरे को अपने पैरों पर खड़े होने में मदद करते हैं। यह इंसानी हौसले और तमाम मुश्किलों से उभरकर सामने आने की कहानी है। सैयामी खेर, जो असल जिंदगी में एक पूर्व क्रिकेटर हैं, एक खिलाड़ी की बेहतरीन बॉडी लैंग्वेज और भावुक चित्रण के साथ अपने किरदार को विश्वसनीय बना देती हैं।

शबाना आज़मी ने अनीना की दादी का रोल निभाया है और

महानायक अमिताभ बच्चन ने इसमें खास कैमियो किया है, जो इस फिल्म में चार चांद लगाते हैं। इन दोनों एक्टर्स की मौजूदगी कहानी में एक खास परत जोड़ती है।

सैयामी खेर ने कहा, 'घूमर मेरे लिए बहुत खास है जहां मैं एक ऐसी फिल्म का हिस्सा बनी जो इंसानी जज्बे की सच्ची मिसाल है। यह ऐसा रोल है जिसे निभाने का मैंने अपनी पूरी जिंदगी में सपना देखा है। इस फिल्म ने मुझे अपने बारे में और ज्यादा सिखाया। यह समाज के उपेक्षित वर्ग की कहानी है और मुझे लगता है कि पूरा भारत इससे जुड़ेगा क्योंकि यह सभी मुश्किलों से आगे ब?कर जीतने के बारे में है। स्पोर्ट्स ने मुझमें कभी हार ना मानने का जज्बा जगाया है और इस फिल्म ने मुझे उस मानसिकता में गहराई से उतरने का मौका दिया। मैं हमेशा बाल्की सर की आभारी रहूंगी। वे बहुत खास हैं और मैं चाहती हूं कि मुझे उनके साथ फिर से काम करने का मौका मिले। मैं ज़ी सिनेमा पर इसके प्रीमियर को लेकर उत्साहित हूं और उम्मीद करती हूं कि दर्शकों को इस कहानी और खेल से परे प्रेरणा मिलेगी।'

आर बाल्की ने कहा, 'घूमर एक ऐसी फिल्म है जो एक इंसान के अटूट हौसले और कभी हार ना मानने वाले जज्बे को दर्शाती है। इस पर काम करना एक बेहद संतुष्टिदायक अनुभव रहा है और मैं ज़ी सिनेमा के जरिए इसे दर्शकों के साथ साझा करने के लिए उत्साहित हूं। फिल्म के कलाकारों और क्रू की लगन और उनके जुनून ने इस कहानी को सबसे खूबसूरत तरीके से साकार किया है। मुझे उम्मीद है कि यह दर्शकों को उतना ही प्रेरित करेगी, जितना इसने हमें प्रेरित किया है।'

युवा बल्लेबाज अनीना अपने इंटरनेशनल क्रिकेट में कदम रखने वाली होती है, लेकिन मैच से ठीक एक दिन पहले वो अपना दाहिना हाथ खो देती है। इसके बाद उसकी जिंदगी में एक नाकाम क्रिकेटर आता है और उसे नई उम्मीद देता है। कुछ अनोखे प्रशिक्षण के साथ, वो भारतीय क्रिकेट टीम के लिए गेंदबाज बनने का लक्ष्य रखती है। क्या वो अपने सपने को फिर से जी पाएगी?

जानने के लिए देखना न भूलें 'घूमर' का प्रीमियर, रविवार, 30 जून को रात 8 बजे, ज़ी सिनेमा पर!

उज्जैन में वायरलैस सुविधा का हुआ शुभारंभ

भोपाल। मालवा के दूसरे सबसे बड़े शहर और संभागीय मुख्यालय उज्जैन की बिजली वितरण व्यवस्था का आधुनिकीकरण किया जा रहा है। मप्र पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी इंदौर द्वारा बिजली लाइनों, ट्रांसफार्मरों, ग्रिडों की क्षमता बढ़ाने, आरडीएसएस के तहत भी अधोसंरचनात्मक विकास कार्य किए जा रहे है। इसके साथ ही शुक्रवार को वायरलेस सुविधा का शुभारंभ भी ज्योति नगर स्थित सभागार में हुआ।

कंपनी के निदेशक तकनीकी सचिन तालेवार ने मुख्य अभियंता बीएल चौहान, अधीक्षण अभियंता पीएस चौहान आदि की मौजूदगी में वायरलैस सुविधा का विधिवत शुभारंभ किया। उन्होंने मौके से ग्रिड ऑपरेटरों से चर्चा भी की। शहर के समस्त 33/11 केवी के ग्रिडों, जोन प्रभारियों, एसटीसी, एसटीएम, कंट्रोल रूम, स्मार्ट मीटर अधिकारियों इत्यादि शुक्रवार से वायरलैस सेट से सुविधा संपन्न हो गए है। इस सुविधा से आपूर्ति सुधार, एक ही समय में एक से ज्यादा कार्मिकों से सीधी बात, तुरंत मैसेज देने इत्यादि मामलों में आसानी होगी। शुभारंभ व शहर से जुड़े बिजली अधिकारियों की मिटिंग के

बिजली व्यवस्था के आधुनिकीकरण पर फोकस

अवसर पर निदेशक तकनीकी सचिन तालेवार ने कहा कि बिजली आपूर्ति प्रदेश शासन, केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण, मप्र नियामक आयोग के मापदंड के अनुसार हो। इसके लिए प्रत्येक अधिकारी गंभीरता रखे। उन्होंने समय पर मैंटनेंस, वर्षा-त्योहार पूर्व की तैयारी पर ज्यादा ध्यान देने के निर्देश दिए। तालेवार ने कहा कि यदि मौसम में भारी बदलाव के कारण या फिर मैंटनेंस के कारण बिजली चुनिंदा इलाके में बंद होती है अथवा बंद करना पड़ती है, तो प्रभावित क्षेत्र के उपभोक्ताओं, रहवासी संघों, उपभोक्ताओं को समय पर एसएमएस, वाट्सएप ग्रुपों इत्यादि माध्यमों से सूचना दी जाए। तालेवार ने अधीक्षण यंत्री एवं कार्यपालन यंत्री को मैंटनेंस कार्यों का क्रॉस वेरिफिकेशन और प्रतिमाह आपूर्ति संबंधी समीक्षा करने, उपभोक्ता सुविधाओं में बढ़ोत्तरी करने, शिकायत निवारण तत्परता से करने को भी कहा। निदेशक तकनीकी ने रूफ टॉप सोलर के लिए अधिकाधिक लोगों को जानकारी देने एवं सौर ऊर्जा के लिए प्रेरित करने का आह्वान भी किया। इस अवसर पर कार्यपालन यंत्रीगण सर्वश्री सीए ठकार, जयेंद्र ठाकुर, सतिश कुमरावत, अमरेश सेठ के अलावा जोन प्रभारी प्रमुख रूप से मौजूद थे।

आरएनएलआइसी के 346 करोड़ रुपए के बोनस से 5.1 लाख से ज्यादा सहभागी पॉलिसीधारकों को मिलेगा फायदा

- एक नया सहभागी प्रोडक्ट, आरएनएल स्टार लॉंच किया, जो ग्राहकों को बेहतर रिटर्न के साथ देगा जीवन के अलग-अलग चरणों के लिए शानदार समाधान

रिलायंस निप्पॉन लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2024 में अपने भागीदार पॉलिसीधारकों के लिए कुल 346 करोड़ रुपए के बोनस की घोषणा की है। कंपनी ने वित्त वर्ष 2024 में शानदार वित्तीय प्रदर्शन करते हुए शानदार उपलब्धियाँ हासिल की हैं, जो इस प्रकार हैंः-

- नई पॉलिसी की बिक्री में 22 प्रतिशत की वृद्धि
- इंडीविजुअल न्यू बिजनेस प्रीमियम में 10 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखने को मिली है
- एयूएम में 16 प्रतिशत का उछाल
- 13वें महीने की परसिस्टेंसी में 82.5 प्रतिशत की बढ़त

कंपनी ने इस अवधि के लिए 198 करोड़ रुपए के कर-पूर्व लाभ की घोषणा है, जो वित्त वर्ष 2023 की तुलना में 84 प्रतिशत ज्यादा है।

इस घोषणा के मुताबिक, 31 मार्च, 2024 तक सभी पात्र प्रतिभागी पॉलिसी इस बोनस घोषणा से लाभान्वित हुई हैं। कंपनी पिछले 23 वर्षों से लगातार बोनस की घोषणा कर रही है जो ग्राहकों को नियमित रूप से अपने प्रीमियम का भुगतान करने और पॉलिसी अवधि के दौरान निवेश में बने रहने के लिए प्रोत्साहित करती है। पार्टिसिपेटिंग फंड के मजबूत प्रदर्शन का श्रेय इक्विटी में एक अच्छी तरह से किए रणनीतिक एसेट एलोकेशन को दिया जा सकता है, जिसने ब्रॉडर मार्केट की तुलना में काफी बेहतर प्रदर्शन किया है। इसके अलावा, कंपनी के प्रमुख यूलिप इक्विटी फंड 3 ने भी मजबूत प्रदर्शन किया है। इसने निफ्टी 50 बेंचमार्क* से बेहतर प्रदर्शन करते हुए 26.4 प्रतिशत रिटर्न दिया है।

RELIANCE NIPPON LIFE INSURANCE
A RELIANCE CAPITAL COMPANY

बोनस की घोषणा पर अपनी बात रखते हुए, रिलायंस निप्पॉन लाइफ इंश्योरेंस के ईडी और सीईओ आशीष वोहरा ने कहा, 'हमारा फोकस लगातार मजबूत प्रदर्शन, बेहतर निवेश प्रबंधन और काम करने की क्षमता पर बना हुआ है और हम अपने ग्राहकों को उनके पैसे का पूरा मूल्य प्रदान करने पर ध्यान देते हैं। पिछले कुछ सालों के दौरान कंपनी डिजिटल टेक्नोलॉजी के जरिए ग्राहक संतुष्टि, वितरकों की सुविधा और कर्मचारियों से जुड़ाव पर ध्यान दे रही है। इस कोशिश ने हाशिए पर खड़े लोगों तक कंपनी की पहुँच को बढ़ाने में मदद की है, जिससे हमें अपने मौजूदा बाजारों में और अधिक पैठ बनाने में मदद मिली है और कंपनी को बेहतर प्रदर्शन पर ध्यान देने की सुविधा मिली है।'

अपने ग्राहकों को उनके पैसे का पूरा मूल्य प्रदान करने पर फोकस करते हुए, कंपनी ने हाल ही में एक नया सहभागी प्रोडक्ट, रिलायंस निप्पॉन लाइफ स्मार्ट टोटल एडवांटेज रिटर्न (आरएनएल स्टार) लॉन्च किया है, जो जीवन के विभिन्न चरणों जैसे आय के दूसरे स्त्रोत, बच्चे की शिक्षा, सेवानिवृत्ति या लेगेसी का निर्माण करने आदि की समस्याओं का समाधान कर सकता है।

ओ पानी रे पानी तेरा रंग कैसा चढ़े कुंडली में चन्द्र के संग जैसा

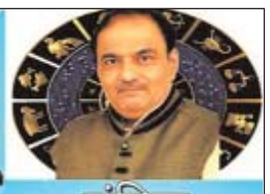

पंडित आशीष तिवारी

माना जाता है की शरीर में 60 % पानी है| जल के साथ चन्द्र का मज़बूत रिश्ता है, पूर्णमासी का चन्द्रमा दुनिया समुद्र में ज्वार-भाटा तक ले आता है| ज्योतिष गणनाओं में भी चन्द्र कुंडली का साठ प्रतिशत तक महत्व है| इस आधार पर यदि आपकी कुंडली में चन्द्र निम्न परिस्थितियों में उपस्थित है तो शारीरिक, मानसिक स्वास्थ्य और पुण्य कमाने के लिए निम्न सूत्रों का ध्यान अवश्य रखें|

- कुंडली में चन्द्र केतु साथ होने पर गहरे पानी में उतरने से बचें, डूबने का खतरा|
- शनि और चन्द्र साथ होने पर बार बार पानी पीते रहे, Dehydration से खतरा|

- सूर्य-चन्द्र, चन्द्र-मंगल, होने पर Stress, डिप्रेशन से बचें, प्याऊ लगवाये, अमावस्या पूजा में भाग लें|
- चन्द्र-राहू होने पर दूषित पानी पीने से बचे, पेट की बीमारी दूरगामी नुक्सान (पथरी) ला सकती है|

बीबी से परेशान था भजन गायक, फांसी लगाकर की खुदकुशी

ग्वालियर। बीबी से परेशान होकर एक भजन गायक ने फांसी लगाकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली। खुदकुशी करने से पहले उसने साढ़े छह मिनट का वीडियो भी बनाया। घटना जनकगंज थाना क्षेत्र के ढोलीबुआ का पुल के पास शुक्रवार की सुबह करीब साढ़े छह बजे की है। घटना का पता चलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को फंदे से उतरवाकर पीएम के लिये भिजवाकर जांच के बाद मर्ग कायम कर लिया है।

जनकगंज थाना क्षेत्र के ढोलीबुआ का पुल निवासी 35 वर्षीय धर्मेन्द्र पुत्र पोखी लाल झा भजन गायक हैं। शुक्रवार सुबह उसने अपने कमरे में फांसी लगाकर जान दे दी। घटना का पता उस समय चला जब पत्नी नेहा कमरे में पहुंची तो वह फांसी के फंदे पर लटका हुआ था। तुरंत ही महिला ने इसकी सूचना पुलिस को दी। मामले की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच क बाद मर्ग कायम कर लिया है। पुलिस ने जब उसके मोबाइल की जांच की तो एक वीडियो मिला, जो धर्मेन्द्र ने सुसाइड करने से पहले बनाया था। जिसमें उसने अपनी पत्नी नेहा से परेशान होना बताया और कानून से मांग की है पुरूषों के लिए भी अपनी आंखे खोले, पत्नी ने इस कदर परेशान कर दिया कि अब जीने के लिए कुछ नहीं बचा है। जिस मां समान भाभी ने उसे पाल पोसकर बड़ा किया, उस पर ही गंदे इल्जाम पत्नी ने लगा दिए और जहां पर काम मिलता था वहां पर उसके काम को बंद कराने में जुट जाती थी। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

- अन्य घटनाओं में एक युवक ने फांसी लगा तो दूसरे ने ट्रेन से कटकर दी जान
- सड़क हादसों में दो की मौत

युवक ने लगाई फांसी

अज्ञात कारणों के चलते बीती रात एक युवक ने फांसी लगारकर जान दे दी। जानकारी के अनुसार ग्वालियर थाना क्षेत्र के सति विहार कॉलोनी ठाकुर मोहल्ला में हरिदास वाल्मीक पुत्र नरेश वाल्मीक मूल रूप से भिण्ड का रहने वाला था। बीती रात उसने अज्ञात कारणों के चलते फांसी लगाकर जान दे दी। घटना का पता सुबह चला जब परिजनों ने उसे फंदे पर लटका देखा तो पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच के बाद मर्ग कयम कर लिया है।

ट्रेन से कटकर युवक ने दी जान

रेलवे ट्रैक पर एक युवक ने ट्रेन से कटकर जान दे दी। महाराजपुरा थाना क्षेत्र स्थित रेलवे ट्रैक पर शिव नगर गदाईपुरा निवासी हरिकिशन पुत्र नेत सिंह उम्र 21 साल ने ट्रेन से कटकर खुदकुशी कर ली। मामला का पता चलते ही महारापुरा पुलिस मौके पर पहुंची और शव को निगरानी में लेकर मृतक के परिजनों को बुलाया तो उन्होंने उसकी शिनाख्त की। पुलिस पूछताछ में पता चला है कि मृतक घर से दूध लेने के लिए निकला था। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। फिलहाल पता नहीं चला है कि युवक ने किन कारणों के चलते अपनी जान दी है।

सड़क हादसों में गई दो की जान

पुरानी छावनी थाना क्षेत्र के शंकरपुर स्थित स्टेडियम के पास सड़क हादसे का शिकार हुए बांके लाल भटनागर पुत्र परमलाल भटनागर उम्र 67 साल ने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया है। वृद्ध की मौत का पता चलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। वहीं इसी थाना क्षेत्र के सेंट जॉन वैली स्कूल के सामने एक युवक की लाश सड़क पर लाश पुलिस को पड़ी मिली। लाश मिलने का पता चलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और पास लगे सीसीटीवी कैमरे चेक किए तो पता चला कि युवक चलते-चलते गिरा था और उसके बाद उसे एक ट्रक कुचल गया था। फिलहाल पता नहीं चल सका है कि मृतक कौन था और कहां का रहने वाला है। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

नवविवाहिता से पति ने कुकृत्य और जेठ ने किया दुष्कर्म

ग्वालियर। शादी होकर ससुराल पहुंची नवविवाहिता के साथ पति ने कुकृत्य कर मारपीट की। वहीं जेठ ने दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया। साथ ही ससुरालीजन उसके फोटो और वीडियो बनाकर उसे ब्लैकमेल कर शोषण करने लगे। घटना बहोड़ापुर थाना क्षेत्र के एकता नगर की है। जब पीडिता इससे परेशान हो गई तो मायके वालों को मामले से अवगत कराया। साथ ही पीडिता ने थाने पहुंचकर मामले की शिकायत पुलिस से की। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

थाटीपुर निवासी 25 वर्षीय नवविवाहिता ने पुलिस को बताया कि उसका निकाह 22 अक्टूबर 2023 को सादिक खान से हुआ था। सादिक मुरैना कोर्ट में पदस्थ है। विवाह के बाद वह ससुराल पहुंची तो करीब पंद्रह दिन तक सब ठीक रहा और उसके बाद उसके पति ने उसके साथ कुकृत्य किया और विरोध करने पर मारपीट कर दी। जब उसने इसकी शिकायत सास व ननद से की तो उन्होंने उसे प्लास्टिक की लेजम से पीटकर दांतों से काट लिया। किसी तरह उसने खुद को संभाला और बदनामी के चलते वह चुप रही। कुछ दिन बाद वह अपने कमरे में सो रही थी कि देर रात उसकी नींद खुली तो पता चला कि पति के स्थान पर उसका जेठ राशिद लेटा हुआ है। जब उसने इसका विरोध किया और दूसरे कमरे में सो रहे पति के पास पहुंची तो उसने उसकी एक नहीं सुनी और हंगामा किया तो सास व ननद आ गई और जेठ के साथ मारपीट कर धमकी दी कि वह उसे तलाक दे देगा। बीती सात जनवरी को जेठ राशिद ने उसके साथ दुष्कर्म किया और पति, सास और ननद ने उसका वीडियो बना लिया, इसके बाद ससुरालीजन उसे ब्लैकमेल कर उसका शोषण करने लगे। पीडिता ने पुलिस को बताया कि उसकी शादी से पंद्रह दिन पहले उसके जेठ का निकाह हुआ था और उसकी जिठानी के साथ भी गलत काम का प्रयास किया गया था और विरोध करने पर उसकी कलाई काट दी थी। शोषण से परेशान पीडिता ने मां को कॉल कर शिकायत की तो उसके पिता तथा अन्य रिश्तेदार बातचीत करने पहुंचे तो आरोपियों ने उसके परिजनों के साथ मारपीट कर उन्हें घर से निकाल दिया। घर से निकाले जाने के बाद पीडिता थाने पहुंची और मामले की शिकायत पुलिस से की। पुलिस ने पीडिता की शिकायत पर दुष्कर्म सहित अन्य धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है।

- वीडियो बनाकर ससुरालीजन कर रहे थे ब्लैकमेल
- पति, जेठ, ननद और सास पर मामला दर्ज

ससुर व किराएदार ने महिला को बंधक बनाकर की छेड़छाड़

ग्वालियर। रिश्तेदारी में गई बहु का कमरा ससुर ने किराए से दे दिया और जब बहु ने इसका विरोध किया तो किराएदार के साथ मिलकर बहु से ससुर ने छेड़छाड़ कर दी। मामला कंपू थाना क्षेत्र के अवाड़पुरा की है। घटना की शिकार पीडिता थाने पहुंची और मामले की शिकायत पुलिस से की। पुलिस ने महिला की शिकायत पर ससुर व किराएदार के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। कंपू थाना क्षेत्र के अवाड़पुरा निवासी 26 वर्षीय महिला थाने पहुंची और पुलिस से शिकायत की है कि दो दिन पहले वह पति के साथ रिश्तेदारी में आयोजित एक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए गई थी और वहां से वापस आई तो पता चला कि जिस कमरे में वह रह रही है उसमें भिण्ड निवासी दीपक राजपूत रह रहा है। जब उसने कमरा उसका होने की कहा और कमरा खाली करने को बोला, लेकिन उसने कमरा खाली नहीं किया तो उसने विरोध किया। विरोध करने पर दीपक राजपूत व उसके ससुर राकेश कुशवाह ने उसे कमरे में बंदकर छेड़छाड़ कर गलत हरकतें की और जब उसके पति ने विरोध किया तो आरोपियों ने पति व उसकी मारपीट की। वारदात का शिकार पीडित दंपति थाने पहुंचा और मामले की शिकायत पुलिस ने की। पुलिस ने उनकी शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया है।

आसमान से नीचे उतरे बदरा, छाई काली घटा

- गरज चमक के साथ जमकर बरसे, 22.7 मिमी बारिश दर्ज

ग्वालियर। ग्वालियर में मानसून आने के साथ ही भगवान इन्द्रदेव मेहरबान बने हुए हैं। तीसरे दिन शुक्रवार की शाम को बरसने को आतुर बदरा आसमान से नीचे उतर आए। इस दौरान समूचे शहर में काली घटा छा गई। वहीं तेज गडगडाहट के साथ बारिश का क्रम शुरू हो गया। यह बारिश बिना रूके शाम को एक घंटे तक झमाझम होती रही। समूचा शहर तर हो गया। नाले नालियां उफान पर आ गए। साथ ही सडकें लबालब भर गई। और तो और निचले क्षेत्रों में पानी भरने की खबरें आने लगी। देर रात तक दमकल अमले को घरों से बारिश का पानी बाहर निकालने जाना पडा, मौसम वैज्ञानिकों के कहा कि ग्वालियर अंचल के ऊपर स्ट्रोंग सिस्टम सक्रिय बना हुआ है। जिसकी वजह से आगे भी बारिश का दौर जारी रहेगा। 30 जून से दो जुलाई तक सामान्य से अधिक बारिश होने की संभावना है ऐसे में आसमान की बिजली से सावधान रहने की जरूरत है।

स्थानीय मौसम कार्यालय के अनुसार बीते दिन गुरूवार को अधिकतम तापमान 34.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ था जबकि शुक्रवार को 1.4 अंक बढकर दिन का तापमान 36 .0 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। यह सामान्य से 2.1 डिग्री सेल्सियस कम आंका गया। इसी तरह गुरूवार को न्यूनतम तापमान 25.8 डिग्री सेल्सियस आंका गया था। लेकिन शुक्रवार को 0.6 अंक बढकर रात का पारा 26 4 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। यह भी सामान्य से 2.0 डिग्री सेल्सियस कम आंका गया।शुक्रवार की सुबह साढे आठ बजे दैनिक बारिश नौ मिलीमीटर आंकी गई थी। यह बारिश मिलाकर सीजनल व मंथली बारिश 119.0 मिलीमीटर हो गई है। शुक्रवार की देर शाम को हुई बारिश शनिवार की दैनिक बारिश मे जुडेगी। उल्लेखनीय है कि बीते साल वर्ष 2023 में 29 जून को भी जोरदार बारिश हुई थी। यह बारिश 76 मिलीमीटर आंकी गई थी। और इस तरह सीजनल बारिश का आंकडा डेढ सौ मिलीमीटर से ऊपर पहुंच गया था।

रेत व पत्थर के अवैध कारोबार पर नकेल कस रहा प्रशासन

- अवैध परिवहन करते 14 वाहन एवं भण्डारित रेत जब्त

ग्वालियर। जिले में रेत व पत्थर के अवैध उत्खनन, परिवहन व भण्डारण पर जिला प्रशासन व पुलिस नकेल कसने में जुट गई है। शुक्रवार को भी प्रशासन ने विशेष मुहिम चलाकर तीन स्थानों पर अवैध रूप से भण्डारित रेत जब्त को किया है। वहीं अवैध परिवहन में लिप्त रेत के 5 मिनी ट्रक व अवैध गिट्टी से ओवरलोडेड 9 ट्रक सहित 14 वाहन जब्त किए हैं। जब्त किए गए सभी वाहन संबंधित थानों में पुलिस की अभिरक्षा में खड़े कराए गए हैं। रेत व पत्थर के अवैध कारोबार में लिप्त लोगों के खिलाफखनिज अधिनियम के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किए गए हैं। जिला खनिज अधिकारी प्रदीप भूरिया ने बताया कि जिला प्रशासन की संयुक्त टीम ने शुक्रवार को आईटीएम के समीप एवं बरा गाँव क्षेत्र में छापामार कार्रवाई की गई। साथ ही शहर के आसपास सड़क मार्गों पर जाँच कर रेत व पत्थर के अवैध परिवहन में लिप्त वाहन पकड़े गए हैं। कार्रवाई करने वाली जिला प्रशासन की संयुक्त टीम में एसडीएम झांसी रोड़ श्री विनोद सिंह, एसडीएम मुरार अशोक चौहान, एसडीएम ग्वालियर सिटी अतुल सिंह, एसडीएम लश्कर नरेन्द्र बाबू यादव व एसडीएम ग्वालियर ग्रामीण सूर्यकांत त्रिपाठी सहित वरिष्ठ पुलिस अधिकारी व पुलिस बल शामिल था।

बहोड़ापुर पुलिस ने तीन चोर पकड़े, चोरी की बंदूक मिली

ग्वालियर। बहोड़ापुर पुलिस ने तीन चोरों को पकड़कर उनसे चोरी की 315 बोर की बंदूक और टीव्हीएस

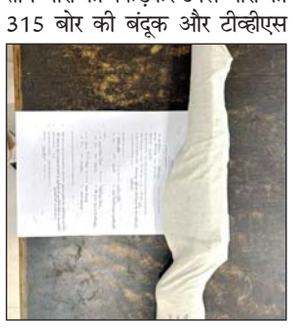

स्पोर्टस मोटर सायकिल जब्त की है। पुलिस चोरों से अन्य चोरी की वारदातें उगलवाने के लिये पूछताछ कर रही है।

थाना प्रभारी बहोड़ापुर जितेन्द्र सिंह तोमर ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि बहोड़ापुर क्षेत्रातंर्गत मोतीझील बाईपास से गुप्तेश्वर तिघरा रोड़ पर एक मोटरसायकिल पर तीन व्यक्ति बंदूक लिये बैठे हैं, जो कि संदिग्ध प्रतीत हो रहे हैं। इस सूचना पर पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर तीनों को घेराबंदी कर पकड़ लिया। पकड़े गये संदिग्धों ने पुलिस को पूछताछ में अपने नाम सोहिल हुसैन पुत्र कदीर हुसैन निवासी ग्राम सिगौरा थाना पुरानी छावनी, अजय उर्फ अज्जू गुर्जर पुत्र धुआँराम गुर्जर निवासी कुशवाह मौहल्ला शंकरपुर और शहबाज उर्फ कंजा खान पुत्र मोहम्मद खान निवासी ग्राम सिगौरा बताये। पकड़े गये तीनों संदिग्धों के पास से 315 बोर की बंदूक और टीव्हीएस कंपनी की स्पोर्टस मोटरसायकिल पुलिस को मिली है। पूछताछ में चोरों ने बंदूक को ट्रान्सपोर्ट नगर में एक कार से चोरी करना बताया। पुलिस चोरों से पूछताछ कर रही है।

पुलिस चौकी में घुसा बदमाश, पुलिसकर्मियों के साथ गाली गलौज कर की मारपीट

ग्वालियर। मार्केट बंद कराने से नाराज बदमाश चौकी में घुस आया और गाली गलौज कर पुलिसकर्मियों की मारपीट कर दी। घटना जनकगंज थाना क्षेत्र के लक्ष्मीगंज पुलिस चौकी की है। पुलिसकर्मियों की मारपीट का पता चलते ही थाने से अन्य बल मौके पर पहुंचा और बदमाश को काबू में कर थाने पहुंचाया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ शासकीय कार्य में बाधा, मारपीट सहित अन्य धाराओं में मामला दर्ज कर आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

जनकगंज थाने में पदस्थ एसआई हेमेन्द्र सिंह राजपूत, एएसआई सूबेदार सिंह भदौरिया, प्रधान आरक्षक शिवओम और हरप्रसाद शर्मा चौकी में बैठकर काम कर रहे थे। तभी गिरवाई निवासी नवीन कुशवाह उर्फनेता कुशवाह चौकी में घुस आया। आते ही उसने गाली गलौज करना शुरू कर दिया। उसे गाली देने से रोकने के लिए पुलिस कर्मियों ने प्रयास किया तो आरोपी झगडने लगा और मारपीट कर दी।

गाली गलौज कर रहे नवीन को समझाने आए प्रधान आरक्षक के पेट में मुक्का मार दिया। अचानक हुई घटना से सब हतप्रभ रह गए और होश आया तब तक आरोपी ने दूसरे दीवान जी को भी धुन दिया। जिस पर एसआई हेमेंद्र और एएसआई सूबेलाल भदौरिया पहुंचे तो उसने एसआई को चांटा मार दिया और एएसआई की वर्दी फाड़कर उनके साथ भी मारपीट कर दी। आरोपी नशे में था और पुलिसकर्मियों द्वारा संभाले नहीं संभल रहा था। तुरंत ही पुलिसकर्मियों ने थाने पर कॉल कर अन्य बल की मांग की। मामले का पता चलते ही गोल पहाडिया पर मौजूद एफआरवी 23 व बीट में पदस्थ आरक्षक रामअवतार और पुष्पेन्द्र मौके पर पहुंचे और मारपीट का शिकार हुए पुलिसकर्मियों की मदद से आरोपी को पकड़ा और थाने लेकर आए। पुलिसकर्मियों की शिकायत प पुलिस ने आरोपी के खिलाफशासकीय कार्य में बाधा सहित अन्य धारा में मामला दर्ज कर लिया है। यह पहला मौका नहीं है, इससे पहले लगातार पुलिसकर्मियों के साथ घटना घटित हो रही है। कुछ दिन पहले अचलेश्वर मंदिर के पास बदमाश ने यातायात पुलिसकर्मियों के साथ मारपीट की थी। इसी तरह पुरानी छावनी थाने और बहोड़ापुर थाने में भी इसी तरह की घटनाएं घटित हुई हैं।

मलेरिया कर्मचारियों का लंबित भुगतान शीघ्र किया जायेः बलवीर सिंह

ग्वालियर। मप्र राज्य कर्मचारी संघ अध्यक्ष बलवीर सिंह परमार ने मलेरिया कार्यालय के करीब एक दर्जन कर्मचारियों का विगत वर्ष का डीए एरियर संयुक्त संचालक कोष एवं लेखा द्वारा अनावश्यक आपत्ति कर एक वर्ष से रोक कर रखा है। जिस वजह से कर्मचारियों में आक्रोश व्याप्त है। अतः मप्र राज्य कर्मचारी संघ पुरजोर मांग करता है कि शीघ्र आपत्ति हटाकर मलेरिया कर्मचारियों का लंबित भुगतान शीघ्र किया जाये। डीए एरियर शीघ्र भुगतान करने की मांग करने वालों सचिव सोहन सिंह भदौरिया, धनीराम कुशवाह, रेखा भदौरिया, बृजेश सिंह चौहान, मनोज दुबे आदि शामिल हैं।

सम्पत्ति कर शिविर में 1 करोड़ का राजस्व निगम को प्राप्त हुआ

ग्वालियर। नगर निगम के सहयोग से शुक्रवार को दूसरे दिवस भी ÷सम्पत्ति कर शिविर÷ का आयोजन 'चेम्बर भवन' में किया गया। शिविर में शहर के सभी 66 वार्ड के टीसी व उनके सहायक उपस्थित रहे और व्यवसाईयों एवं उद्योगपतियों सहित आमनागरिकों का सम्पत्ति कर जमा किया गया। चेम्बर अध्यक्ष डा. प्रवीण अग्रवाल ने दो-दिवसीय सम्पत्ति कर शिविर का आयोजन चेम्बर भवन में आयोजित किए जाने पर महापौर डॉ. श्रीमती शोभा सिकरवार एवं आयुक्त नगर-निगम हर्ष सिंह के प्रति आभार व्यक्त किया है।

नए कानून से सभी प्रशिक्षित है, लापरवाही नहीं होगी बर्दाश्तः एसपी धर्मवीर सिंह

ग्वालियर। नए कानून का सभी को प्रशिक्षण दिया जा चुका है। छोटी से छोटी जानकारी साझा की जा चुकी है, अब इसमें अनभिज्ञता का बहाना

नहीं चलेगा और लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। यह बात शुक्रवार को पुलिस अफसरों की बैठक लेकर पुलिस कप्तान धर्मवीर सिंह ने कही। बैठक में जिले के सभी सीएसपी, एसडीओपी के साथ ही थाना प्रभारी मौजूद थे।

उन्होंने कहा कि थाना प्रभारी पुलिस विभाग की मुख्य कड़ी है और इन्हें नए कानून का पूरा ज्ञान होना चाहिए। अभी तक हम आईपीसी, सीआरपीसी और भारतीय साक्ष्य अधिनियम के तहत कार्रवाई करते थे जो अब भारतीय न्याय सहित, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम 2023 के तहत कार्रवाई करेंगे। नए बदलाव जनता के हित के लिए है, इसलिए जितना समय है उसमें इसे समझ ले, जिससे एक जुलाई से नवीन आपराधिक अधिनियम 2023 के तहत कार्रवाई कर जनता को इसका लाभ मिले। नए कानून के लागू होने पर 1 जुलाई को आम नागरिकों, प्रबुद्धजनों, वरिष्ठ नागरिकों को थाना में बुलाकर नए कानून से अवगत कराए, जिससे आमजन को भी नए कानून की जानकारी हो। नए कानून से महिलाओं और बच्चों को होने वाले लाभ की जानकारी भी दे, जिससे वह भी इसका लाभ ले सके। एक जुलाई को नया कानून लागू हो रहा है और एक जुलाई को थाने आने वाले सभी फरियादियों की कार्रवाई थाना प्रभारी स्वयं करे, जिससे किसी तरह की परेशानी आमजन को ना हो। जहां आमजन को नए कानून से राहत मिलेगी तो वहीं यह कानून बदमाशों के लिए परेशानी भरा है। अब बदमाशों का रिमांड पुलिस किश्तों में लेकर पूछताछ कर सकेगी, जिससे जो जानकारी नहीं मिली है उससे उनसे पूछताछ की जा सकेगी, जिसके कारण अब विवेचना में किसी प्रकार की कमी नहीं रहेगी।

टीबी मरीजों को छह महीने का पोषण आहार वितरित किया

ग्वालियर। राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत भारत को 2025 तक टीबी मुक्त कराने के उद्देश्य से मरीजों को सामाजिक सहयोग से पोषण आहार एवं अन्य सहयोग उपलब्ध कराना है। इसी तारतम्य में समर्पण अन्नम दानम समाजसेवी संस्था ने थाटीपुर परिसर में 21 टीबी मरीजों को गोद लेकर छह महीने का पोषण आहार एक साथ प्रदान किया। समर्पण अन्नम दानम संस्था के जीएस लड्ढा ने टीबी मरीजों को हर तरह की मदद का आश्वासन प्रदान किया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आर.के. राजौरिया एवं जिला क्षय अधिकारी डॉ. विजय पाठक के प्रयासों से लगातार टीबी मरीजों को सहायता प्रदान की जा रही है। कार्यक्रम में मुख्य तौर पर जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ एसएस भूषण, जिला मीडिया अधिकारी पीएस नवारिया, प्रशांत कुशवाह, बिजेंद्र दंडोतिया, कमलेश दिवेदी, सतीश श्रीवास्तव उपस्थित थे। कार्यक्रम का राहुल गुप्ता जिला कार्यक्रम समन्वयक ने किया।

प्रताडना से तंग आकर अंजली ने दी थी जान

ग्वालियर। दहेज की मांग से अंजली इतनी तंग आ गई थी कि उसने फांसी लगाकर जान दे दी थी। घटना थाटीपुर थाना क्षेत्र के दरगाह वाली गली गोपालपुरा में 12 जून की थी। पुलिस ने मर्ग कायम कर जब जांच की तो पता चला कि मृतिका को उसका पति राहुल शाक्य व उसकी सास शांति शाक्य प्रताडित करती थी और मारपीट करते थे, इससे दुखी होकर ही उसने फांसी लगाकर जान दे दी थी। पुलिस ने जांच के बाद पति राहुल व सास फूलवती के खिलाफदहेज एक्ट व आत्महत्या के लिए प्रताडित करने का मामला दर्ज कर लिया है।

कार्यालय प्राचार्य क्षेत्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण प्रशिक्षण केन्द्र ग्वालियर
पुर्ननिविदा आमंत्रण सूचना(तृतीय)

वर्ष 2024–25 हेतु कार्यालय प्राचार्य क्षेत्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण प्रशिक्षण केन्द्र ग्वालियर में प्रशिक्षण दौरान समय–समय पर आवश्यकता अनुसार निम्न समूह के अंतर्गत कार्य किये जाने हेतु ऑनलाईन निविदाऐं आमंत्रित की जाती हैं, निविदा प्रपत्र ऑनलाईन पोर्टल https://www.mptenders.gov.in पर देखी तथा निर्धारित टेण्डर डॉक्युमेंट फीस + ऑनलाईन प्रोसेसिंग फीस जमा कर क्रय की जा सकेंगी।

टेण्डर प्रकिया का विवरण	स्टेशनरी एवं फोटोकॉपी /होटल व्यवस्था
टेण्डर आई.डी.क्रमांक	2024_DHS_325086_3 for Stationary & Photocopy 2024_DHS_325090_3 for Hotel Arrangement
ऑनलाईन निविदा प्रपत्र क्रय करने की तिथि एवं समय	26.06.2024 from 10:30 AM
ऑनलाईन निविदा प्रपत्र क्रय करने की अंतिम तिथि एवं समय	16.07.2024 up to 17:30
ऑनलाईन निविदा प्रपत्र जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय	16.07.2024 up to 17:30
निविदा के ऑनलाईन भौतिक ऑफर खोले जाने की तिथि एवं समय	19.07.2024 at 12:00noon

नोटः– 1. निविदाकार https://www.mptenders.gov.in पर नियत अंतिम दिनांक अथवा उससे पूर्व अपनी निविदा जमा करा सकता है।
2. इस निविदा से संबंधित कोई भी संशोधन आवश्यक होने पर https://www.mptenders.gov.in पर ही अपलोड किया जावेगा, इसकी पृथक से कोई भी सूचना जारी नहीं की जाऐगी।
3. किसी भी निविदा की स्वीकृति/अस्वीकृति/निरस्ती का अधिकार अथवा किसी भी विवाद की स्थिति मे अंतिम निर्णय अधोहस्ताक्षरकर्ता का रहेगा।
4. संपूर्ण शर्तें निविदा प्रपत्र में निहित होंगी।

प्राचार्य
क्षेत्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण
प्रशिक्षण केन्द्र ग्वालियर

G12533/24

कक्षा 5 व 8वीं का पूरक परीक्षा परिणाम घोषित

ग्वालियर। मध्यप्रदेश में स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित कक्षा 5 व 8वीं की बोर्ड पेटर्न पर होने वाली पूरक परीक्षा का शुक्रवार की शाम को परिणाम घोषित कर दिया गया। यह परिणाम राज्य शिक्षा केन्द्र के परीक्षा पोर्टल पर जारी किये गये हैं। प्रदेश स्तर पर घोषित परिणामों के अनुसार कक्षा 5वीं के 81.71 प्रतिशत व कक्षा 8वीं के 76.95 प्रतिशत परीक्षार्थी उत्तीर्ण हुये हैं। उल्लेखनीय है कि समूचे प्रदेश में एक साथ बीती 3 जून से 8 जून तक यह पूरक परीक्षाओं का संचालन किया गया था। परीक्षा में शासकीय, अशासकीय एवं पंजीकृत मदरसों में पढ़ने वाले छात्र छात्राओं ने भाग लिया था। जो अप्रैल में घोषित मुख्य परीक्षा में असफल हो गये थे। इसीलिये शिक्षा विभाग ने 3 से 8 जून तक विद्यार्थियों की पुनः परीक्षा कराई गई थी। ग्वालियर जिले में कक्षा 5वीं के लगभग 2400 व कक्षा 8वीं के 1800 छात्र छात्राओं ने परीक्षा दी थी। परीक्षा के लिये जिले में 62 परीक्षा केन्द्र बनाये गये थे।

लोकसभा में माईक बंद कर सकते है लेकिन राहुल गांधी की आवाज नहींः अशोक सिंह

ग्वालियर। राज्यसभा सदस्य अशोक सिंह ने शुक्रवार को लोकसभा में पेपरलीक मामले पर चर्चा के दौरान नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का माईक बंद करने पर कहा कि केन्द्र सरकार लोकसभा में माईक तो बंद कर सकती है, लेकिन राहुल गांधी की आवाज को बंद नहीं किया जा सकता। अशोक सिंह ने कहा कि भारत के युवाओं,

छात्रों, किसानों, मजदूरों और 135 करोड़ नागरिकों की आवाज है। इस प्रकार से लोकसभा में राहुल गांधी का माईक बंद करना यह जताता है केन्द्र सरकार कहीं ना कहीं पेपर लीक मामलें में शामिल है और चर्चा से भागना चाहती है। हम राहुल गांधी के माईक को बंद करने की केन्द्र सरकार की निंदा करते है।

संपादकीय

व्यस्तता बढ़ी लेकिन सक्रियता नहीं

'द लांसेट ग्लोबल हेल्थ' जर्नल में प्रकाशित एक अध्ययन में यह उजागर हुआ है कि सन 2022 में भारत की सत्तावन फीसद महिलाएं शारीरिक रूप से पर्याप्त सक्रिय नहीं थीं, जबकि पुरुषों में यह दर बयालीस फीसद थी। जब किसी व्यक्ति को सुस्त देखा जाता है, तो इसका सीधा अर्थ यही लगाया जाता है कि शायद उसकी तबीयत ठीक नहीं है या फिर वह आलसी है। मगर यह इसलिए भी संभव है कि उसकी सक्रियता में कई वजहों से कमी आ रही हो और उसका कारण कोई शारीरिक बीमारी नहीं हो। हालांकि बीमारी की वजह से अगर सक्रियता में कमी आती है तो यह भी सही है कि सक्रियता में कमी से शरीर में बीमारी घर बनाती है। विडंबना यह है कि वक्त के साथ विस्तृत होते दायरे के बीच ज्यादातर लोगों की व्यस्तता तो बढ़ी है, मगर उनकी शारीरिक सक्रियता में तेजी से कमी आई है। 'द लांसेट ग्लोबल हेल्थ' जर्नल में प्रकाशित एक अध्ययन में यह उजागर हुआ है कि सन 2022 में भारत की सत्तावन फीसद महिलाएं शारीरिक रूप से पर्याप्त सक्रिय नहीं थीं, जबकि पुरुषों में यह दर बयालीस फीसद थी। अध्ययन में यह अनुमान लगाया गया है कि अगर मौजूदा परिपाटी जारी रही तो 2030 तक भारत में अपर्याप्त शारीरिक सक्रियता वाले वयस्कों की संख्या बढ़ कर साठ फीसद तक पहुंच जाएगी।

अंदाजा लगाया जा सकता है कि किसी देश की साठ फीसद आबादी अगर शारीरिक रूप से पर्याप्त सक्रिय नहीं रहे तो आने वाले वक्त में वहां आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक रूप से कैसी तस्वीर बनेगी। आमतौर पर अधिक आबादी वाले देशों में रोजी-रोटी का मसला इस तरह जटिल होता है कि ज्यादातर लोगों को जीवन चलाने के लिए शारीरिक रूप से जरूरत से ज्यादा सक्रिय रहना पड़ता है। सवाल है कि आखिर भारत में ऐसे हालात कैसे पैदा हो रहे हैं कि यहां इतनी बड़ी तादाद में लोग सुस्त होते जा रहे हैं! विचित्र यह भी है कि लोगों की व्यस्तता में एक अजीब किस्म की बढ़ोतरी हुई है। ऐसे तमाम लोग हैं, जिनका आधे घंटे का कोई काम टलता रहता है, मगर रोजाना वे पांच या सात घंटे या इससे ज्यादा समय अपने स्मार्टफोन या अन्य तकनीकी संसाधनों पर, सोशल मीडिया या अन्य आभासी मंचों पर बर्बाद करते हैं। महामारी के दौरान घर से काम करने की व्यवस्था जब चलन में आई थी, उसने भी लोगों के ज्यादा शिथिल होने में भूमिका निभाई। शारीरिक सक्रियता में कमी की वजहों और नतीजों पर अगर गौर नहीं किया गया तो इन सबका समुच्चय आखिर व्यक्ति को विचार से कमजोर करेगा, शरीर को बीमार बनाएगा।

कूटनीति : तिब्बत ने बढ़ाई चीन की बेचैनी, भारत-अमेरिका की कदमताल से बौखला गया है बीजिंग

इसी से संबंधित घटनाक्रम में भारतीय प्रधानमंत्री मोदी ने अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की, जिन्होंने उन्हें तीसरे कार्यकाल के लिए बधाई दी और देश में हुए लोकसभा चुनाव की निष्पक्षता, पारदर्शिता और व्यापकता की सराहना की। प्रधानमंत्री ने एक्स पर अपना संदेश पोस्ट करते हुए लिखा कि %प्रतिनिधिमंडल में शामिल अमेरिकी संसद के मित्रों के साथ विचारों का बहुत अच्छा आदान-प्रदान हुआ।% उन्होंने आगे कहा कि वह %भारत-अमेरिका के बीच व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ाने में मजबूत द्विदलीय समर्थन% को %गहराई से% महत्व देते हैं। प्रधानमंत्री मोदी के पोस्ट में दलाई लामा के साथ अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल की बैठक का उल्लेख नहीं है। रणनीतिक दृष्टि से इसे गुप्त रखा गया है।

विशेषज्ञों का कहना है कि तिब्बत के बारे में भारत और अमेरिका के विचार एक जैसे हैं और दोनों का रुख एक समान है, जिससे चीन बौखलाया हुआ है। अमेरिका और भारत अपने समन्वित कूटनीतिक कार्यों से चीन का मुकाबला करने के लिए अधिक मुखर और सहयोगी दृष्टिकोण का मंच तैयार कर रहे हैं। अमेरिका और चीन के बीच तनावपूर्ण संबंधों की पृष्ठभूमि में तथा अमेरिकी संसद द्वारा पारित रिजॉल्व तिब्बत ऐक्ट को, जो तिब्बती लोगों को पूर्ण समर्थन देने का वादा करता है, अपनाने के बाद अमेरिकी संसद का एक प्रतिनिधिमंडल हाल ही में भारत के धर्मशाला में दलाई लामा से मिला, जिससे चीन बुरी तरह भड़क गया। रिपब्लिकन प्रतिनिधि माइकल मैककॉल के नेतृत्व में सात सदस्यीय उच्च स्तरीय अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल ने रिजॉल्व तिब्बत ऐक्ट के महत्व पर चर्चा की, जिसे राष्ट्रपति जो बाइडन द्वारा अनुमोदित किया जाएगा, जो तिब्बती लोगों के अधिकारों के प्रबल पैरोकार हैं। इसी से संबंधित घटनाक्रम में भारतीय प्रधानमंत्री मोदी ने अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की, जिन्होंने उन्हें तीसरे कार्यकाल के लिए बधाई दी और देश में हुए लोकसभा चुनाव की निष्पक्षता, पारदर्शिता और व्यापकता की सराहना की। प्रधानमंत्री ने एक्स पर अपना संदेश पोस्ट करते हुए लिखा कि %प्रतिनिधिमंडल में शामिल अमेरिकी संसद के मित्रों के साथ विचारों का बहुत अच्छा आदान-प्रदान हुआ।% उन्होंने आगे कहा कि वह %भारत-अमेरिका के बीच व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ाने में मजबूत द्विदलीय समर्थन% को %गहराई से% महत्व देते हैं। प्रधानमंत्री मोदी के पोस्ट में दलाई लामा के साथ अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल की बैठक का उल्लेख नहीं है। रणनीतिक दृष्टि से इसे गुप्त रखा गया है। निर्वासित तिब्बती सरकार की मेजबानी करने वाले भारत का तिब्बत के साथ एक अनूठा संबंध है। भारत सरकार अक्सर तिब्बती मुद्दे के प्रति अपने समर्थन और चीन के साथ व्यापक रणनीतिक व आर्थिक संबंधों के बीच संतुलन बनाते हुए कदम उठाती रही है। अमेरिकी प्रतिनिधि मंडल की धर्मशाला यात्रा के तुरंत बाद इस बैठक का समय चीन की आक्रामक नीतियों का मुकाबला करने में साझा मूल्यों और आपसी हितों को रेखांकित करने के लिए एक समन्वित कूटनीतिक प्रयास का संकेत देता है। जैसी की उम्मीद थी, चीनी दूतावास की ओर से इस पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की गई, जिसमें अमेरिका को गलत संदेश देने से बचने की चेतावनी दी गई। चीनी मिशन ने एक्स पर कहा, %हम अमेरिकी पक्ष से आग्रह करते हैं कि वह दलाई समूह के चीन विरोधी अलगाववादी प्रकृति को पूरी तरह पहचाने, शिजांग मुद्दे पर अमेरिका ने चीन से जो वादा किया था, उसका सम्मान करे और दुनिया को गलत संदेश देना बंद करे। तिब्बती इतिहास एवं संस्कृति को कमजोर करने के लिए चीन तिब्बत को शिजांग कहता है, जिसे अक्तूबर, 1950 में उसने जबरन हड़प लिया था। दलाई लामा धर्मशाला में निर्वासित रहकर तिब्बती लोगों के अधिकारों के लिए निरंतर संघर्ष कर रहे हैं। इन बैठकों पर चीनी प्रतिक्रिया संभवतः बहुआयामी होगी। कूटनीतिक मोर्चे पर बीजिंग वाशिंगटन और नई दिल्ली के समक्ष औपचारिक विरोध दर्ज कर सकता है। वह तिब्बत पर चीनी रुख को आंतरिक मामला बताते हुए उसमें किसी भी तरह के हस्तक्षेप की निंदा करेगा। हालांकि, व्यापक रणनीतिक निहितार्थ चीन के क्षेत्रीय कूटनीतिक दृष्टिकोण को फिर से निर्धारित करने के लिए प्रेरित कर सकते हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि तिब्बत के बारे में भारत और अमेरिका के विचार एक जैसे हैं और दोनों का रुख एक समान है, जिससे चीन बौखलाया हुआ है। यह ऐतिहासिक तथ्य है कि चीन ने 1962 में भारत के साथ धोखा किया, जिसे 2020 में दोहराया गया, जब लद्दाख में टकराव हुआ। प्रधानमंत्री मोदी ने बीजिंग के साथ रिश्तों को सामान्य बनाने के लिए गंभीर पहल की थी, लेकिन चीन ने ऐसा नहीं किया, जिसके चलते वास्तविक नियंत्रण रेखा पर तनावपूर्ण स्थिति बनी हुई है और कई दौर की बातचीत के बाद भी कोई परिणाम नहीं निकला है। इन बैठकों से पता चलता है कि अमेरिकी और भारतीय हितों के मेल से एशिया में एक नई भू-राजनीतिक परिदृश्य का विकास हो रहा है। दोनों देश खासकर हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन के बढ़ते प्रभाव और आक्रामक व्यवहार के प्रति समान रूप से आशंकित हैं। अपनी रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करते हुए अमेरिका और भारत चीनी महत्वाकांक्षाओं का मुकाबला करने के लिए एक नियम-आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था के प्रति प्रतिबद्धता जता रहे हैं। बदले में चीन अपने गठजोड़ को मजबूत करने और क्षेत्र में अपने प्रभाव का विस्तार करने पर जोर दे सकता है। इसके तहत वह पाकिस्तान के साथ संबंधों को गहरा कर सकता है, अन्य दक्षिण एशियाई देशों के साथ भागीदारी बढ़ा सकता है और रणनीतिक पैठ जमाने के लिए अपनी बेल्ट ऐंड रोड इनिशिएटिव परियोजनाओं में तेजी ला सकता है। इसके अलावा, चीन भारत के साथ विवादित सीमाओं पर अपनी सैन्य स्थिति को बढ़ा सकता है, खासकर लद्दाख और अरुणाचल प्रदेश के विवादास्पद क्षेत्रों में, ताकि अपने क्षेत्रीय दावों को पुख्ता किया जा सके। तात्कालिक रणनीतिक गणनाओं से परे, ये बैठकें लोकतांत्रिक मूल्यों और तानाशाही शासन के बीच व्यापक वैचारिक प्रतिस्पर्धा को भी उजागर करती हैं। अहिंसक प्रतिरोध और आध्यात्मिक नेतृत्व के प्रतीक दलाई लामा उन मूल्यों के प्रतीक हैं, जो?लोकतंत्र और मानवाधिकारों की वैश्विक पैरोकारी करते हैं। उनके साथ जुड़कर, अमेरिका और भारत इन सिद्धांतों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता मजबूत कर रहे हैं।

दूसरी तरफ, चीन को अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपने मानवाधिकार रिकॉर्ड को बचाने की चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। तिब्बत, शिनजियांग और हांगकांग में चीनी गतिविधियों पर बढ़ती वैश्विक निगरानी बीजिंग को रक्षात्मक स्थिति में ले आई है। वैश्विक प्रभाव की लड़ाई में, सॉफ्ट पावर और नैतिक अधिकार तेजी से महत्वपूर्ण होते जा रहे हैं। धर्मशाला और दिल्ली की बैठकें अमेरिका और भारत के सॉफ्ट पावर को बढ़ाने का काम करती हैं, जिससे उन्हें मानवाधिकारों और लोकतांत्रिक मूल्यों का अगुआ माना जाता है। जैसे-जैसे एशिया में भू-राजनीतिक बिसात जटिल होती जाएगी, कूटनीति और प्रतिरोध के बीच का अंतर-संबंध महत्वपूर्ण होता जाएगा। अमेरिका और भारत, अपने समन्वित कूटनीतिक कार्यों से, चीन का मुकाबला करने के लिए अधिक मुखर और सहयोगी दृष्टिकोण का मंच तैयार कर रहे हैं। इसमें न केवल द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करना शामिल है, बल्कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र में समान विचारधारा वाले देशों के साथ व्यापक गठजोड़ को बढ़ावा देना भी शामिल है।

आबोहवा और हमारा जीवन, जलवायु परिवर्तन के प्रति चिंता तो है, लेकिन बचाव पर अमल की फिक्र नहीं

पर्यावरण से जुड़े मुद्दे हम अपनी दिनचर्या में शामिल नहीं करते हैं, मगर पर्यावरण में आ रहे बदलावों की मार झेलते रहते हैं। हमारे कई तौर-तरीके वातावरण को नुकसान पहुंचाने वाले होते हैं। हमें अब 'बैक टू नेचर' यानी प्रकृति के पास जैसे अभियान को चलाने के बारे में गंभीरता से सोचना होगा। आमतौर पर हम अपने आसपास समाज और अर्थ की सुविधा-असुविधा और जटिलताओं में गुम होते हैं और राजनीतिक मुद्दों पर हमारा ध्यान सिर्फ चुनावों के वक्त ही जाता है। जबकि सच यह है कि राजनीति हमारे सामाजिक और आर्थिक जीवन को प्रभावित करती है। सामाजिक जीवन के दायरे में ही अब देश-दुनिया की आबोहवा की मुश्किलें और उससे जुड़े मुद्दों को भी देखा जा सकता है, जिसे देशों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों में लिए गए राजनीतिक फैसले प्रभावित करते हैं, मगर किसी चुनाव में पर्यावरण और इससे संबंधित बिंदु शायद कभी भी चुनावी मुद्दा नहीं बन पाते। हमने पर्यावरण को अपनी दिनचर्या से जोड़ने का प्रयास कभी नहीं किया, जबकि पर्यावरण के नुकसान का सबसे ज्यादा प्रभाव हमारे दिनचर्या पर ही पड़ता हैं। हम लोग बड़े होते ही अपनी जाति और धर्म के बारे पहले सोचने लगते हैं, उसके बाद भूख और रोजगार जैसे मुद्दों में अपनी जिंदगी को उलझा पाते हैं और उन्हीं पर बात करते हैं, भले ही उसका हासिल शून्य हो। इसी तरह, स्वास्थ्य और शिक्षा से जुड़ी चीजें भी शायद ही कभी चुनाव में मुद्दा बन पाती हैं। व्यापक प्रभाव के लिहाज से देखें तो इन सबमें पर्यावरण का मुद्दा इन सब मुद्दों से ज्यादा महत्त्वपूर्ण है। पर्यावरण को होने वाले नुकसान का प्रभाव केवल स्थानीय नहीं होता, धरती का एक बड़ा हिस्सा इससे प्रभावित होता है। पर्यावरण से जुड़े छोटे-छोटे मानवीय प्रयास पर्यावरण को ठीक रखने में कहीं न कहीं अपना योगदान देते हैं, जिसका आभास हमें नहीं होता है। इसी तरह का प्रयास देश के एक बड़े अनुसंधान संस्थान में प्रयोग के तौर पर किया गया, जिसमें वहां हर सोमवार को कर्मचारियों के बीच 'रिंकल अच्छे हैं' अभियान की शुरुआत की गई। इस अभियान के तहत उस संस्थान के सभी कर्मचारियों को बिना इस्त्री किए कपड़े पहनने पर जोर दिया गया है। इसके पीछे उद्देश्य यह है कि एक जोड़े कपड़े की इस्त्री करने से जो बिजली खपत होती है, उस बिजली के खर्च से लगभग दो सौ ग्राम कार्बन डाइआक्साइड गैस वातावरण मे फैलती है। आजकल यह माना जाता है कि इस गैस का वायुमंडल में ज्यादा होना जीवन के लिए खतरनाक है। वास्तव में यह अभियान जलवायु में हो रहे बदलाव से पैदा होने वाले संकट के विरुद्ध एक सांकेतिक लड़ाई हैं। इस समय जबकि जलवायु में बड़ा परिवर्तन होता दिख रहा है, दिनोंदिन औसत तापपान में बढ़ोतरी हो रही है, वैसे में भी जलवायु परिवर्तन से जुड़े मसले देश में चुनाव के मुद्दे नहीं बन पाते हैं। मसलन, इस बार के चुनाव में भी जलवायु परिवर्तन पर कहीं भी चर्चा नहीं हुई। जब 'रिंकल अच्छे हैं' अभियान के जरिए सप्ताह में एक दिन कपड़ों पर इस्त्री न करके कार्बन उत्सर्जन कम करने के प्रयासों के बारे में खबर आई तो एक परिचित विद्यार्थी की याद आई, जो अपने घर सासाराम से दूर पटना के एक विश्वविद्यालय में पढ़ रहा था। उस समय वह अपने कपड़े को धोने और सुखाने के बाद अच्छे से समेटकर बिस्तर के नीचे रख देता था। अगले दिन जब कपड़े पहनने के लिए निकलता तो कपड़े इस तरह से मिलते जैसे किसी ने कपड़े पर इस्त्री की हो। तब यह बात शायद किसी के दिमाग में नहीं आई कि उस परिचित का यह काम कैसे पर्यावरण का नुकसान होने से बचा रहा है। सिक्किम में रहने वाला एक अन्य व्यक्ति अपने घर से कम से कम कूड़ा निकालता है। वह अपनी दिनचर्या में इस बात का खयाल रखता है कि कम से कम चीजें ही कूड़े के रूप में बाहर फेंकी जाएं। रसोई घर से निकलने वाले बेकार हो चुके सामान को वह अपने घर में बनाए गए जुगाड़ से खाद में बदल देता है और इस खाद का प्रयोग वह अपने घर में रखे गमले में कर लेता है। यों तो भारत के उत्तर-पूर्व के इलाकों में हरियाली की कमी नहीं हैं, इसके बावजूद इन इलाकों, जैसे सिक्किम, असम, मेघालय में यह देखा जा सकता है कि लोग अपने-अपने घरों में, चाहे वे घर एक कमरे का क्यों न हों, गमले में कई तरह के पौधे उगाते हैं। यह पर्यावरण के प्रति उनकी चिंता को जाहिर करता है। देश के कई हिस्सों में गर्मी के मौसम में घर की खुली छत पर सोने का प्रचलन अब बहुत कम हो गया है। खुली छत पर सोना भी कार्बन उत्सर्जन को कम करता है। हकीकत यह है कि वातावरण से जुड़े मुद्दे हम अपनी दिनचर्या में शामिल नहीं करते हैं, मगर पर्यावरण में आ रहे बदलावों की मार झेलते रहते हैं। दूसरी ओर, हमारे कई तौर-तरीके वातावरण को नुकसान पहुंचाने वाले होते हैं। हमें अब 'बैक टू नेचर' यानी प्रकृति के पास जैसे अभियान को चलाने के बारे में गंभीरता से सोचना होगा। छोटे-छोटे कदम जो पर्यावरण का नुकसान होने से बचा सकते हैं, उनको अपने जीवन में उतारना होगा। हम लोग पर्यावरण के बारे में सोचते तो बहुत हैं, लेकिन अपनी ओर से कुछ ठोस करने के लिए तैयार नहीं होते हैं। वर्ष 2022 में लगभग पांच हजार भारतीयों के बीच किए गए एक सर्वे के अनुसार यह पाया गया कि इक्यासी फीसद लोग जलवायु परिवर्तन को लेकर चिंतित हैं, लेकिन इनमें केवल 'चिंता' ही ज्यादा दिखाई देती है। अगर इतने लोग अपने दिनचर्या में पर्यावरण को नुकसान से बचाने वाले कार्यों को शामिल कर लें तो निश्चित रूप से हम पर्यावरण को बहुत हद तक बचा लेंगे और औसत तापमान में लगातार हो रही बढ़ोतरी को रोक पाएंगे।

शोध : मरुस्थल की तपती रेत के नीचे एक जीवमंडल...

एक अभूतपूर्व खोज में वैज्ञानिकों ने पृथ्वी पर जीवन के लिए सबसे विकट पर्यावरण और जीवन संभावनाओं को ठेंगा दिखाने वाली चरम पर पहुंची जलवायु वाले अटाकामा रेगिस्तान की तपती रेत के नीचे छिपे हुए जीवमंडल को उजागर किया है। अनंत काल से जीवन से रहित माना जाने वाला अटाकामा अब नीचे की गहराइयों में पनप रहे सूक्ष्मजीवी जीवन की एक आश्चर्यजनक शृंखला को प्रकट करता है। अटाकामा मरुस्थल दक्षिण अमेरिका के पश्चिमी तट के साथ पेरू, बोलेविया, चिली और अर्जेंटीना के कुछ हिस्सों को कवर करते हुए 1000 किलोमीटर तक विस्तार लिए हुए है।

सार्वभौमिक गर्माहट, नित नए रिकॉर्ड बनाता सृष्टि का तापक्रम, और जीवन की कड़ियों को तोड़ने पर उतारू जलवायु परिवर्तन! ऐसे निराशाजनक भू-परिदृश्य में कोई सुखद समाचार मिले, तो मन हर्षित हो जाता है। पृथ्वी ग्रह, जो पूरे ब्रह्मांड में अब तक एकमात्र ज्ञात जिंदा ग्रह है, का जीवन के प्रति एक गहरा अनुराग है। जीवन के प्रति गहरी आत्मीयता संजोए और जीवन को निरंतर पोषित करती पृथ्वी का एक दिव्य दर्शन पृथ्वी पर सबसे शुष्क और जीव रहित अटाकामा रेगिस्तान के नीचे छिपे एक जीवमंडल की हाल में हुई एक खोज से हुआ है। एक अभूतपूर्व खोज में वैज्ञानिकों ने पृथ्वी पर जीवन के लिए सबसे विकट पर्यावरण और जीवन संभावनाओं को ठेंगा दिखाने वाली चरम पर पहुंची जलवायु वाले अटाकामा रेगिस्तान की तपती रेत के नीचे छिपे हुए जीवमंडल को उजागर किया है। अनंत काल से जीवन से रहित माना जाने वाला अटाकामा अब नीचे की गहराइयों में पनप रहे सूक्ष्मजीवी जीवन की एक आश्चर्यजनक शृंखला को प्रकट करता है। अटाकामा मरुस्थल दक्षिण अमेरिका के पश्चिमी तट के साथ पेरू, बोलेविया, चिली और अर्जेंटीना के कुछ हिस्सों को कवर करते हुए 1000 किलोमीटर तक विस्तार लिए हुए है। इसकी शुष्कतम जलवायु, जिसमें वस्तुतः नहीं के बराबर (मात्र 1 से 3 मिलीलीटर प्रतिवर्ष) वर्षा होती है, जो जीवन प्रक्रियाओं के लिए पर्याप्त नहीं है और अत्यधिक तापमान का उतार-चढ़ाव होता है, ने वैज्ञानिकों को इसकी तुलना मंगल ग्रह पर पाई जाने वाली स्थितियों से करने के लिए प्रेरित किया है। इसकी दुर्गम सतह के उपरांत भी शोधकर्ताओं को लंबे समय से संदेह था कि ऊपर की कठोरता से सुरक्षित होकर निचली सतह पर जीवन बना रह सकता है। वैज्ञानिकों के एक अंतरराष्ट्रीय समूह के नेतृत्व में हाल के अभियानों ने इन संदेहों की पुष्टि की है, क्योंकि उन्होंने रेगिस्तान की मिट्टी और चट्टानों की गहराई में खोज की है। डीएनए अनुक्रमण और समस्थानिक विश्लेषण सहित अत्याधुनिक तकनीकों का उपयोग करते हुए, शोधकर्ताओं ने इस असंभावित आवास में पनप रहे सूक्ष्मजीवों के एक विविध समुदाय की पहचान की है। परियोजना की प्रमुख शोधकर्ता डॉ. ऐलेना रोड्रिग्ज इस खोज को 'उल्लेखनीय रहस्योद्घाटन' के रूप में वर्णित करती हैं। वह कहती हैं कि अटाकामा मरुस्थल को लंबे समय से रेत और चट्टान का एक बेजान विस्तार माना जाता रहा है, लेकिन हमारे निष्कर्ष इस धारणा को पूरी तरह से चुनौती देते हैं। सतह के नीचे, जहां स्थितियां अधिक स्थिर हैं, हमने सूक्ष्मजीव जीवन के एक संपन्न पारिस्थितिकी तंत्र का सामना किया है।

खोजा गया एक नया जीवमंडल अपने भूमिगत पर्यावरण की चरम स्थितियों के लिए अनुकूलित सूक्ष्म जीवों से भरा हुआ है। बैक्टीरिया, आर्किया और कवक सहित इन सूक्ष्मजीवों ने इस कठोर परिदृश्य में जीवित रहने के लिए सरल रणनीतियां विकसित की हैं। इनमें से कुछ खनिजों से भोजन करते हैं, जबकि अन्य ऊर्जा की लिए रासायनिक प्रक्रियाओं पर निर्भर रहते हैं और इस प्रकार दुनिया से छिपकर अपने लिए एक अनूठा आश्रय बनाते हैं। यह अद्भुत खोज हमारे मन में जीवन के प्रति सम्मान और पवित्रता के भावों का बीजारोपण करती है। इसके अतिरिक्त, अटाकामा मरुस्थल में खोजे गए सूक्ष्मजीव समुदाय मंगल जैसे अन्य ग्रहों पर जीवन की संभावना का सुराग दे सकते हैं। मंगल ग्रह की सतह से अपनी समानता के साथ अटाकामा मरुस्थल चरम वातावरण में जीवन की सीमाओं का अध्ययन करने और अलौकिक जीवन के लिए हमारी खोज को परिष्कृत करने के लिए एक प्राकृतिक प्रयोगशाला के रूप में कार्य कर सकता है। जैस-जैसे शोधकर्ता अटाकामा मरुस्थल और पृथ्वी पर अन्य चरम वातावरणों की गहराई का पता लगाना जारी रखते हैं, वे निश्चित रूप से और भी अधिक आश्चर्यों को उजागर करेंगे। प्रत्येक नई खोज हमें जीवन की उत्पत्ति और ब्रह्मांड में इसकी क्षमता के रहस्यों को उजागर करने के समीप लाती है। अटाकामा ब्रह्मांड के अन्य ग्रहों और चंद्रमाओं पर जीवन की अनंत संभावनाओं के विकास की खिड़की खोलता है।

दिल्ली शराब घोटाला और जांच की आंच आसान नहीं लग रही केजरीवाल की रिहाई

सीबीआइ का कहना है कि दिल्ली की आबकारी नीति बनाने में दक्षिण भारत का एक समूह शामिल था और उससे केजरीवाल जुड़े हुए थे। इस मामले में बड़ी साजिश का पता लगाने के लिए केजरीवाल का सबूतों से आमना-सामना कराना और उनसे पूछताछ जरूरी है। अदालत ने सीबीआइ की इस दलील को उचित मानते हुए केजरीवाल की तीन दिन की हिरासत मंजूर कर दी। माना जाता है कि सीबीआइ को कुछ पुख्ता सबूत हाथ लगे होंगे, तभी उसने हिरासत की मांग की। मगर हमेशा की तरह आम आदमी पार्टी इस मामले को सियासी हथकंडा करार दे रही है।

कथित शराब घोटाला मामले को राजनीतिक रंग दे दिया गया है और इसे लेकर अभी तक कोई पुख्ता प्रमाण सामने नहीं आ सका है, इसलिए लोगों में भ्रम बना हुआ है। आम आदमी पार्टी और भाजपा एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप लगाती रहती हैं। राजधानी दिल्ली में हुए कथित शराब घोटाले की जांच अब बहुकोणीय हो गई है। पहले प्रवर्तन निदेशालय ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को इस मामले में गिरफ्तार किया था, अब केंद्रीय जांच एजंसी यानी सीबीआइ ने भी उन्हें हिरासत में ले लिया है। सीबीआइ का कहना है कि दिल्ली की आबकारी नीति बनाने में दक्षिण भारत का एक समूह शामिल था और उससे केजरीवाल जुड़े हुए थे। इस मामले में बड़ी साजिश का पता लगाने के लिए केजरीवाल का सबूतों से आमना-सामना कराना और उनसे पूछताछ जरूरी है। अदालत ने सीबीआइ की इस दलील को उचित मानते हुए केजरीवाल की तीन दिन की हिरासत मंजूर कर दी। माना जाता है कि सीबीआइ को कुछ पुख्ता सबूत हाथ लगे होंगे, तभी उसने हिरासत की मांग की। मगर हमेशा की तरह आम आदमी पार्टी इस मामले को सियासी हथकंडा करार दे रही है।

कुछ दिनों पहले दिल्ली की राउज एवेन्यू अदालत ने केजरीवाल को जमानत दे दी थी। उसने प्रवर्तन निदेशालय के पास केजरीवाल की गिरफ्तारी के खिलाफ पुख्ता सबूत न होने को लेकर नाराजगी भी जताई थी। मगर प्रवर्तन निदेशालय ने उस जमानत आदेश के खिलाफ उच्च न्यायालय में गुहार लगाई और जमानत पर स्थगन आदेश मिल गया। इसे लेकर अभी चर्चाएं चल ही रही थीं कि सीबीआइ ने केजरीवाल को गिरफ्तार कर लिया। दिल्ली शराब घोटाले की सच्चाई अभी रहस्य के पर्दे में है। आम आदमी पार्टी के कई नेता इसकी जांच की जद में आ चुके हैं। उपमुख्यमंत्री रहे मनीष सिसोदिया लंबे समय से जेल में हैं। संजय सिंह जेल जाकर आ चुके हैं। कयास लगाए जाते हैं कि और भी कुछ नेताओं तक इस जांच की आंच पहुंच सकती है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी को अवैध ठहराने की कानूनी लड़ाई चल रही है। उन्हें सर्वोच्च न्यायालय ने आम चुनाव के दौरान प्रचार करने के लिए मोहलत दी थी, पर फिर उन्हें जेल जाना पड़ा। अब सीबीआइ ने एक नया सिरा पकड़ लिया है, तो केजरीवाल की रिहाई आसान नहीं लगती। केजरीवाल ने अभी तक मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा नहीं दिया है। चूंकि ऐसा कानूनी प्रावधान नहीं है कि किसी व्यक्ति को किसी आरोप में गिरफ्तारी से पहले इस्तीफा देना अनिवार्य है, इसलिए उन्होंने अपने पद पर बने रहने का फैसला किया। मगर सार्वजनिक जीवन में सब कुछ कानून से नहीं चलता, जनभावनाएं भी महत्त्वपूर्ण होती हैं। आम लोगों की यही अपेक्षा रहती है कि अगर किसी बड़े पद का निर्वाह कर रहे व्यक्ति पर कोई गंभीर आरोप लगे, तो वह नैतिक आधार पर खुद को उस पद से अलग कर ले। चूंकि कथित शराब घोटाला मामले को राजनीतिक रंग दे दिया गया है और इसे लेकर अभी तक कोई पुख्ता प्रमाण सामने नहीं आ सका है, इसलिए लोगों में भ्रम बना हुआ है। आम आदमी पार्टी और भाजपा एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप लगाती रहती हैं। ताजा मामले में भी आम आदमी पार्टी का तर्क है कि केंद्र सरकार केजरीवाल को इस मामले में उलझाए रख कर सीखचों के पीछे रखने का प्रयास कर रही है। मगर भ्रष्टाचार से जुड़े मामलों को जब इस तरह सियासी रंग दे दिया और लंबे समय तक उलझाए रखा जाता है तो उससे आम लोगों का भरोसा कमजोर होता है। अगर सचमुच दिल्ली की आबकारी नीति गलत थी और उसके चलते कुछ लोगों को नाजायज लाभ पहुंचाया गया, तो इसकी सच्चाई जल्दी सामने आनी चाहिए। आम आदमी पार्टी से भी अपेक्षा की जाती है कि वह इस जांच में सहयोग करेगी।

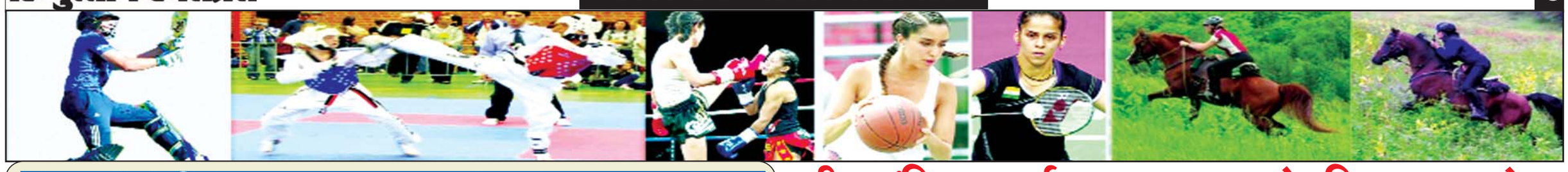

शेफाली ने विमेंस टेस्ट का सबसे तेज दोहरा शतक जड़ा

मंधाना के साथ की 292 की पार्टनरशिप

अफ्रीका के खिलाफ खेला जा रहा मुकाबला

अफ्रीका की महिला क्रिकेट टीम भारतीय दौरे पर है। भारत और अफ्रीका के बीच इकलौता टेस्ट मुकाबला चेन्नई के चेपक स्टेडियम में खेला जा रहा है। सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा ने अपने इंटरनेशनल करियर का पहला दोहरा शतक बनाया। यह तीनों फॉर्मेट में उनकी पहली शतकीय पारी रही। उन्होंने 197 बॉल पर 205 रन की पारी खेली। हालांकि शेफाली ने अपनी डबल सेंचुरी 194 बॉल पर ही पूरी कर ली थी।

नई दिल्ली। यह विमेंस टेस्ट का सबसे तेज दोहरा शतक है। पिछला रिकॉर्ड ऑस्ट्रेलिया की एनाबेल सदरलैंड के नाम था, जिन्होंने इसी साल साउथ अफ्रीका के खिलाफ 248 बॉल पर दोहरा शतक जड़ा था और 256 बॉल पर 210 रन बनाए थे।

शेफाली ने एक टेस्ट इंनिंग्स में जड़े सबसे ज्यादा छक्के

शेफाली वर्मा ने 197 बॉल में 205 रन बनाए। उन्होंने इस पारी में 8 छक्के और 23 चौके लगाए। विमेंस टेस्ट क्रिकेट में किसी भी खिलाड़ी ने एक पारी में इतने छक्के नहीं लगाए। उनसे पहले एक इनिंग में सबसे ज्यादा सिक्स लगाने का रिकॉर्ड एलिस हीली के नाम था। उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ एक पारी में 2 सिक्स लगाए थे। वहीं, 205 की इस पारी के 140 रन बाउंड्री से आए। यह भारत की ओर से एक इंनिंग में बाउंड्री से आने वाले सबसे ज्यादा रन रहे।

मंधाना और शेफाली ने पहले विकेट लिए की सबसे बड़ी साझेदारी

साउथ अफ्रीका के खिलाफ खेले जा रहे मुकाबले में शेफाली वर्मा और स्मृति मंधाना ने पहले विकेट के लिए 312 गेंदों में 292 रन की पार्टनरशिप की। यह साझेदारी टेस्ट में पहले विकेट के लिए सबसे बड़ी साझेदारी रही। उनसे पहले यह रिकॉर्ड पाकिस्तान की किरन बलूच और साजिदा शाह के नाम था। उन्होंने 2004 में वेस्टइंडीज के खिलाफ कराची में 241 रन की साझेदारी की थी। भारत के लिए यह किसी भी विकेट के लिए सबसे बड़ी साझेदारी रही।

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी कर रही भारत, दूसरे सेशन के बाद स्कोर 334/2 भारत और साउथ अफ्रीका के बीच एक मैच की टेस्ट सीरीज खेली जा रही है। टॉस जीतकर भारतीय टीम ने पहली बल्लेबाजी चुनी। टीम ने दो सेशन खत्म होने के बाद 2 विकेट के नुकसान पर 334 रन बना लिए। स्मृति मंधाना 149 रन बनाकर आउट हुई। वहीं, सथीष शुभा ने 15 रन बनाए।

भारत ने वनडे सीरीज में अफ्रीका को किया था क्लीन स्वीप

टेस्ट से पहले भारत और साउथ अफ्रीका के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज हुई। भारत ने अफ्रीका को 3-0 से हराया। इस सीरीज में भी कई रिकॉर्ड्स बने। स्मृति मंधाना ने लगातार दो मुकाबलों में शतकीय पारी खेली। वहीं, दूसरे वनडे में पहली बार एक मुकाबले में 4 महिला खिलाड़ियों ने शतक बनाए।

5 जुलाई से शुरू होगी टी-20 सीरीज

साउथ अफ्रीका के भारत दौरे में तीन वनडे, एक टेस्ट और तीन टी-20 मुकाबले की सीरीज खेली जानी है। दोनों के बीच 5 जुलाई को शाम 7 बजे पहला टी-20 मैच खेला जाएगा। दूसरा मैच 7 जुलाई और तीसरा 9 जुलाई को खेला जाएगा।

टीम इंडिया वर्ल्ड कप फाइनल के लिए बारबाडोस पहुंची, अफ्रीका से खेलेगी खिताबी मुकाबला

नई दिल्ली। टी-20 वर्ल्ड कप 2024 का फाइनल मैच शनिवार को रात 8 बजे से भारत और साउथ अफ्रीका के बीच बारबाडोस में खेला जाएगा। इसके लिए भारतीय समयानुसार शुक्रवार की सुबह टीम इंडिया बारबाडोस पहुंच गई है।

रोहित शर्मा, विराट कोहली और जसप्रीत बुमराह समेत तमाम खिलाड़ी एयरपोर्ट पर नजर आए। टीम इंडिया के हेड कोच राहुल द्रविड़ भी पहुंच गए हैं।

भारत ने सेमीफाइनल मुकाबले में इंग्लैंड और साउथ अफ्रीका ने अफगानिस्तान को हराकर फाइनल में जगह बनाई।

बारबाडोस में ही खेला गया था भारत-अफगानिस्तान मैच

बारबाडोस के केंसिंग्टन ओवल स्टेडियम में इस वर्ल्ड कप में अब तक 8 मैच खेले गए। इसमें पहले बैटिंग करने वाली टीम ने तीन और चेज करने वाली टीम ने भी तीन ही मैच जीते। इंग्लैंड और स्कॉटलैंड का मुकाबला बारिश की वजह से रद्द हो गया था। वहीं, ओमान और नामीबिया मैच का रिजल्ट सुपर ओवर में आया था, जिसमें नामीबिया जीती थी। यहां टूर्नामेंट का हाईएस्ट स्कोर 201 है, जो ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड के खिलाफ बनाया था। भारत यहां टूर्नामेंट में एक मैच खेला। उसने अफगानिस्तान को 47 रन से हराया था। यहां आखिरी मैच 23 जून को खेला गया था, जिसमें इंग्लैंड ने अमेरिका को 10 विकेट से हराया था।

भारत ने इंग्लैंड को 68 रन से हराया

भारतीय टीम टी-20 वर्ल्ड कप के फाइनल में पहुंच गई है। टीम तीसरी बार टी-20 वर्ल्ड कप के फाइनल में पहुंची है। टीम इंडिया ने गुरुवार को दूसरे सेमीफाइनल मुकाबले में डिफेंडिंग चैंपियन इंग्लैंड को 68 रनों से हराया।

भारत ने टॉस हारकर पहले बैटिंग करते हुए इंग्लैंड को जीत के लिए 172 रनों का लक्ष्य दिया। जवाब में इंग्लैंड की टीम 16.4 ओवर में 103 रन पर ऑलआउट हो गई। इंडिया ने इंग्लैंड को हराकर टी-20 वर्ल्ड कप 2024 के फाइनल में जगह बना ली है। जीत एकतरफा हासिल की। कप्तान रोहित शर्मा ने रन बनाए। कुलदीप यादव और अक्षर पटेल ने इंग्लैंड को ऑलआउट कर दिया। भारत 29 जून को रात 8 बजे द. अफ्रीका से भिड़ेगा। टीम इंडिया ने पहले ऑस्ट्रेलिया और फिर इंग्लैंड को हराकर टी-20 वर्ल्ड कप के

फाइनल में जगह बना ली है। टीम 29 जून को बारबाडोस में साउथ अफ्रीका से खिताबी मुकाबला खेलेगी। भारत ने ऑस्ट्रेलिया से 2023 वनडे वर्ल्ड कप फाइनल और इंग्लैंड से 2022 टी-20 वर्ल्ड कप सेमीफाइनल की हार का बदला लिया और दोनों को हराकर टूर्नामेंट से ही बाहर कर दिया।

हरभजन सिंह ने पूर्व कप्तान माइकल वॉन को जमकर लताड़ लगाई

नई दिल्ली। भारतीय टीम के पूर्व ऑफ स्पिनर हरभजन सिंह ने इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन को जमकर लताड़ लगाई है। वॉन ने लगातार बयान दिए कि पिच में पक्षपात किया गया और इसे भारत के हिसाब से तैयार किया गया। भारत ने टी20 वर्ल्ड कप 2024 के सेमीफाइनल में इंग्लैंड को 68 रन के विशाल अंतर से मात देकर फाइनल में प्रवेश किया।

वॉन ने अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर इंग्लैंड की हार के बाद कहा कि स्थान भारत के हिसाब से तय किया गया था। उन्होंने दावा किया कि गयाना की पिच भारतीय टीम को रास आने वाली थी। हरभजन सिंह ने माइकल वॉन के ट्वीट को रीट्वीट किया और उन्हें तर्कपूर्ण बात करने व बकवास बात नहीं करने के लिए कहा।

हरभजन सिंह ने वॉन की क्लास लगाते हुए यह भी कहा कि पूर्व कप्तान को इंग्लैंड की हार को स्वीकार करना चाहिए और आगे बढ़ना चाहिए। याद दिला दें कि वॉन ने कहा था कि आईसीसी ने भारत के साथ पक्षपात किया और उन्होंने टीम इंडिया को पहले सेमीफाइनल में अफगानिस्तान की हार का दोषी भी करार दिया।

वॉन ने दक्षिण अफ्रीका के हाथों अफगानिस्तान की 9 विकेट की शिकस्त के बाद कहा, निश्चित ही यह मुकाबला गयाना में होना चाहिए था, लेकिन चूकि पूरा इवेंट भारत के हिसाब से तैयार किया गया तो अन्य टीमों के साथ नाइंसाफी हुई।

वॉन की शिकायत

वॉन ने नियमित रूप से भारतीय टीम पर तंज कसा और ट्वीट किया, %%भारतीय टीम फाइनल में पहुंचने की हकदार है। अब तक टूर्नामेंट में सर्वश्रेष्ठ टीम। इस पिच पर इंग्लैंड के लिए हमेशा ही मुश्किलें खड़ी होनी थी। भारतीय टीम धीमी पिचों पर बहुत अच्छा खेलती है। वॉन का मानना था कि अगर मुकाबला त्रिनिदाद में खेला जाता तो इंग्लैंड भारत को हरा देता।

भज्जी का तगड़ा जवाब

हरभजन सिंह ने जवाब में कहा, क्या सोचकर बोल रहे हैं कि भारत के लिए गयाना अच्छा स्थान होता दोनों टीमें उसी स्थान पर खेली। इंग्लैंड ने टॉस जीता और उनको उसका फायदा था।

मूर्खतापूर्ण बातें करना छोड़ें। इंग्लैंड को सभी विभागों में भारत ने पटखनी दी। तथ्य को स्वीकार करे और आगे बढ़े व अपनी बेवकूफी भरी बातें अपने साथ रखें। तर्क पर बात करें और बकवास नहीं करें।

भारत की दमदार जीत

बता दें कि प्रोविडेंस स्टेडियम की पिच धीमी है और टॉस जीतने के बावजूद इंग्लैंड के कप्तान जोस बटलर ने पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। भारतीय टीम ने निर्धारित 20 ओवर में सात विकेट खोकर 171 रन बनाए। जवाब में इंग्लैंड की टीम 16.4 ओवर में 103 रन पर ढेर हो गई।

व्यापार

जियो के बाद एयरटेल के रिचार्ज 21 प्रतिशत तक महंगे, 179 का सबसे सस्ता प्लान 199 में मिलेगा

नई दिल्ली। भारत के दूसरे सबसे बड़े टेलीकॉम ऑपरेटर भारती एयरटेल ने रिलायंस जियो के बाद मोबाइल टैरिफ में 10%-21% तक बढ़ोतरी की घोषणा की है। सुनील भारती मित्तल की टेलीकॉम कंपनी ने कहा कि वह 3 जुलाई 2024 से मोबाइल टैरिफ में संशोधन करेगी।

अब 179 रुपए वाला सबसे सस्ता प्लान 199 रुपए में मिलेगा। इसमें 28 दिन की वैलिडिटी, अनलिमिटेड कॉलिंग और 2 जीबी डेटा मिलता है। वहीं 265 रुपए वाला प्लान 299 रुपए में मिलेगा। इसमें 28 दिन की वैलिडिटी के साथ अनलिमिटेड कॉलिंग और 2 जीबी डेटा रोजाना मिलता है।

एयरटेल ने कहा कि उसका मानना है कि भारत में दूरसंचार कंपनियों के लिए वित्तीय रूप से मजबूत बिजनेस मॉडल को सक्षम करने के लिए एवरेज रेवेन्यू पर यूजर यानी, एआरपीयू 300 से ऊपर होना चाहिए। हम एंट्री लेवल प्लान में 70 पैसे प्रति दिन की बढ़ोतरी कर रहे हैं।

एयरटेल की रिचार्ज प्लान में बढ़ोतरी के बाद आज उसका शेयर रिकॉर्ड हाई पर पहुंच गया। कारोबार के दौरान शेयर ने 1,536 रुपए का स्तर छुआ। हालांकि, बाद में ये नीचे आया और 1.82% की गिरावट के साथ 1,449 रुपए पर बंद हुआ। इस साल शेयर 43% चढ़ा है।

एयरटेल का पूरे वित्त वर्ष 2024 में कॉन्सोलिडेटेड मुनाफा 10.52 % घटकर 7,467 करोड़ हो गया। वित्त वर्ष 2023 में मुनाफा ?8,345 करोड़ रहा था।

कंपनी का वित्त वर्ष 2024 में ऑपरेशन से रेवेन्यू बढ़कर 1.50 लाख करोड़ पहुंच गया। वित्त वर्ष 2023 में रेवेन्यू 1.39 लाख करोड़ रहा था। यानी रेवेन्यू में 8% की बढ़ोतरी हुई है।

एक दिन पहले रिलायंस जियो ने अपने प्रीपेड और पोस्टपेड प्लान्स की कीमतें 15 % से 25 % बढ़ाने की घोषणा की थी। नए टैरिफ प्लान 3 जुलाई से लागू होंगे। अब 239 रुपए वाला प्लान 299 रुपए में मिलेगा। वहीं सबसे सस्ता प्लान 155 रुपए का था, जो 189 रुपए में मिलेगा।

ग्रो पर यूजर ने धोखाधड़ी का आरोप लगाया कहा- निवेश की राशि रिडीम नहीं हो रही

नई दिल्ली। इन्वेस्टिंग प्लेटफॉर्म ग्रो पर एक निवेशक ने धोखाधड़ी का आरोप लगाया है। यूजर ने दावा किया कि ग्रो के जरिए इन्वेस्ट किए गए अमाउंट को वह रिडीम नहीं कर पा रहा है। यूजर ने इस मामले को सोशल मीडिया पर शेयर किया जिसके बाद मामले ने तूल पकड़ लिया।

हालांकि ग्रो ने किसी भी तरह के निवेश से इनकार किया और अपनी ओर से टेक्निकल गलती मानते हुए गुड फेथ में ग्राहक को क्लेम अमाउंट दे दी। इस मामले में प्लेटफॉर्म ने ग्राहक से निवेश की डिटेल मांगी है।

हाल ही में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर हनेंद्र प्रताप सिंह नाम के एक यूजर ने ग्रो पर आरोप लगाया कि उसकी बहन ने ग्रो से म्यूचुअल फंड में निवेश किया। उसके अकाउंट से 10,000 रुपए डेबिट हुए और निवेश का फोलियो नंबर भी जनरेट हुआ। इन्वेस्टर के मुताबिक उसके अकाउंट में फंड से जुड़ी जानकारी भी दिखाई दे रही थी।

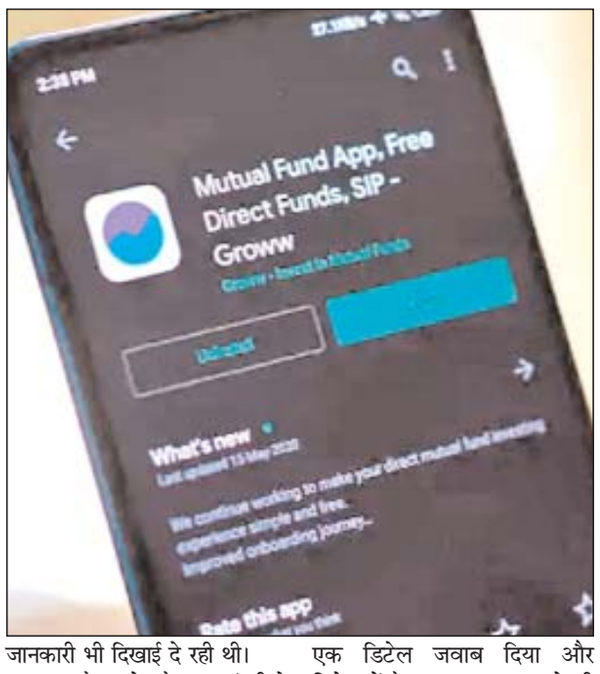

यूजर के आरोप के बाद कंपनी ने एक डिटेल जवाब दिया और निवेशकों के कन्फ्यूजन दूर करने की कोशिश की। ग्रो के अनुसार, निवेशक ने 25 सितंबर, 2020 को बीएसई के बैंक मेंडेट से डायरेक्टली लिंक्ड के जरिए 10,000 रुपए का निवेश शुरू किया था।

इस सिस्टमेटिक इन्वेस्टमेंट प्लान यानी एसआईपी का ट्रांजैक्शन सीधा बीएसई के जरिए हुआ था। इस ट्रांजैक्शन का एक ऑर्डर आईडी भी कस्टमर को मिला था। फिनटेक प्लेटफॉर्म ने कहा, 27 जून 2022 को हमें आरटीए रिवर्स फीड फाइलों में एक अलग फोलियो के लिए 50,000 रुपए का एक और लेनदेन दिखा।

जिसका ऑर्डर आईडी भी पुराना वाला ही था। इसी के चलते जब हमारे सिस्टम ने फाइल को प्रोसेस किया तो दोनों ऑर्डर आईडी एक समान होने के चलते 10,000 रुपए का ट्रांजैक्शन 50,000 रुपए में अपडेट हो गया। यहीं स्टेटस यूजर के पोर्टफोलियो में भी डिस्प्ले हुआ।

रिलायंस का मार्केट कैप 21 लाख करोड़ रुपए के पार ये मुकाम हासिल करने वाली देश की पहली कंपनी

नई दिल्ली। रिलायंस इंडस्ट्रीज 21 लाख करोड़ रुपए के मार्केट कैप वाली भारत की पहली कंपनी बन गई है। जियो के रिचार्ज प्लान 25 प्रतिशत तक महंगे करने के ऐलान के बाद आज रिलायंस का शेयर करीब 2 प्रतिशत चढ़कर रिकॉर्ड 3,129 रुपए के हाई पर पहुंच गया। इसके कंपनी का मार्केट कैप बढ़ा है।

4 महीने पहले फरवरी 2024 में कंपनी ने पहली बार 20 लाख करोड़ रुपए के मार्केट कैप को पार किया था। इससे पहले कंपनी ने सितंबर 2021 में 15 लाख करोड़ का लेवल पार किया था। 2019 में रिलायंस इंडस्ट्रीज का मार्केट कैप 10 लाख करोड़ रुपए के पार निकला था।

रिलायंस का शेयर इस साल 20 से ज्यादा चढ़ा है। इस साल की शुरुआत में शेयर 2590 रुपए पर था जो अब बढ़कर 3,129 रुपए पर पहुंच गया है। वहीं एक महीने में शेयर में 7% की तेजी आई है। 5 साल में रिलायंस के शेयर ने 150% से ज्यादा रिटर्न निवेशकों को दिया है।

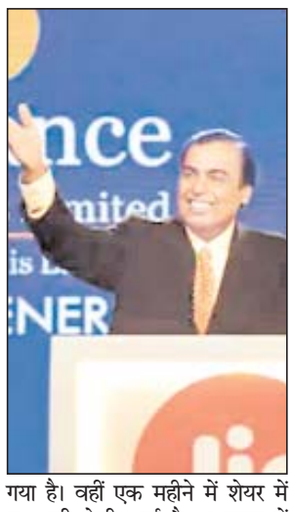

देश की सबसे बड़ी कंपनी है रिलायंस

मार्केट कैपिटलाइजेशन के लिहाज से रिलायंस इंडस्ट्री देश की सबसे बड़ी कंपनी है। मुंबई बेस्ड रिलायंस ग्रुप, ऑयल से लेकर टेलिकॉम और रिटेल सेक्टर में काम करता है। वहीं इसके बाद टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज का नंबर आता है। टीसीएस का मार्केट कैप 14.25 लाख करोड़ है।

रिलायंस इंडस्ट्रीज का टैक्स से पहले का मुनाफा 1 लाख करोड़ रुपए के पार पहुंच गया है। रिलायंस ऐसा करने वाली पहली भारतीय कंपनी है। इसके अलावा, कंपनी ने वित्त वर्ष 2024 (अप्रैल 2023- मार्च-2024) में 10 लाख करोड़ रुपए की रिकॉर्ड सालाना आय दर्ज की है। रिलायंस ने 22 अप्रैल को वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही (जनवरी-मार्च) के नतीजे घोषित किए थे। कंपनी के बोर्ड ने प्रति शेयर 10 रुपए के डिविडेंड (लाभांश) को भी मंजूरी दी थी। कंपनियां अपने शेयरधारकों को मुनाफे का कुछ हिस्सा देती हैं, उसे डिविडेंड कहते हैं।

वहीं पिछली तिमाही यानी त्क्व्ख्ड्ड24 में कंपनी का शुद्ध मुनाफा 17,265 करोड़ रुपए रहा था। इससे पता चलता है कि तिमाही आधार पर मुनाफे में 10% की बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

भारत की सबसे बड़ी प्राइवेट सेक्टर कंपनी है रिलायंस

रिलायंस भारत की सबसे बड़ी प्राइवेट सेक्टर कंपनी है। रिलायंस अभी हाइड्रोकार्बन एक्सप्लोरेशन और प्रोडक्शन, पेट्रोलियम रिफाइनिंग और मार्केटिंग, पेट्रोकेमिकल्स, एडवांस मटेरियल और कंपोजिट, रिन्यूएबल एनर्जी (सोलर और हाइड्रोजन), डिजिटल सर्विस और रिटेल सेक्टर में काम करती है।

सोने-चांदी की कीमतों में एकदम से आया उछाल

नई दिल्ली। HDFC Securities के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कीमती धातुओं की कीमतों में तेजी के बीच शुक्रवार को राष्ट्रीय राजधानी में सोने की कीमत 370 रुपये बढ़कर 72,550 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई। वहीं, चांदी की कीमत भी 600 रुपये बढ़कर 91,200 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई।

गुरुवार को सोने की कीमत 72,180 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुई थी। वहीं, पिछले सत्र में चांदी 90,600 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के शोध विश्लेषक सौमिल गांधी ने कहा-

विदेशी बाजारों में कॉमेक्स में हाजिर सोना 2,322 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था, जो पिछले बंद से 17 डॉलर अधिक है। गांधी ने कहा कि हाल ही में अमेरिका में बेरोजगारी के आंकड़ों से सोने में तीन दिनों में पहली बार तेजी आई है, जिससे पता चलता है कि अमेरिकी श्रम बाजार महामारी के बाद की रिकवरी के दौरान अपने तंग स्तरों से कमजोर हो रहा है, जिससे फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में जल्द कटौती की आवाज को समर्थन मिल रहा है।

इसके अलावा, चांदी 29.20 डॉलर प्रति औंस पर बढ़त के साथ बोली गई। पिछले सत्र में यह 28.94 डॉलर प्रति औंस पर बंद हुई थी। शेयरखान बाय बीएनपी परिबास में फंडामेंटल करेंसीज एंड कमोडिटीज के एसोसिएट वीपी प्रवीण सिंह के अनुसार, व्यापारी आगामी अमेरिकी व्यक्तिगत उपभोग व्यय (पीसीई) मुद्रास्फीति के आंकड़ों का इंतजार कर रहे होंगे, जो मुद्रास्फीति का फेड का पसंदीदा गेज है।

विशिष्ट शैक्षणिक संस्थानों को सर्वसुविधायुक्त बनाएंगे : मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह

- स्कूल भवनों का निर्माण समय पर सुनिश्चित हो

- जिले के जनजातीय कार्य विभाग के कार्यों की मंत्री ने की समीक्षा

(ब्यूरो राजेश शिवहरे)

अनूपपुर। जिले के एकलव्य मॉडल तथा कन्या शिक्षा परिसर, क्रीड़ा परिसर जैसे विशिष्ट संस्थाओं सहित अन्य विद्यालयों को सर्वसुविधायुक्त बनाने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। ताकि इन विशिष्ट संस्थाओं में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं को एक ही छत के नीचे सभी सुविधाएं तथा बेहतर शैक्षणिक वातावरण प्राप्त हो सके। उक्ताशय के विचार मध्यप्रदेश शासन के जनजातीय कार्य, लोक परिसंपत्ति प्रबंधन, गैस त्रासदी राहत एवं पुर्नवास विभाग के मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह ने कलेक्ट्रेट स्थित नर्मदा सभागार में विभागीय कार्यों की समीक्षा बैठक में व्यक्त किए।

बैठक में राज्य कोल विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष रामलाल रौतेल, कलेक्टर आशीष वशिष्ठ, पुलिस अधीक्षक जितेन्द्र सिंह पवार, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी तन्मय वशिष्ठ शर्मा, जनजातीय कार्य विभाग की संभागीय उपायुक्त डॉ. ऊषा अजय सिंह, सहायक आयुक्त सरिता नायक सहित जनजातीय कार्य विभाग की विशिष्ठ शैक्षणिक संस्थाओं व विद्यालयों के प्राचार्य उपस्थित थे।

बैठक में जनजातीय कार्य विभाग की समीक्षा के दौरान मध्यप्रदेश शासन के जनजातीय कार्य विभाग के मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह ने कम्पनी सामाजिक उत्तरदायित्व निधि (सीएसआर मद) से जिले के विशिष्ट शैक्षणिक संस्थाओं के छात्रावासों में सीसीटीव्ही, उपस्थिति के लिए बायोमैट्रिक व्यवस्थाएं सुनिश्चित किए जाने संबंधी नवाचार करने के निर्देश दिए। उन्होंने बैठक में निर्देश दिए कि सीएम राईज भवन का निर्माण समय-सीमा में सुनिश्चित कराया जाए। जिससे भवन की लागत का इस्टीमेट रिवाईज्ड न करना पड़े। उन्होंने कहा कि सीएम राईज जैसे विशिष्ट संस्थानों की स्वीकृति के पूर्व भूमि का आवंटन की अनिवार्यता की जाएगी। ताकि आवंटन स्वीकृति प्राप्त होते ही त्वरित कार्य प्रारंभ हो सके। उन्होंने जनजातीय कार्य विभाग अंतर्गत संचालित निर्माण कार्यों की मॉनीटरिंग तथा संविदाकार व निर्माण एजेंसी से समय-समय पर

कार्यों की समीक्षा के निर्देश दिए। उन्होंने निर्माण कार्यों की गुणवत्ता का परीक्षण क्रॉस चेक के माध्यम से कराने के निर्देश दिए।

मध्यप्रदेश शासन के जनजातीय कार्य विभाग के मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह ने बैठक में कहा कि भविष्य में छात्रावासों के निर्माण की डिजाईन में परिवर्तन किया जाएगा। छात्रावास के छत पर टीन शेड होगा। उस टीन शेड के ऊपर सोलर पैनल लगाए जाएंगे। टीन और छत के बीच के स्थान का उपयोग छात्रावास के बच्चों के कपड़े सुखाने के उपयोग में लिया जा सकेगा। उन्होंने अधिकारियों को विद्यालयों तथा छात्रावासों की सभी व्यवस्थाओं को सुदृढ़ करने के निर्देश दिए।

उन्होंने निर्देशित किया कि छात्रावासी बच्चों की स्वच्छता का समय-समय पर परीक्षण किया जाए तथा कक्षा 6 से 12 तक की छात्राओं को सेनेटरी नैपकीन आदि की उपलब्धता भी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने बैठक में विद्यालयों की लाईब्रेरी को व्यवस्थित करने तथा ई-लाईब्रेरी के संचालन को प्रभावी बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिले के कलेक्टर, एसपी, सीईओ जिला पंचायत जिले की विशिष्ट शैक्षणिक संस्थाओं के विद्यार्थियों को हाईटेक बनाने के लिए टैब व्यवस्था से विद्यार्थियों को जो?ने का कार्य करें। उन्होंने कहा कि नवाचार के माध्यम से यह कार्य जिला प्रशासन के आला अफसरों द्वारा सुनिश्चित किया जाए, जिससे अन्य जिले के लोग भी प्रेरित हो सके।

मध्यप्रदेश शासन के जनजातीय कार्य विभाग के मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह ने जिला प्रशासन को अनूपपुर जिला मुख्यालय में स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स की स्थापना करने की पहल के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि बड़े शहरों की तर्ज पर जिला मुख्यालय पर स्पोर्ट्स काम्प्लेक्स की स्थापना की जाए, जिससे यहां के बच्चे भी अच्छे खिलाड़ी बनकर राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा को प्रदर्शित कर सकें। उन्होंने बताया कि जनजातीय कार्य विभाग द्वारा 89 आदिवासी विकासखण्डों में लाईब्रेरी स्थापना के प्रयास किए जा रहे हैं। इन लाईब्रेरियों में धार्मिक, सामाजिक, प्रतियोगी परीक्षाओं तथा सामान्य ज्ञान आधारित पुस्तकें उपलब्ध रहेंगी। लाईब्रेरी में पाठकों के लिए न्यूनतम शुल्क निर्धारित रहेगा। इस हेतु कार्य प्रारंभ किया जा रहा है। उन्होंने जिले के ग्राम पंचायतों में पुस्तकालयों का संचालन 15 वें वित्त की राशि से कराने का भी सुझाव दिया। उन्होंने बताया कि बांधवग? राष्ट्रीय उद्यान का भ्रमण स्कूली विद्यार्थियों को कराने की योजना बनाई गई है। उन्होंने बताया कि बांधवग? में राष्ट्रीय स्तर का ट्राईबल म्यूजियम सह हाट बाजार स्थापित करने की योजना है। उन्होंने बताया कि आगामी 01 से 07 नवम्बर तक ट्राईबल महोत्सव बांधवगढ़ में मनाए जाने का प्रस्ताव है। उन्होंने राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मध्यप्रदेश के लोकरंग की प्रस्तुति के प्रोत्साहन के लिए किए जाने वाले विभागीय प्रस्तावों के संदर्भ में उक्त बातें कही।

मध्यप्रदेश शासन के जनजातीय कार्य विभाग के मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह ने विभागीय कार्यों की समीक्षा करते हुए अमले को आवश्यक दिशानिर्देश दिए। सहायक आयुक्त ने जिले के विभागीय कार्यों की प्रगति के संबंध में पॉवर प्वाईट प्रेजेन्टेशन के माध्यम से जानकारी दी। बैठक प्रारंभ होने के पूर्व मध्यप्रदेश शासन के जनजातीय कार्य विभाग के मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह का पुष्प गुच्छ एवं पुस्तकें भेंट कर स्वागत किया गया। बैठक के अंत में जिले के शैक्षणिक संस्थाओं के उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम देने वाले प्राचार्यों को मध्यप्रदेश शासन के जनजातीय कार्य विभाग के मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह ने प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया। मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह ने अनूपपुर जिले के शैक्षणिक संस्थानों द्वारा बोर्ड परीक्षाओं के परीक्षा परिणाम के उल्लेखनीय सफलता के लिए कलेक्टर को बधाई दी।

जिला खनिज प्रतिष्ठान मद के स्वीकृत निर्माण कार्यों शीघ्र पूर्ण कराएं : कलेक्टर

- निर्माण कार्यों में गुणवत्ता तथा संतुष्टि के उपरांत जारी करे सीसी

-डीएमएफ मद के स्वीकृत कार्यों के अद्यतन स्थिति की कलेक्टर ने की समीक्षा

अनूपपुर। जिला खनिज प्रतिष्ठान निधि के अंतर्गत स्वीकृत कार्यों की समय पर पूर्णता सुनिश्चित कराना विभागीय अधिकारियों का दायित्व है। समय पर कार्यों की पूर्णता से आम लोगों को इसका लाभ प्राप्त हो सकेगा। उक्ताशय के निर्देश कलेक्टर आशीष वशिष्ठ ने कलेक्ट्रेट स्थित नर्मदा सभागार में डीएमएफ से स्वीकृत कार्यों की समीक्षा करते हुए दिए।

बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी तन्मय वशिष्ठ शर्मा सहित लोक निर्माण, जल संसाधन, पीआईयू, जनजातीय कार्य, सर्व शिक्षा, सामाजिक न्याय, ऊर्जा, नगरीय निकाय, स्वास्थ्य सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में कलेक्टर ने डीएमएफ से स्वीकृत कार्यों के लंबित तथा प्रगतिरत कार्यों को शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कार्यों की गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए, निर्माण कार्यों में गुणवत्ता के साथ कोई समझौता बर्दाश्त नही होगा। कलेक्टर ने विभागीय अधिकारियों को डीएमएफ अंतर्गत स्वीकृत कार्यों में शासन के निर्धारित मापदण्डों एवं नियमों के अनुरूप निविदा की प्रक्रिया सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसी भी कार्य में नियमों की अनदेखी अथवा लापरवाही पर संबंधित अधिकारी जिम्मेदार होंगे। बैठक में पॉवर प्वाईट प्रेजेन्टेशन के माध्यम से विभागीय अधिकारियों द्वारा अपने-अपने विभाग अंतर्गत डीएमएफ मद से स्वीकृत कार्यों की अद्यतन स्थिति की जानकारी दी गई। उन्होंने कार्यवार समय-सीमा निर्धारित करते हुए निर्धारित सीमा में कार्यों की पूर्णता कर मय फोटोग्राफ कार्य पूर्णता प्रमाण पत्र उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिन विभागों द्वारा कार्यों को पूर्ण कर लिया गया है, उन कार्यों के पूर्णता प्रमाण पत्र उपलब्ध कराएं। बैठक में कलेक्टर ने जनपद पंचायतों के अंतर्गत स्वीकृत डीएमएफ के स्वीकृत कार्यों का मूल्यांकन समय पर सुनिश्चित किए जाने के निर्देश देते हुए जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को निर्माणाधीन कार्यों की गुणवत्ता का निरीक्षण स्वयं जाकर करने तथा जनपदों के अंतर्गत संचालित खेल मैदान, अतिरिक्त कक्ष, स्कूल भवन, आंगनबाड़ी भवनों, बाउण्ड्रीवाल आदि कार्यों को जल्द से जल्द पूर्ण करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने डीएमएफ मद के अंतर्गत स्वीकृत कार्यों में लापरवाही बरतने वाली एजेंसियों तथा ठेकेदारों के विरूद्ध नियमानुसार कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश अधिकारियों को दिए।

बैठक में कलेक्टर ने नगर परिषद डोला एवं नगरपालिका अनूपपुर में डीएमएफ मद से स्वीकृत कार्यों के संबंध में जानकारी प्राप्त की। इस दौरान मुख्य नगरपालिका अधिकारी डोला ने बताया कि उनके सभी कार्य पूर्ण हो चुके हैं तथा उनका तृतीय किस्त जारी हो चुका है। इसी प्रकार मुख्य नगरपालिका अधिकारी अमरकंटक ने भी कलेक्टर को अवगत कराया कि उनके यहां स्वीकृत कार्य 90 प्रतिशत पूर्ण हो चुके हैं तथा तृतीय किस्त जारी किया जा चुका है, जिस पर कलेक्टर ने उन्हें शेष कार्य समय सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर ने नगर पालिका क्षेत्र अनूपपुर के सामतपुर तालाब का सौंदर्यीकरण एवं विद्युतीकरण के संबंध में अधिकारियों से जानकारी प्राप्त की तथा अधिकारियों को निर्देश दिए कि तालाब में पेवर वाले पत्थर, सीढ़ी, बाउंड्री वॉल, पाथ-वे एवं लाइटिंग से सुसज्जित कर आकर्षित पार्क का निर्माण करें तथा सेल्फी प्वाइंट हेतु व्यू प्वाइंट बनाने के भी निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर ने कलेक्ट्रेट कॉलोनी में चिल्ड्रन पार्क के निर्माण के स्थिति की भी अधिकारियों से जानकारी प्राप्त की।

बैठक में कलेक्टर ने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग अंतर्गत डीएमएफ मद से स्वीकृत 32 कार्यों में से 27 कार्यों की पूर्णता के पश्चात् शेष बचे 5 कार्यों को शीघ्र पूर्ण कराए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को सोलर पैनल एवं चिकित्सा उपकरण सामग्री के सत्यापन के पश्चात् कार्य पूर्णता प्रमाण पत्र जल्द से जल्द उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

बैठक में विद्युत विभाग के अधिकारियों ने कलेक्टर को अवगत कराया कि डीएमएफ मद से स्वीकृत राशि में से ग्रामों में मीटर, ट्रांसफॉर्म एवं विद्युतीकरण के कार्य किए गए हैं जिसकी सीसी जल्दी जारी कर दी जाएगी। बैठक में कलेक्टर ने 2016 से स्वीकृत विद्युतीकरण कार्य की जानकारी विद्युत विभाग के अधीक्षण यंत्री से प्राप्त की तथा 15 जुलाई तक कार्य को पूर्ण करने के निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि जिला शिक्षा केंद्र सर्व शिक्षा अभियान के अंतर्गत डीएमएफ मद से स्वीकृत 53 में से 41 कार्यों की तृतीय किस्त जारी हो चुकी है, 8 कार्यों की तृतीय किस्त कार्य अपूर्ण होने के कारण जारी नहीं हुई है। बैठक में सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग ने कलेक्टर को जानकारी दी कि डीएमएफ मद से 39 स्वीकृत कार्यों में से 38 कार्यों की तृतीय किस्त जारी कर दी गई है तथा कार्य पूर्णता की ओर है। जिस पर कलेक्टर ने मूल्यांकन कर कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए।

प्रधानमंत्री की अपील पर एक वृक्ष माँ के नाम शिवहरे दंपति ने जिला जेल परिसर में लगाया

अनूपपुर। पर्यावरण को बनाए रखने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत के नागरिकों से यह अपील,आवाहन किया है एक पौधा (वृक्ष)अपनी माँ के नाम से अवश्य लगाए। उसी से प्रेरित होकर अनूपपुर जिला पत्रकार संघ के अध्यक्ष राजेश शिवहरे ने अपनी धर्मपत्नी सुषमा शिवहरे के साथ जिला जेल परिसर अनूपपुर में जेलर इंद्रदेव तिवारी के साथ उनकी (अभिरक्षा) में एक नीम का पौधा जिसको उनकी स्वर्गीय पूज्य माताजी अपने हाथों से गमले में लगाया (रोपा) था उसी पौधे को ले जाकर जिला जेल परिसर में लगाया गया है। विदित हो शिवहरे जी की पूज्य माता जी का विगत वर्ष देहांत हो गया था।उक्त अवसर पर जेलर इंद्रदेव तिवारी सपत्नीक एवं जिला जेल के कर्मचारी भी मौके पर उपस्थित थे।आम जनमानस से यह अपील है एक वृक्ष (पौधा) अवश्य लगाएं आने वाले कल के लिए।

बैगा समुदाय के चिन्हित हितग्राहियों को दुधारू पशुपालन हेतु करें प्रेरित : कलेक्टर

- कलेक्टर ने उद्यान, पशुपालन, सहकारिता एवं मत्स्य विभागों की योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा कर दिए निर्देश

(ब्यूरो राजेश शिवहरे)

अनूपपुर। कलेक्टर आशीष वशिष्ठ ने बैगा समुदाय के हितग्राहियों को चिन्हित कर मुख्यमंत्री दुधारू पशु प्रदाय योजना अंतर्गत लाभान्वित करने के संबंध में पशुपालन विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री दुधारू पशु प्रदाय योजना के तहत पशुपालन से बैगा समुदाय के लोगों के जीवन में सकारात्मक परिणाम आएंगे। उन्होंने पशुपालन विभाग के अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि आचार्य विद्यासागर गौ संवर्धन योजना के अंतर्गत इच्छुक हितग्राहियों का चयन कर डेयरी खोलने हेतु प्रेरित किया जाए, जिससे बेरोजगार युवाओं को रोजगार का साधन प्राप्त होगा तथा आय में वृद्धि हो सकेगी। कलेक्टर आशीष वशिष्ठ आज कलेक्ट्रेट कार्यालय के नर्मदा सभागार में कृषि, उद्यान, पशुपालन, मत्स्य विभाग की स्वरोजगार योजनाओं के क्रियान्वयन हेतु आयोजित बैठक में अधिकारियों को निर्देशित कर रहे थे।

बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी तन्मय वशिष्ठ शर्मा, उपायुक्त सहकारिता, उद्यान विभाग के सहायक संचालक सुभाष श्रीवास्तव, उप संचालक पशुपालन डॉ. ए.पी. पटेल, उप संचालक कृषि एन.डी. गुप्ता, सहायक संचालक मत्स्य सहित सर्व संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में कलेक्टर ने उद्यानिकी विभाग की समीक्षा कर पौध रोपण के संबंध में कार्य योजना तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने पौधारोपण हेतु गड्ढे तथा पौधों की सिंचाई के लिए जल की उपलब्धता व व्यवस्था के संबंध में उद्यान विभाग के अधिकारियों से जानकारी प्राप्त की तथा आवश्यक व्यवस्थाओं के संबंध में दिशानिर्देश दिए। कलेक्टर ने बैठक में जिले में पीएमएफएमई योजना के तहत खाद्य एवं प्रसंस्करण की 21 स्थापित यूनिट के संचालन की जानकारी प्राप्त करते हुए आवश्यक दिशानिर्देश दिए।

इस दौरान कलेक्टर ने कृषि एवं उद्यान विभाग के अधिकारियों को संयुक्त रूप से जिले का भ्रमण कर ड्रिप स्प्रिंकलर प्रदाय करने हेतु हितग्राहियों का चयन करने के निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर ने लेमनग्रास की खेती के लिए किसानों को प्रेरित करने तथा जिले में लेमनग्रास की खेती कर रहे किसानों के नाम और रकवा की सूची बनाने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने बैठक में उप संचालक कृषि को डीएसआर (लाइन से सूखी बुवाई) पद्धति से खेती करने वाले कृषकों की सूची के संधारण के निर्देश दिए।

बैठक में कलेक्टर ने मत्स्य विभाग के संचालित योजनाओं की समीक्षा के दौरान मत्स्य उत्पादन हेतु अमृत सरोवर तालाबों के पट्टे जारी करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। उन्होंने मछली सीड्स के उत्पादन की तैयारियों की जानकारी प्राप्त करते हुए मत्स्य पालन के माध्यम से कृषकों को स्वरोजगार गतिविधियों से जोड़ने पर जोर दिया। उन्होंने मत्स्य विभाग के सहायक संचालक को विभाग अंतर्गत संचालित योजनाओं का बेहतर क्रियान्वयन करने के संबंध में आवश्यक दिशानिर्देश दिए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव से मिले एनसीसी के मेजर जनरल श्री महाजन

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से आज एनसीसी संगठन के मेजर जनरल अजय कुमार महाजन ने मंत्रालय में भेंट की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव को श्री महाजन ने एनसीसी महानिदेशालय नई दिल्ली के विभिन्न प्रकल्पों की जानकारी दी। इसके अंतर्गत देश में एनसीसी प्रशिक्षण की निरंतरता और एकरूपता की पहल, एक सप्ताह में कामकाजी घंटों का निर्धारण, गणतंत्र दिवस शिविर में उत्कृष्ट प्रदर्शन पर कैडेट्स को पुरस्कार राशि प्रदान करने, प्रदेश में 5 एनसीसी अकादमी और प्रशिक्षण अधोसंरचना के प्रस्ताव, एनसीसी कार्यालयों के लिए भवनों की व्यवस्था से संबंधित विषयों पर चर्चा हुई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि एनसीसी निदेशालय के पदाधिकारियों के साथ शीघ्र ही एक बैठक में महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा कर आवश्यक निर्णय लिए जाएंगे।

भोपाल को- ऑपरेटिव सेन्ट्रल बैंक लिमिटेड

24-25, न्यू मार्केट, टी.टी. नगर, भोपाल - 462003
फोन : 0755-2554147,49

बैलेंसशीट दिनांक 31 मार्च 2024

	प्रपत्र क्रमांक	दिनांक 31 मार्च 2024 को रू.	दिनांक 31 मार्च 2023 को रू.
1. पूंजी एवं देयताएं			
अंशपूंजी	1	435,694,599.00	409,949,599.00
रक्षित एवं अन्य निधियां	2	791,470,282.20	720,765,866.48
अमानतें	3	51,282,042,916.97	53,188,292,628.33
ऋण ग्रहण	4	0.00	0.00
अन्य देयताऐं एवं प्रवधान	5	2,036,793,593.86	1,985,644,907.82
	योग	**54,546,001,392.03**	**56,304,653,001.63**
2. संम्पत्ति			
नगद एवं भारतीय रिजर्व बैंक के पास जमा शेष	6	554,048,779.70	561,493,657.70
बैंकों के पास जमा तथा मांग एवं शार्टनोटिस पर प्राप्य धन	7	18,675,931,666.69	20,567,325,936.01
विनियोजन	8	30,398,664,500.78	30,452,814,924.46
ऋण एवं अग्रिम	9	3,673,699,875.60	3,332,452,831.89
स्थायी संम्पत्ति	10	348,870,828.42	349,941,615.69
अन्य संम्पत्ति	11	894,785,740.84	1,040,624,035.88
	योग	**54,546,001,392.03**	**56,304,653,001.63**
आकस्मिक देयताएं	12	79,513,121.15	62,270,075.55
बिल्स फार कलेक्शन	-	1,80,309.00	1,80,309.00
प्रमुख लेखानीति खातों पर टिप्पणियां	17 18		

दिनांक 31 मार्च 2024 को समाप्त वर्ष के लिये लाभ एवं हानि खाता

	प्रपत्र क्रमांक	31/3/24 को समाप्त वर्ष	31/3/23 को समाप्त वर्ष
1. आय			
ब्याज आय	13	3,799,814,194.54	3,356,464,995.30
अन्य आय	14	269,708,467.31	260,096,526.27
	योग	**4,069,522,661.85**	**3,616,561,521.57**
2. व्यय			
ब्याज भुगतान	15	3,351,755,585.04	2,593,513,375.03
प्रचालन व्यय	16	512,896,073.77	371,796,886.83
आकस्मिकताओं के लिये प्रावधान	16A	146,001,408.31	324,442,805.37
	योग	**4,010,653,067.12**	**3,289,753,067.23**
3. लाभ/हानि			
वर्ष में लाभ/हानि		58,869,594.73	326,808,454.34
लाभ/हानि गत वर्ष से लाया गया		64,962,427.74	-261,846,026.60
वर्ष के दौरान गतवर्ष के लाभ का विभाजन		-56,531,053.03	0.00
	योग	**67,300,969.44**	**64,962,427.74**
4. लाभ का विभाजन			
सांविधिक रिजर्व		16,240,606.94	0.00
कृषि साख स्थायीकरण निधि		9,744,364.16	0.00
प्रशिक्षण हेतु प्रावधान		1,299,248.55	0.00
बोनस/एक्स ग्रेशिया हेतु प्रावधान		12,992,485,55	0.00
पेक्स विकास फंड		1,948,872.83	0.00
वाहन निधि		2,500,000.00	0.00
निवेशों में घटबढ हेतु प्रावधान		0.00	0.00
शेयर पूंजि पर प्रस्तावित लाभांश		11,805,475.00	0.00
शेष बैलेंसशीट में अंतरित		67,300,969.44	64,962,427.74
	योग	**123,832,022.47**	**64,962,427.74**
प्रमुख लेखानीतियां	17		
खातों पर टिप्पणियां	18		

वर्णित प्रपत्र लाभ हानि खाते के अविभाज्य अंग है
हमारे उक्त दिनांक के प्रतिवेदन अनुसार
वी.के. डफरिया एण्ड कंपनी
सनदी लेखाकार
सही/-
(सी.ए. - मनीष डफरिया)
पार्टनर
फर्म रजि. सं. 000021सी
सदस्यता संख्या - 075591
स्थान भोपाल
दिनांक 24/06/2024

सही/-
प्रशासक
सही/-
लेखा प्रभारी
सही/-
मुख्य कार्यपालन अधिकारी
सही/-
शाखा प्रबंधक (लेखा)

खेल हार-जीत के लिए नहीं खेले जाते, अपितु इनसे हमें जीवन के बहुमूल्य अनुभव भी प्राप्त होते हैं : एडीजी शापू

विशेष सशस्त्र बल (विसबल) दक्षिणी क्षेत्र अन्तर वाहिनी क्रीड़ा प्रतियोगिता-2024 का समापन

भोपाल। लाल परेड मैदान स्थित मोतीलाल नेहरू स्टेडियम में 7वीं वाहिनी विसबल द्वारा 25 जून से आयोजित की जा रही चार दिवसीय विशेष सशस्त्र बल (विसबल) दक्षिणी क्षेत्र अन्तर वाहिनी क्रीड़ा प्रतियोगिता-2024 का शुक्रवार को समापन हो गया। प्रतियोगिता में हैमर थ्रो, रिले रेस, लंबी कूद, फुटबॉल, सेपक टेकरो, बास्केटबॉल, 20 किमी पैदल चाल, हर्डल्स, 800 मीटर दौड़, खो-खो और हॉकी के मुकाबलों में प्रदेश की विभिन्न वाहिनियों के खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में कुल 391 खिलाड़ियों ने भाग लिया।

प्रतियोगिता के समापन समारोह में मुख्य अतिथि एडीजी (एसएफ) साजिद फरीद शापू ने कहा कि खेल सिर्फ हार जीत के लिये नहीं खेले जाते, अपितु इनसे हमें जीवन के बहुमूल्य अनुभव भी प्राप्त होते हैं। उन्होंने कहा कि मैं आशा करता हूं कि चयनित टीमें एकता, अनुशासन एवं समर्पण के साथ अपने-अपने खेल में दक्षता प्राप्त करते हुए आगामी प्रतियोगिताओं में भी बेहतर प्रदर्शन कर अपने जोन एवं राष्ट्रीय खेलों में भी मध्य प्रदेश पुलिस का नाम रोशन करें। प्रतियोगिता के समापन पर सातवीं वाहिनी के कमांडेंट हितेश चौधरी ने सभी खिलाड़ियों और अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

मार्चपास्ट कर दी मुख्यअतिथि को सलामी

मुख्य अतिथि साजिद फरीद शापू के आगमन पर बिगुल द्वारा संकेत दिया गया । तत्पश्चात पुलिस उप महानिरीक्षक अमित सांघी व कमांडेंट हितेश चौधरी ने निरीक्षक एवं मुख्यअतिथि का पुष्पगुच्छ से स्वागत किया। मुख्य अतिथि एवं एडीजी एसएफ शापू के मंच पर आगमन पर बैंड द्वारा उनका अभिवादन किया, जिसके पश्चात उन्होंने प्रतियोगिता में हिस्सा लेने वाली सभी वाहिनियों के टीम मैनेजरों से परिचय प्राप्त किया। इसके पश्चात आयोजन में भाग लेने आई सभी वाहिनियों की टीमों ने मार्चपास्ट कर मुख्यअतिथि को सलामी दी।

प्रतियोगिता में भाग लेना महत्वपूर्ण

प्रतियोगिता के समापन समारोह में पुलिस उप महानिरीक्षक अमित सांघी ने कहा कि मैं सभी 9 वाहिनियों का आभार व्यक्त करता हूं, जिन्होंने प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेकर कार्यक्रम को सफल बनाया। उन्होंने कहा कि जीतना नहीं, बल्कि किसी भी प्रतियोगिता में भाग लेना सबसे महत्वपूर्ण होता है । इन प्रतियोगिताओं में सभी ने जोश और टीम भावना के साथ कार्य कर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया । उन्होंने कहा मैं सभी पदक विजेताओं को बधाई देता हूं । साथ ही इस सफलता में शामिल सभी कर्मचारियों को भी बधाई देता हूं।

23 वीं बटालियन रही ओवरऑल चैंपियनशिप

मुख्यअतिथि ने सभी विजेताओं को ट्रॉफी देकर पुरस्कृत किया गया। ओवरऑल चैंपियनशिप ट्रॉफी 23 वीं बटालियन रही। इसके पश्चात मुख्यअतिथि साजिद फरीद शापू ने प्रतियोगिता के समापन की घोषणा की। बैंड की धुन के साथ कार्यक्रम की समाप्ति हुई। तत्पश्चात खेल प्रतियोगिता के ध्वज को सलामी दी गई। 7वीं वाहिनी के कमांडेंट हितेश चौधरी ने मुख्य अतिथि शापू को स्मृति चिन्ह भेंट किया। अंत में सभी खिलाड़ी उत्साह के साथ दौड़े और कार्यक्रम समाप्त हुआ।

बिजली कटौती बंद नहीं हुई तो होगा उग्र आंदोलनः पंकज उपाध्याय

घोषित बिजली कटौती को लेकर कांग्रेसियों ने जौरा में दिया धरना

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-
मुरैना/जौरा। पिछले लगभग एक माह से इस भीषण गर्मी एवं उमस भरे मौसम में विद्युत कटौती की मार झेल रहे नागरिकों व्यापारियों आमजनों की परेशानियों को देखते हुए कांग्रेस के विधायक पंकज उपाध्याय पूर्व विधायक महेश दत्त मिश्र एवं कांग्रेस के जिला अध्यक्ष मधुराज सिंह तोमर, शहर अध्यक्ष दीपक शर्मा, महामंत्री विष्णु अग्रवाल, संगठन मंत्री सुभाष सिंह सिकरवार सहित सैकड़ो कांग्रेसी कार्यकर्ताओं, आमजनों की मौजूदगी में विद्युत विभाग कार्यालय पर आंदोलन धरना प्रदर्शन किया। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत 28 जून को 10 बजे से ही बिजली कटौती एवं विद्युत अव्यवस्था को लेकर विद्युत कार्यालय के प्रांगण में पहुंचना शुरू हो गए। यहां पर पूर्व विधायक महेश दत्त मिश्र ने अपने उद्बोधन में कहा कि विद्युत कटौती से आमजन परेशान है। 10 मिनट के लिए आपूर्ति आती है, फिर 2 घंटे के लिए चली जाती है। डीपी ट्रांसफार्मर क्यों जल रहे हैं? 10 से 15 वर्ष से पहले के ट्रांसफार्मर आज भी काम कर रहे हैं, लेकिन जो नए ट्रांसफार्मर आ रहे हैं वे तत्काल खराब होकर फुंक जाते हैं यह भी एक जांच का विषय है। विधायक पंकज उपाध्याय ने आक्रोश जाहिर करते हुए कहा कि एक माह से नगर की जनता परेशान है। ग्रामीण क्षेत्र में भी विद्युत कटौती से किसान भाई परेशान हो रहे हैं। नगर में एक माह से अघोषित कटौती की हद हो गई है। नागरिकों को लगातार 1 घंटे भी विद्युत आपूर्ति नहीं मिल पा रही है। श्री उपाध्याय ने बिजली अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि चार दिन के अंदर यदि जौरा की विद्युत व्यवस्था को सही नहीं किया गया तो अबकी बार आंदोलन सड़कों पर होगा। चक्काजाम भी होगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी विद्युत विभाग की होगी। उन्होंने नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि नागरिक नवीन विद्युत कनेक्शन के लिए चक्कर लगा रहे हैं। उन्हें नवीन कनेक्शन नहीं मिल पा रहा है। नकली ट्रांसफार्मर ला रहे हैं, जो लगातार फुंक रहे हैं। विद्युत विभाग के पास हाइड्रा नहीं है। बिल आपको पूरा चाहिए। श्री उपाध्याय ने यह भी कहा कि नगर के नागरिकों का यह भी आरोप है कि व्हीआईपी फीडर पर अलग से विद्युत आपूर्ति दी जा रही है। ऐसा भेदभाव जौरा के नागरिकों के साथ क्यों हो रहा है? आलापुर में भी 5 दिन से ट्रांसफार्मर नहीं है, वहां लोग परेशान हो रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्र में तार जमीन पर हैं, दुर्घटना की संभावना बनी रहती है। इसलिए तुरंत विद्युत कटौती बंद कर नागरिकों को सुचारू रूप से लगातार विद्युत आपूर्ति उपलब्ध कराने की बात

उपाध्याय ने कही।

कांग्रेस की जिला अध्यक्ष मधुराज सिंह तोमर, शहर अध्यक्ष दीपक शर्मा, विष्णु अग्रवाल, ब्लॉक अध्यक्ष राजकुमार सिंह सिकरवार, विनोद दुबे, धर्मेंद्र सिकरवार, रिंकू पचौरी, पत्रकार जगदीश शुक्ला, मनीष उपाध्याय, जगदीश राठौर सहित अन्य वक्ताओं ने भी अपने-अपने उद्बोधन में विद्युत कटौती को लेकर कहा कि यह लड़ाई जनता जनार्दन की है। चार-दिन के अंदर व्यवस्थाएं नहीं सुधरीं तो इस बार धरना प्रदर्शन आंदोलन सड़कों पर किया जाएगा। चक्काजाम होगा, जेल भी जाएंगे। लगभग 3 घंटे तक चले धरना प्रदर्शन आंदोलन के बाद विद्युत विभाग के डीई राजेश तंवर धरना स्थल पर आकर विधायक सहित सभी कांग्रेसी नेताओं उपस्थित पांच सैकड़ा से अधिक नागरिकों से यह वायदा किया कि 5 दिन में जौरा शहर में विद्युत व्यवस्था में सुधार कर देंगे। सुचारू रूप से विद्युत आपूर्ति नागरिकों को मिलेगी। नगर में दो फीडर भी अलग-अलग कर दिए हैं, जिससे कि एक फीडर पर अधिक लोड नहीं होगा। अभी तक ओवरलोड होने से विद्युत आपूर्ति में परेशानी आ रही थी। ट्रांसफार्मर भी खराब हो रहे थे। दो-तीन दिनों में कुछ अन्य स्थानों पर नवीन ट्रांसफार्मर भी रखे जा रहे हैं, जहां 100 के ट्रांसफार्मर लगे हैं उनके स्थान पर 200 के रखना जा रहे हैं, जिससे ओवरलोड की समस्या का समाधान हो जाएगा। शिकायत के लिए एक नंबर भी आमजनों को उपलब्ध कर रहे हैं। फीडर के जो परिवर्तन किए गए हैं उससे विद्युत आपूर्ति की जो परेशानी थी वह अगले 5 दिनों में दूर हो जाएगी। नवीन कनेक्शन के बारे में डीई का कहना था कि विद्युत व्यवस्था के सुधारते ही नवीन कनेक्शन भी देंगे। आउटर में कनेक्शन को लेकर नियमों में हम बंधे हुए हैं, इसलिए वहां नवीन कनेक्शन में परेशानी आ रही है। अगले माह तक उसे भी दूर करने का प्रयास करेंगे।

धरना प्रदर्शन कार्यक्रम में पूर्व विधायक सोनेराम कुशवाहा, रवि उपाध्याय, डॉ. सुरेश शर्मा, विधायक प्रतिनिधि अशोक गर्ग एडवोकेट, राजेश सिंघल राजू, मंत्री पवन शर्मा, मोबीन खान, शहाबुद्दीन उस्मानी, ललित पाराशर, अभिषेक जैन, रमेश पाराशर, सुनील शर्मा, पार्षद दिनेश पाराशर, रमेश जाटव, संचालनकर्ता दिलीप जैन, ओमप्रकाश सकलेचा, रानू मिश्रा, कलुआ शर्मा, दिलीप गुर्जर, राम त्यागी, विनोद दुबे, दिनेश शर्मा, अरुण कुलश्रेष्ठ, नरेश मुदगल, सतेंद्र सोलंकी, दीपक यादव, अंकुर दुबे, रिंकू पचौरी, वकील शर्मा, छोटू त्यागी, निकाराम त्यागी, नगर एवं ग्रामीण क्षेत्र से आए सैकड़ों व्यापारी ग्रामीण भी उपस्थित रहे।

जौरा नगर पालिका पी.आई.सी. की बैठक सम्पन्न

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-
मुरैना/जौरा। विगत दिवस नगर पालिका की अध्यक्षीय परिषद की बैठक नपाध्यक्ष अखिल माहेश्वरी की अध्यक्षता में आयोजित की गई। इस मीटिंग में नगर विकास विकास से जुड़े सभी 16 सूत्रीय बिंदुओं पर अध्यक्षीय परिषद के सदस्यों द्वारा ने गहन विचार विमर्श करने उपरांत ऐजेंडा में शामिल सभी बिन्दुओं को सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित कर मंजूरी प्रदान की गई। बैठक में मुख्य नगर पालिका अधिकारी बीरेंद्र सिंह रावत, इंजीनियर ऋषिकेश त्यागी भी उपस्थित रहे। शुक्रवार के दिन ही नगर पालिका जौरा के सहायक ग्रेड-2 कर्मचारी मोहनलाल त्रिपाठी को नगर पालिका के सभागार में नपाध्यक्ष अखिल माहेश्वरी एवं सभी कर्मचारियों अधिकारियों की उपस्थिति में उनके सेवा निवृत्त होने पर एक भव्य कार्यक्रम आयोजित कर भावभीनी विदाई पार्टी दी गई। अध्यक्ष माहेश्वरी ने मोहनलाल त्रिपाठी की कर्तव्यनिष्ठा की सराहना करते हुए उनके उज्जवल व खुशहाल भविष्य की कामना करते

हुए उन्हें बधाई देते हुए कहा कि आप अपने परिवार के साथ सुखी व समृद्धशाली जीवन जिएं।पी आई सी की मीटिंग के बाद में नपाध्यक्ष श्री माहेश्वरी ने पार्षदगण की उपस्थिति में नगर पालिका क्षेत्र शासन योजनान्तर्गत पेयजल आपूर्ति हेतु पाइप लाइन डालने वाले कंपनी के इंजीनियर तथा कंपनी के अन्य जिम्मेदार अधिकारी कर्मचारियों के साथ भी बैठक नपाध्यक्ष एवं पार्षदगणों द्वारा उक्त कंपनी के कर्मचारियों द्वारा सुव्यवस्थित ढंग से पाइप लाइन न डालने से बरसात के मौसम में नागरिकों और भी समस्याएं खड़ी हो गई हैं। उक्त कंपनी एमपीयूडीसीपी आईयू चंबल के निर्माण एजेंसी के अधिकारी एवं इंजीनियर व मैकेनिकल एक्सपर्ट के को नपाध्यक्ष अखिल माहेश्वरी ने पाइप लाइन डालने वाली कंपनी के अधिकारियों से उनकी कार्यप्रणाली पर असंतोष व्यक्त करते हुए निर्देश दिए कि नगर में जल प्रदाय योजना को समय सीमा में पूर्ण कर नागरिकों को होने वाली समस्या से निजात दिलाने का कार्य करें। कंपनी के ओर से उसके इंजीनियर अजय शर्मा ने नपाध्यक्ष अखिल माहेश्वरी को पूर्ण भरोसा दिलाया कि रोड़ की खुदाई कर पाइप लाइन डालने से लोगों को जो समस्याएं आ रही हैं हम शीघ्र ही पाइप लाइन डालकर सभी मार्गों को दुरुस्त करने का कार्य कर रहे हैं।

अध्यक्षीय परिषद की बैठक में परिषद के सदस्य पार्षदगण सुरक्षा दामोदर सिंह जाटव, कालिन्द्री सुभाष शर्मा, बिनोद बंटी रावत, संगीता सोनी अनिल वर्मा, क़दम सिंह कुशवाह, सुनीता पंजाब सिंह जाटव मौजूद थे। पेयजल आपूर्ति कंपनी के साथ सम्पन्न बैठक में पार्षदगण सुनील शर्मा, पिंकी नरेश प्रजापति, बिनोद बब्लू शर्मा आदि मौजूद रहे।

जिले में अब तक 90.9 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-
मुरैना। मुरैना जिले में 01 जून से 28 जून तक 90.9 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है, जो गत वर्ष की तुलना में 47.1 मिलीमीटर वर्षा कम है। पिछले वर्ष इसी अवधि में 138 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज हुई थी। अधीक्षक भू-अभिलेख मुरैना सैयद मुज्जफर अली ने बताया कि जिले में 01 जून से 28 जून तक सर्वाधिक 167 मिलीमीटर वर्षा पोरसा में दर्ज की गई है। मुरैना में 164, जौरा में 112, कैलारस में 45, अम्बाह में 44 और सबलगढ़ तहसील में सबसे कम 13.5 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है।

28 जून, शुक्रवार को सर्वाधिक 85 मिलीमीटर वर्षा पोरसा में दर्ज की गई है। मुरैना में 63, जौरा में 27, कैलारस में 16, अम्बाह में 13 और सबलगढ़ में 1 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है।

युगल मुनिराजों का मुरैना में होगा चातुर्मास

17 जुलाई को मंगल प्रवेश, 28 जुलाई को होगी कलश स्थापना

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-
मुरैना। इस वर्ष नगर के जैन मंदिर में युगल मुनिराजों का चातुर्मास होना निश्चित हो गया है। श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन पंचायती बड़ा जैन मंदिर के अध्यक्ष प्राचार्य अनिल जैन एवं मंत्री विनोद जैन तार वाले द्वारा प्रदत्त जानकारी के अनुसार अभीक्ष्ण ज्ञानोपयोगी आचार्य श्री वसुनंदी जी महाराज के सुयोग्य शिष्य मुनिश्री शिवानंद जी महाराज एवं प्रशमानंद जी महाराज का बड़े जैन मंदिर मुरैना में चातुर्मास होना सुनिश्चित हुआ है।

पूज्य युगल मुनिराज इस समय बुंदेलखंड के टीकमगढ़ में विराजमान हैं। पूज्य मुनिराजों ने आज टीकमगढ़ से मुरैना के लिए पद विहार प्रारंभ कर दिया है। युगल मुनिराज बंधाजी, झांसी, दतिया, सोनागिर, डबरा, ग्वालियर पद विहार करते हुए मुरैना पहुंचेंगे। नगर मुरैना में 17 जुलाई को युगल मुनिराजों का भव्य मंगल प्रवेश होने की पूर्ण संभावना है। जैन ने बताया कि जैन मुनि बरसात के चार माह एक ही स्थान पर रहकर साधना करते हैं। चातुर्मास के दौरान वे स्वयं तो आत्म साधना करते ही हैं, साथ ही श्रावकों को भी आत्म साधना करने के लिए प्रेरित करते हैं। चातुर्मास के चार माह निरंतर धर्म एवं ज्ञान की गंगा प्रवाहित होगी। संभावना व्यक्त की जा रही है कि चातुर्मास हेतु रविवार 28 जुलाई को एक भव्य कार्यक्रम में मंगल कलश स्थापना होगी।

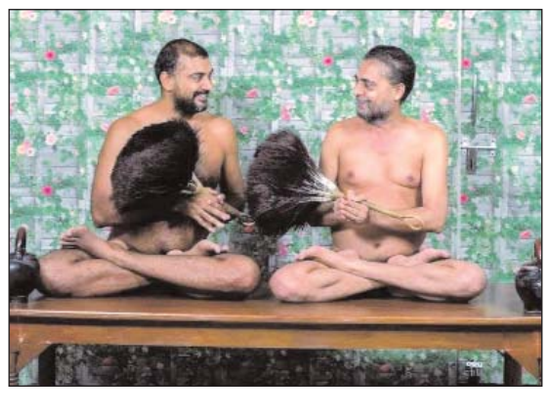

कुल्हाड़ी से मारपीट करने वाले को तीन वर्ष का कारावास

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-
मुरैना। मजदूरी के पैसों से हिस्साबांट को लेकर युवक की लाठी, कुल्हाड़ी एवं सब्बल से मारपीट किए जाने के मामले में षष्टम अपर सत्र न्यायाधीश मुरैना ने एक दोषी को तीन वर्ष कारावास और दो हजार रूपये अर्थदण्ड की सजा सुनाई है। अभियोजन की ओर से पैरवी अपर लोक अभियोजक इंद्र सिंह गुर्जर ने की।

अभियोजन के अनुसार फरियादी रमेशचंद्र 13 नवंबर 2020 को शाम करीब आठ बजे भाई दयाराम, भतीजे धर्मेन्द्र, रविन्द्र के साथ अपने घर में मौजूद था। तभी रनवीर और उसका पुत्र आशिक एवं राजा वहां पहुंचें। उन्होंने मजदूरी के पैसों से हिस्सा देने की बात कही। दयाराम ने पैसे देने से इंकार किया तो उन्होंने गालियां देना शुरू कर दिया। इसी दौरान रनवीर ने कुल्हाड़ी से वार किया, जबकि आशिक ने लोहे के सब्बल से मारपीट कर डाली। रमेशचंद्र की रिपोर्ट पर सरायछौला पुलिस ने धारा 323, 294, 324, 326 के तहत केस दर्ज कर न्यायालय में चालान पेश किया। अभियोजन के तर्कों एवं साक्ष्यों से सहमत होकर न्यायालय ने आरोपी रनवीर पुत्र वृंदावन पिप्पल निवासी पिपरई को दोषी मानते हुए धारा- 323 में 500 रुपये जुर्माना, 324 में एक वर्ष की सजा, 500 रुपये जुर्माना एवं धारा-326 में तीन साल की सजा व एक हजार जुर्माने की सजा सुनाई है।

कार्यालय में समय से न पहुंचने पर एसडीएम ने 06 कर्मचारियों का आधे दिवस का वेतन काटा

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-
मुरैना। मध्यप्रदेश शासन सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा अभी हाल में समस्त शासकीय कार्यालयों को प्रातः 10 से सायं 06 बजे तक खोलने के निर्देश जारी किये गये है। निर्देशों के तहत एसडीएम मुरैना बीएस कुशवाह ने अनुविभागीय अधिकारी मुरैना का 28 जून को औचक निरीक्षण किया। जिसमें 06 कर्मचारी अनुपस्थित पाये गये।

उनमें सहायक ग्रेड-3 अहिवरन सिंह तोमर, अजय सिकरवार, भृत्य सतेन्द्र धाकड़, श्रीमती प्रेमादेवी, कल्याण सिंह डंडोतिया और श्याम शर्मा का आधे दिवस का वेतन काटने की कार्यवाही की गई है।

जल भराव की समस्या से परेशान लोगों ने नगर पालिका में सीएमओ के विरुद्ध नारेबाजी की

मुरैना/अम्बाह। इलाके में लगातार बिजली न रहने से परेशान लोगों के लिए पेयजल की समस्या तो पहले से ही दिक्कत दे रही थी। उसके बाद 2 दिन से हुई बारिश ने घरों के सामने जल भराव की समस्या को और बढ़ा दिया है। इसी समस्या से त्रस्त लोगों ने शुक्रवार को नगर पालिका पहुंचकर मुख्य नगर पालिका अधिकारी के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। इस भीड़ का नेतृत्व वार्ड क्रमांक 3 के पार्षद जय राजोरिया, वार्ड क्रमांक 10 के पार्षद अतेंद्र सखबार द्वारा किया गया। इसके अलावा भारतीय जनता पार्टी के पार्षद और पीआईसी मेंबर प्रमोद सखवार भी अपने वार्ड की जल भराव की समस्या को लेकर पहुंचे और मुख्य नगर पालिका अधिकारी को ज्ञापन दिया। पार्षद जय राजौरिया ने बताया कि एमएलडी कॉलोनी में पिछले तीन दिन से पानी भरा है। जल निकासी के लिए मोहल्लेवासी नगर पालिका भी पहुंचे, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। घर तक आने-जाने में उन्हें

परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। निकासी न होने के कारण मकानों के अंदर बरसात का पानी भर गया है। समस्या का समाधान न होता देख आज हम यहां आए हैं वहीं इस दौरान महिलाएं, बच्चे और पुरुषों ने नगर पालिका प्रशासन के विरुद्ध जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शन कर रहे लोगों का कहना था कि दो दिन पहले हुई बरसात का पानी अब तक घरों में भरा हुआ है। घर के अंदर रखा सामान बरसात के पानी की वजह से खराब हो रहा है। बच्चे स्कूल नहीं जा पा रहे। लोग काम पर नहीं जा पा रहे हैं। घर के सभी सदस्य पानी निकालने की जुगत में लगे हुए हैं। इतनी भीषण समस्या के बाद भी कोई उनकी परेशानी को समझने वाला नहीं है। कई बार प्रयास करने के बाद भी जलनिकासी का इंतजाम नहीं हो सका है। वहीं मुख्य नगर पालिका अधिकारी ने प्रदर्शन कर रहे लोगों को शीघ्र समस्या के समाधान का आश्वासन दिया जिसके बाद कहीं लोग वापस लौटे।

अघोषित विद्युत कटौती से परेशान हैं पोरसा के वाशिंदे

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-
मुरैना/पोरसा। विद्युत मंडल की शहर के अंदर निकली 11 केवी की लाइन के तार पुराने होने से पल-पल पर फॉल्ट आते हैं। आज रात को बिजली घर की रिले खराब होने की तथा डीसी सप्लाई सप्लाई शॉर्ट होने से रात्रि 11:00 से समूचे शहर की फीडर नंबर एक व फीडर नंबर दो की लाइट बंद रही। समाचार लिखे जाने तक लाइट शुरू नहीं हो पाई। मध्य प्रदेश विद्युत मंडल के एई शिव सिंह चौबे से जब बात की गई तो उन्होंने बताया कि पोरसा शहर में आरडीएसएस योजना अंतर्गत लाइनों के तार शीघ्र बदले जाने के लिए प्रस्ताव ऊपर पास हो चुका है। ठेकेदार को ठेका दिया जा चुका है। 11 केव्ही की पूरी लाइन नई हो जाएगी, एलटी लाइन के 250 नये पोल लगायें जायेंगे एवं 45 नई डीपी शहर में रखी जायेंगी। एलटी की 15 किलोमीटर लम्बी केवल बदली जायेगी। उसके बाद शहर की विद्युत व्यवस्था सुचारू रूप से अनवरत चालू रहेगी। आमजनता को हो रही सुविधा के लिए विद्युत मंडल खेद प्रकट करता है।

गरीब परिवार की बेटी की शादी में भात देने पहुंचीं राबिया किन्नर

तेजपाल का पुरा में ज़रूरतमंद परिवार के यहां पहुंचकर राबिया किन्नर ने दिया भात

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-
मुरैना/अम्बाह। अभी तक आपने किन्नरों को शादी समारोह या अन्य किसी खुशी के मौके पर नाचते-गाते और बधाई मांगते हुए देखा होगा, लेकिन अम्बाह की एक किन्नर ने इस परंपरा से अलग हटकर उदाहरण पेश किया है। किन्नर ने सामाजिक सरोकार निभाते हुए धर्म की बहन का भात भरा, जिसमें नकद रुपयों सहित चांदी के आभूषण व कपड़े, अनाज व अन्य सामान दिया हैं। जानकारी के मुताबिक तेजपाल का पुरा में रहने वाले राजकुमार किरार की बच्ची भावना की शादी 07 जुलाई की है। भावना के पिता की आर्थिक स्थिति कमज़ोर है, उसने इस बात की जानकारी राबिया किन्नर को दी। तब राबिया एक

पारंपरिक परंपरा के तहत बीते रोज राजकुमार के निवास पर भात देने के लिए पहुंच गईं। बेटी की मां को किन्नर राबिया ने अपनी धर्मबहिन बनाया और इस रिश्ते को भाई बनकर निभाने की ठानी और बहिन को चुनरी ओढ़ाकर भात भरा। देखते ही देखते इस भात की चर्चा पूरे शहर में हो गई। राबिया किन्नर ने राजकुमार के रिश्तेदारों के साथ-साथ उसकी बेटी भावना को भी भात में बहुत सारी उपहार सामग्री दी, जिससे भावना बेहद प्रसन्न हुई। राबिया के प्रति क्रेज इतना बढ़ा कि शादी के परिवार वालों में उसके साथ फोटो लेने की होड़ मच गई। इसके बाद किन्नर राबिया ने तय किया है कि वह भावना के शादी वाले दिन भी मदद करेंगी।

रात्रि 11 बजे से सुबह 8 बजे तक हुई बरसात, दुकानों में घुसा पानी, लाखों रुपए का नुकसान

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-
मुरैना/पोरसा। 27 जून की रात 11:00 बजे से 28 जून 2024 की सुबह 8:00 बजे तक हुई वर्षा का पानी दुकानों में घुस गया, जिससे दुकानदारों का लाखों का नुकसान हो गया। ज्यादातर नुकसान सदर बाजार की दुकानों का हुआ। शहर की सदर बाजार, आदर्श गली नंबर 1, आदर्श गली नंबर 2, तालाब रोड, तंबाकू वाली गली, लोहिया बाजार, सब्जी मंडी रोड, दीनदयाल स्कूल वाली गली, गंगाराम वाली गली, गांधीनगर, पुरानी बस्ती सहित शहर की कई गलियों में लोगों के घरों में तथा दुकानों में पानी भर गया, जिससे लाखों रुपए का नुकसान होने का अनुमान लगाया गया है। आखिर प्रशासन कब चेतेगा? प्रशासन की लापरवाही शहर में बड़ा नाला न होना, प्रतिवर्ष पानी भरना इससे निजात कब मिलेगी? शहर वासियों का नुकसान होना कब बंद होगा? जब पानी बंद हुआ तब नालियों का गंदा कीचड़ सड़क पर जमा हो गया, तब शहर वासियों ने उसे साफ करने का प्रयास किया उसमें आज नल नहीं आए इस कारण सफाई में काफी परेशानी का सामना शहर वासियों को करना पड़ा।

लोक सेवा गारंटी में समय-सीमा में जानकारी न देने पर नायब तहसीलदार मुरैना पर 4750 रूपये का जुर्माना

मुरैना। लोकसेवा गारंटी पोर्टल पर आवेदक के आवेदन दिनांक से समय-सीमा में जानकारी प्रस्तुत न करने पर नायब तहसीलदार मुरैना श्रीमती ज्योति लाक्षाकार पर विलंब का कारण प्रति प्रकरण पर 250 रूपये के मान से 4750 रूपये का जुर्माना की शासित अधिरोपित की गई है।

कलेक्टर अंकित अस्थाना द्वारा नायब तहसीलदार श्रीमती ज्योति लाक्षाकार पर 06 आवेदनों के लोकसेवा गारंटी पोर्टल पर समय-सीमा में जानकारी न देने पर 4750 रूपये का दण्ड अधिरोपित किया है। जिसमें एक आवेदन पर 1250, दूसरे आवेदन पर 750, तीसरे आवेदन पर 1250, चौथे आवेदन पर 500, पांचवे आवेदन पर 500 और छठवें आवेदन पर 500 रूपये बताये गये है। यह जानकारी 08 अप्रैल तक उपलब्ध करानी थी।

उन्होंने बताया कि आहरण एवं संवितरण अधिकारी द्वारा प्रतिकर की राशि शीघ्र आहरित की जाकर 30 दिवस के अंदर उक्त हितग्राही को भुगतान की जायेगी।

रिठौरा पुलिस ने पकड़ी अवैध खण्डों से भरी ट्रेक्टर-ट्रॉली

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-
मुरैना। पुलिस अधीक्षक शैलेन्द्र सिंह चौहान द्वारा जिले में रेत व पत्थर का अवैध रूप से परिवहन, उत्खनन एवं भण्डारण करने वालों के विरूद्ध प्रभावी कार्यवाही करने हेतु संपूर्ण मुरैना जिले में विशेष अभियान संचालित कराया जाकर जिला मुरैना के समस्त राजपत्रित अधिकारीगण (पुलिस) एवं थाना प्रभारियों को चंबल नदी के अवैध रेत/पत्थर परिवहन / उत्खनन/भण्डारण के विरूद्ध प्रभावी कार्यवाही किये जाने हेतु निर्देशित किया गया। उक्त अभियान के तारतम्य में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. अरविन्द सिंह ठाकुर के निर्देशन एवं एसडीओपी आदर्शकांत शुक्ला (भापुसे) के कुशल मार्गदर्शन में निरीक्षक जितेन्द्र कुमार दौहरे थाना प्रभारी रिठौरा

को दिनांक 28.06.24 को जरिये मुखबिर सूचना मिली की ग्राम पढ़ावली गढ़ी पर से ट्रेक्टर के माध्यम से खण्डों का अवैध परिवहन किया जा रहा उक्त सूचना पर कार्यवाही करते हुए थाना प्रभारी रिठौराकलां द्वारा मय हमराह टीम के मुखबिर द्वारा बताये स्थान पर पहुंचे तो सामने से एक ट्रैक्टर नीले रंग का नम्बर का स्वराज ट्रैक्टर आता दिखा, जो पुलिस को देखकर भागने का प्रयास करने लगा जिसे हमराह फोर्स की मदद से घेर कर पकड़ा गया एवं उक्त ट्रेक्टर में लगी ट्रॉली से भरे सफेद खण्डों को मौके से धारा 379, 414 भादवि, 21 (1), 4 (1) खान एवं खनिज (विकाश का विनयमन) अधिनियम 1957 के तहत जप्त कर अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

हाईवे पर टायरों से भरा ट्रक पलटने से लगा जाम, लोग रहे परेशान

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-
मुरैना। गुरुवार की रात को एनएच-44 हाईवे पर मुरैना-धौलपुर के बीच देवरी गांव के निकट टायरों से भरा एक ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गया। जिससे हाईवे की एक लेन पर यातायात अवरुद्ध हो गया। ट्रक पलटने और बारिश के कारण हाईवे पर कई घंटे तक चक्काजाम के हालात बने रहे। जानकारी के अनुसार ट्रक क्रमांक एचआर55-एच-3824 गुरुवार की रात को बानमोर औद्योगिक क्षेत्र स्थित जेके टायर्स प्लांट से टायर लोड करने के बाद मुरैना से दिल्ली की ओर जा रहा था। रात करीब 12.30 बजे जब ट्रक एनएच-44 हाईवे पर क्वारी नदी

को क्रॉस करने के बाद देवरी गांव के निकट पहुंचा था। तभी अचानक ड्राईवर वाहन से अपना संतुलन खो बैठा और ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गया। ट्रक के पलटने और जोरदार बारिश के कारण हाईवे की एक लेन पर यातायात पूरी तरह से ठप हो गया। सूचना मिलते ही सिविल लाईन पुलिस मौके पर पहुंचीं और ट्रैफिक को दूसरी लेन पर डायवर्ट कर ट्रैफिक को सुचारू करने का प्रयास किया, लेकिन वाहन चालकों की जल्दबाजी ने हाईवे पर जाम के हालात बना दिए। जेसीबी मशीन और हाईड्रा की मदद से पुलिस ने पलटे हुए ट्रक को हाईवे से हटाया, तब कहीं जाकर हाईवे पर आवागमन सुचारू हो सका।

उद्यानिकी और खाद्य प्र-संस्करण क्षेत्र में निवेश का प्रदेश में बेहतर माहौलः मंत्री कुशवाह

देश में उद्यानिकी से फसल उत्पादन में प्रदेश की 11 प्रतिशत भागीदारी

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

भोपाल। उद्यानिकी और खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्र में निवेशकों के लिए मध्यप्रदेश के द्वार सदैव खुले हैं। प्रदेश में निवेश के बेहतर माहौल और भौगोलिक परिस्थितियों का लाभ उद्यमी उठा सकते हैं। यह बात उद्यानिकी और खाद्य प्रसंस्करण मंत्री नारायण सिंह कुशवाह ने भोपाल में आयोजित खाद्य प्रसंस्करण और कृषि व्यवसाय शिखर सम्मेलन के शुभारंभ अवसर पर कही।

मंत्री श्री कुशवाह ने कहा कि मध्यप्रदेश में 27 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में 400 लाख मीट्रिक टन उद्यानिकी फसलों का उत्पादन होता है। देश में मध्यप्रदेश उद्यानिकी उत्पादन में 11 प्रतिशत, कृषि उत्पादन में 10 प्रतिशत तथा दुग्ध उत्पादन में 9 प्रतिशत उल्लेखनीय भागीदारी दर्ज करता है। मध्यप्रदेश देश में टमाटर उत्पादन में प्रथम तथा मिर्च, प्याज के उत्पादन में द्वितीय स्थान रखता है। उन्होंने कहा कि विश्व बाजार में प्राकृतिक एवं जैविक उत्पादों की अत्यधिक मांग है। देश में कुल जैविक उत्पादन में मध्यप्रदेश की 40 प्रतिशत हिस्सेदारी है। इससे स्पष्ट है कि मध्यप्रदेश उद्यानिकी फसलों के उत्पादन में महत्वपूर्ण भागीदारी रखता है। मंत्री श्री कुशवाह ने सम्मेलन में भाग ले रहे व्यवसायियों से अपील की कि वह प्रदेश में उद्यानिकी फसलों पर आधारित व्यवसायिक गतिविधियों में निवेश करें। राज्य सरकार उनकी भरपूर मदद करेगी। मंत्री श्री कुशवाह ने कहा कि मध्यप्रदेश में विगत वर्षों में खाद्य प्र-संस्करण के क्षेत्र में छोटी-बड़ी 2400 इकाईयों को राज्य सरकार द्वारा 214 करोड़ की अनुदान सहायता दी गई है।

शुक्रवार को 555 ई-रिक्शा का हुआ पंजीयन, अब तक 3778 पंजीकृत

ग्वालियर। शहर में आधा दर्जन स्थानों पर नाके सह शिविर लगाकर ई-रिक्शा का पंजीयन किया जा रहा है। छरू दिन के भीतर 3778 ई-रिक्शा पंजीकृत किए जा चुके हैं। ग्वालियर शहर में की यातायात व्यवस्था को सुगम व सुव्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से ई-रिक्शा के रूट निर्धारित किए जायेंगे। इसी सिलसिले में ई-रिक्शों का पंजीयन किया जा रहा है। शुक्रवार को सायंकाल 5 बजे तक 555 ई-रिक्शा का पंजीयन किया गया। ज्ञात हो गत 23 जून से शहर में आधा दर्जन स्थानों पर नाके सह शिविर लगाकर ई-रिक्शा का पंजीयन शुरू किया गया था। इन स्थलों पर पंजीयन का काम 29 जून तक किया जायेगा। स्मार्ट सिटी के कंट्रोल एण्ड कमाण्ड सेंटर से प्राप्त जानकारी के अनुसार शुक्रवार 28 जून को हजीरा क्षेत्र के शिविर में 108 ई-रिक्शा का पंजीयन किया गया। इसी तरह बारादरी पर 72, गोला का मंदिर पर 124, फूलबाग चौराहे पर 84, महाराज बाड़ा पर 87 एवं आमखो पर स्थापित किए गए नाका सह शिविर में 80 ई-रिक्शों का पंजीयन किया गया।

नमन पब्लिक वेलफेयर सोसायटी ने किया पौधारोपण

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

ग्वालियर। शुक्रवार को नमन पब्लिक वेलफेयर सोसाइटी संस्था के द्वारा थाटीपुर मंगल धाम वृद्ध आश्रम में वृक्षारोपण का कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में श्रीमती गिरजा गर्ग भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा जिला मंत्री, विशिष्ट अतिथि के रूप में राजेश एरण अग्रवाल समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष, लॉयंस क्लब इंटरनेशनल की ज़ोन चेयरपर्सन ज्योति अग्रवाल, लॉयंस क्लब आस्था अध्यक्ष रश्मि अग्रवाल, जेसीआई प्रेसिडेंट सुनीता परमार, प्रतिभा दुबे, रश्मि शर्मा जी सभी के हाथों से वृक्षारोपण का कार्यक्रम आयोजन किया गया। हम लोगों ने एक संकल्प लिया कि हमारी एक अच्छी पहल होनी चाहिए कि हर जिले में हर क्षेत्र में हर शहर में हर घर में एक पौधा जरूर लगाएं। अतिथियों के द्वारा बताया गया यह आवश्यकता है, क्योंकि पेड़ पर्यावरण को ऑक्सीजन प्रदान करते हैं और वायु की गुणवत्ता में सुधार करते हैं। यह मनुष्य को और अन्य जीवित प्राणियों के लिए आवश्यकता है। वृक्षारोपण से प्रदूषण भी कम होता है जिससे आने वाली पीढ़ियां का जीवन अधिक सुरक्षित होता है। इस अवसर पर हमारी संस्था की टीम जीतू, कीर्ति, रिहाना खान, खुशी परमार, ऊषा उपस्थित रहे। कार्यक्रम का आयोजन संस्था के अध्यक्ष रवि मांझी द्वारा किया गया।

शुक्रवार को 'सम्पत्ति कर शिविर' में कुल एक करोड़ का राजस्व नगर-निगम को प्राप्त हुआ

द्वितीय दिवस भी सम्पत्तिकर शिविर 'चेम्बर भवन' में हुआ आयोजित

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

ग्वालियर। नगर-निगम के सहयोग से आज द्वितीय दिवस भी 'सम्पत्ति कर शिविर' का आयोजन 'चेम्बर भवन' में किया गया। शुक्रवार को आयोजित सम्पत्ति कर शिविर में भी शहर के सभी 66 वार्ड के टीसी व उनके सहायक उपस्थित रहे और व्यवसाईयों एवं उद्योगपतियों सहित आमनागरिकों का सम्पत्ति कर जमा किया गया।

अध्यक्ष-डॉ. प्रवीण अग्रवाल, संयुक्त अध्यक्ष-हेमन्त गुप्ता, उपाध्यक्ष-डॉ. राकेश अग्रवाल, मानसेवी सचिव-दीपक अग्रवाल, मानसेवी संयुक्त सचिव-पवन कुमार अग्रवाल एवं कोषाध्यक्ष-संदीप नारायण अग्रवाल ने प्रेस को जारी विज्ञप्ति में अवगत कराया है कि आज के शिविर में रु. 01 करोड़ के राजस्व की प्राप्ति नगर-निगम, ग्वालियर को हुई ।

पदाधिकारियों ने दो-दिवसीय 'सम्पत्ति कर शिविर' का आयोजन 'चेम्बर भवन' में सफलता पूर्वक आयोजित किए जाने पर महापौर, डॉ. श्रीमती शोभा सिकरवार एवं आयुक्त, नगर-निगम, हर्ष सिंह के प्रति आभार व्यक्त किया है।

जिला अस्पताल में आदित्य कर रहे हैं निशुल्क भोजन सेवा

ग्वालियर। इस भागदौड़ भरी जिंदगी में जहां सभी अपने-अपने व्यक्तिगत कामों में व्यस्त हैं, वहीं दूसरी ओर प्रभुजी आहार फाउंडेशन के आदित्य शर्मा अपने साथियों के साथ जिला अस्पताल में जरूरतमंदों की निरंतर सेवा में लगे हुए हैं।

2019 से आदित्य शर्मा ने अपने साथियों के साथ जिला अस्पताल में जरूरतमंदों के लिए निशुल्क भोजन सेवा शुरू की, जो कि कोरोनाकाल को भी पार करते हुए आज दिनांक तक निरंतर जारी है। इस दौरान वे तकरीबन 1 लाख 20 हजार लोगों तक भोजन सेवा पहुंचा चुके हैं। आदित्य शर्मा बताते हैं कि उनके जीवन का लक्ष्य ही मानव सेवा है। उनके साथियों में देवी राठौर, पुरुषोत्तम शर्मा, सुमित कटारे, मुकेश सोनी, ए के जैन आदि शामिल हैं। यह समर्पित टीम बिना किसी स्वार्थ के जरूरतमंदों की सेवा में जुटी हुई है, जिससे समाज में मानवता की एक मिसाल कायम हो रही है। आदित्य और उनकी टीम के प्रयासों ने न केवल जरूरतमंदों को भोजन उपलब्ध कराया है, बल्कि समाज के अन्य लोगों को भी प्रेरित किया है कि वे भी अपनी क्षमता के अनुसार समाज सेवा में अपना योगदान दें।

देवी अहिल्याबाई ने पुत्री, पुत्रवधु और राजधर्म का पूरी निष्ठा से पालन किया: डॉ. प्रतिभा चतुर्वेदी

- पुण्य श्लोका देवी अहिल्याबाई होलकर जन्म त्रिशताब्दी वर्ष का शुभारंभ
- महापौर ने की घोषणा, अहिल्याबाई के नाम होगा जीवाजीगंज का पार्क

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। विषम परिस्थितियों में भी देवी अहिल्याबाई होलकर ने अपने जीवन के सभी पड़ावों पर नैतिक कर्तव्यों का पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ निर्वहन किया। उन्होंने पुत्री, पुत्रवधु और राजधर्म का पालन करते हुए सभी को न केवल न्याय शुलभ कराया बल्कि महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए युद्ध कौशल में परिपूर्ण कराया। यह बात स्वावलंबी भारत अभियान की अखिल भारतीय महिला कार्य प्रमुख डॉ. प्रतिभा चतुर्वेदी ने सरस्वती शिशु मंदिर के शिक्षा नगर सभागार में आयोजित पुण्य श्लोका देवी अहिल्याबाई होलकर जन्म त्रिशताब्दी वर्ष के शुभारंभ समारोह में मुख्य वक्ता की आसंदी से कही। कार्यक्रम की अध्यक्षता आयोजन समिति के अध्यक्ष अतुल माहेश्वरी ने की। विशिष्ट अतिथि महापौर शारदा सोलंकी एवं बलराम दास महाराज (बघेल बाबा चित्रकूट) थे। मुख्य वक्ता डॉ. चतुर्वेदी ने कहा कि अहिल्याबाई की 299वीं जन्मतिथि पर वर्ष भर कार्यक्रम आयोजित कर उनके व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डाला जाएगा। उन्होंने कहा कि राजधर्म का पालन करते हुए राज्य की आर्थिक दशा सुधारने के लिए बेहतर अर्थ नीति बनाई और खजाने को सुदृढ़ करते हुए राज्य के सीमा विस्तार में नए कीर्तिमान गढ़े। वहीं सांसारिक जीवन में समन्वय बनाते हुए संस्कृति और धर्म को मजबूत करने के लिए न केवल अपने राज्य में बल्कि समूचे भारत वर्ष के विभिन्न क्षेत्रों में मंदिरों का निर्माण और जीर्णोद्धार कराया। कार्यक्रम को महापौर शारदा सोलंकी ने भी संबोधित किया। साथ ही घोषणा की कि मुरैना के जीवाजीगंज स्थित पार्क को अहिल्याबाई के नाम से घोषित किया जाएगा। कार्यक्रम के आरंभ में कृष्णा सोनी ने 'इतिहास गा रहा है' गीत प्रस्तुत किया। अतिथियों का स्वागत शॉल, श्रीफल एवं अहिल्याबाई की प्रतिमा भेंटकर किया गया। कार्यक्रम की प्रस्तावना आयोजन मंडल के सदस्य डॉ. योगेन्द्र मावई ने रखी। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती पूनम डंडौतिया ने किया।

हमारे सैनिकों के पराक्रम का लोहा मानता है विश्व: कमांडिंग ऑफिसर अखिल शर्मा

कारगिल शहीद सरमन सिंह के बलिदान दिवस श्रद्धांजलि समारोह अयोजित

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

ग्वालियर। युद्ध कोई भी हो शत्रु पर विजय का हमारी सेना का इतिहास रहा है। 1962, 1965, 1971 के युद्ध का इतिहास अगर हम देखेंगे तो हमारी सेना ने शत्रु को अपने साहस और पराक्रम से हर परिस्थिति में हराया है, फिर शत्रु कितने भी सुरक्षित जगह पर रहा हो हमारी सेना हर स्थिति में बरसात का मौसम हो, सर्दी का मौसम हो, गर्मी का मौसम हो, बर्फीली चोटियां हों, ऑक्सीजन की कमी हो लेकिन हमारे बहादुर सेना ने शत्रु को हर मोर्चे पर हराया है। 1999 कारगिल युद्ध का इतिहास अगर हम देखें तो वहां का भू-भाग गहरी-गहरी खाईयों वाला और उन खाइयों के बीच ऊँची-ऊँची बर्फ से ढंकी पहाड़ियां। शत्रु ऊपर और हमारी सेना नीचे। दुश्मन तक पहुंचने का कोई भी रास्ता नहीं। इसके बाबजूद हमारे वीर योद्धा शत्रु तक पहुंचे भी और उनकी गर्दन को भी मरोड़ा। तब सारे विश्व ने हमारी सेना के पराक्रम को जाना। उक्त उद्गार कमाण्डर अखिल शर्मा ने कारगिल शहीद सरमन सिंह खेल एवं शिक्षा प्रसार संस्था एवं नगर निगम ग्वालियर के संयुक्त तत्वाधान में अयोजित कारगिल शहीद सरमन सिंह के बलिदान दिवस श्रद्धांजलि समारोह में व्यक्त किये।

कमाण्डर अखिल शर्मा ने कहा हमारी सेना के कारण कोई भी देश हमारी तरफ आँख उठाने का साहस नहीं कर पाता है। राकेश जादौन ने कहा कि जब तक सैनिक सीमा पर मुस्तैद हैं तभी तो संत शांति से साधना कर पा रहे हैं और हम सब चेन से जीवन यापन कर पा रहे हैं। इसलिये हम सबका दायित्व बनता है कि हम सब देशवासी इन अमर बलदानियों को हमेशा याद करते रहें, नमन् करते रहें। कार्यक्रम के प्रारंभ में शहीद सरमन सिंह के चित्र पर पुष्प चक्र कमांडिंग ऑफिसर अखिल शर्मा, आईपीएस अखिलेश रेनवाल, पुलिस लाइन आरआई रणजीत सिंह सिकरवार, टीआई जितेंद्र सिंह तोमर, सूबेदार अजय सिंह, रामसिंह तोमर, राकेश जादौन, डॉ. मानवेंद्र सिंह, विहवल सेंगर आदि ने अर्पित किए। इस अवसर पर वीर नारियों का सम्मान किया गया, जिनमें मुख्य रूप से शहीद रामदत्त सिंह की वीर नारी शकुंतला देवी, शहीद रवि कुमार के पिताजी सूबेदार विजय बहादुर सिंह जादौन, शहीद योगेंद्र गुर्जर की वीर नारी उर्मिला गुर्जर, शहीद सरमन सिंह की वीर नारी सरोज कुमारी का सम्मान किया गया। आयोजन कारगिल शहीद सरमन सिंह पार्क (कारगिल युद्ध शौर्य स्मारक) बहोड़ापुर थाने के बगल से जेल रोड ग्वालियर पर किया गया। कार्यक्रम में 527 कारगिल युद्ध के शहीदों को पुष्प चक्र अर्पित कर कमांडर अखिल शर्मा ने सेल्यूट किया। साथ ही बड़ी संख्या में सेना मुख्यालय से अधिकारी, जवान एवं एनसीसी केडेट्स, स्थानीय नागरिकगणों ने अमर शहीद सरमन सिंह को श्रद्धासुमन अर्पित कर सेल्यूट किया, वहीं बलिदान दिवस कार्यक्रम की अंतिम श्रृंखला में अखिल भारतीय कवि सम्मेलन में अमर शहीदों को शाम 6:30 बजे काव्यांजलि के माध्यम से नमन् किया।

कवि सम्मेलन में कवियों की वाणी

जो अपने प्राण देकर भारती का मान रखते हैं,
समूचे विश्व में सबसे अलग स्थान रखते हैं,
तिरंगा हाथ में लेकर खड़े हैं सरहदों पर जो,
वो अपने दिल में अपना देश हिंदुस्तान रखते हैं।

- रवीन्द्र रवि

कभी शोला तो कभी अंगार हूं मैं।
सीमा पर डटे वीर सपूतों की हुंकार हूं मैं।।
वतन के खातिर जां लुटाने को तैयार हूं मैं ,
फख्र हैं मुझे भारत माता की जय जय कार हूं मैं।

- लक्ष्मीकांत निर्भीक (सिंगरौली)

देश की सुरक्षा हेतु ,पापा मेरे जाना तुम,
इस बार जंग पापा,जीत कर के आना तुम,
इस बार कोई भी, खिलौने न दिलाना तुम,
दुश्मनो की पापा,खाल खीच कर के आना तुम।

- कवि वीरेंद्र विद्रोही (ललितपुर)

दुःख नहीं मुझे कुछ, खुशी इस बात की है,
जब तक जिया मैंने खूब पहरा दिया।
हुआ जो शहीद, मुझे मौत ने प्रणाम किया,
एक बार को तो मैंने मौत को डरा दिया।
वक्त भी घमंड शहादत पे करेगा माई,
देख यह वक्त, मैंने वक्त ठहरा दिया।
गिरा तो भले ही पर गिरने से पहले ही,
टाइगर हिल पे तिरंगा लहरा दिया।

- कवि मोहित सक्सेना (आगरा)

देश हित में प्राण देने वालों की
याद हरदम हमको आनी चाहिए
पीढ़ियां भी जान लें उस त्याग की
युगों तक कहानी सुनानी चाहिए।

- प्रीति कुशवाह

मतलब के हैं सब गठबंधन।
सभी दोगलों का अभिनंदन।
साँप वहीं सब लिपट रहे हैं,
जहाँ दिखे सत्ता का चंदन।

- साजन ग्वालियरी

मौजूदा खरीफमौसम में 1.82 लाख हैक्टेयर रकबे में बोनी का लक्ष्य

ग्वालियर। मौजूदा खरीफमौसम में जिले में एक लाख 81 हजार 500 हैक्टेयर रकबे में बोनी का लक्ष्य रखा गया है, जो पिछले साल के खरीफमौसम से 11 हजार 778 हैक्टेयर अधिक है। पिछले साल जिले में एक लाख 69 हजार 722 हेक्टेयर रकबे में बोनी हुई थी। धान, ज्वार, मक्का, बाजरा, अरहर, मूँग, उड़द, मूंगफली, तिल व सोयाबीन जिले की प्रमुख खरीफफसलें हैं। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने खरीफमौसम में किसानों को खाद-बीज की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश किसान कल्याण व कृषि विकास विभाग के अमले को दिए हैं। उन्होंने कहा है कि किसानों को मानक खाद व बीज मिले, इसके लिये लगाकार आदान की दुकानों से सेम्पल लेकर जाँच कराई जाए। साथ ही किसानों को निर्धारित दर पर खाद व बीज उपलब्ध कराएँ। उप संचालक किसान कल्याण एवं कृषि विकास श्री आर एस शाक्यवार से प्राप्त जानकारी के अनुसार मौजूदा खरीफमौसम में जिले में 90 हजार हैक्टेयर रकबे में धान की बोनी का लक्ष्य रखा गया है। इसी तरह 30 हजार हैक्टेयर में ज्वार, 35 हजार हैक्टेयर में बाजरा, 8 हजार हैक्टेयर में मूँग, 12 हजार हैक्टेयर में उड़द व 5 हजार हैक्टेयर रकबे में तिल की बोनी का लक्ष्य है।

स्वामित्वधिकारी प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक चन्द्रप्रकाश शिवहरे के लिए मै. अंजली पब्लिकेशन एबी रोड़ मथुरा से मुद्रित, एवं ए-44-फस्ट फ्लोर, अशोका इन्क्लेव, पार्ट-2 सेक्टर- 37 फरीदाबाद हरियाणा (NCR) से प्रकाशित,
आरएनआई नं. एचएआरएचआईएन /2009/ 28496 संपादक चन्द्रप्रकाश शिवहरे। मो. 9958434103 सभी विवादों का न्याय क्षेत्र फरीदाबाद न्यायालय होगा।